Publication date- 5th April 2026, Posting date- 9/10th April 2026. Place of posting- Naraina
संख्या No. U (W)-11/2024-26 | PRGI No.DELBIL/2005/16236 | Postal Regn. No. DL (W) 10/2129/24-26

PRGI No. DELBIL/2005/16236

श्रद्धा 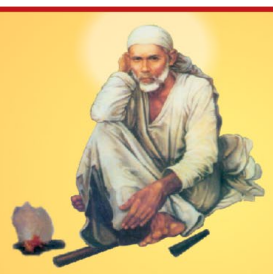 सबूरी

श्री साई सुमिरन टाइम्स

मासिक समाचार पत्र

वर्ष-22 अंक-7 नई दिल्ली अप्रैल 2026 वार्षिक मूल्य 700 रू. (प्रति कॉपी 60 रू.) पृष्ठ-20

शिरडी साई बाबा मंदिर रोहिणी दिल्ली में रामनवमी हर्षोल्लास से सम्पन्न

दिल्ली: सुप्रसिद्ध शिरडी साई बाबा मंदिर, सैक्टर-7, रोहिणी में 27 मार्च 2026 को रामनवमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नवरात्रों के अवसर पर हमेशा की तरह मंदिर की सजावट फूलों एवं लाईटों से अति सुन्दर की गई। रामनवमी के पावन अवसर पर दिनांक 27 मार्च को मंदिर में विशेष कार्यक्रम का

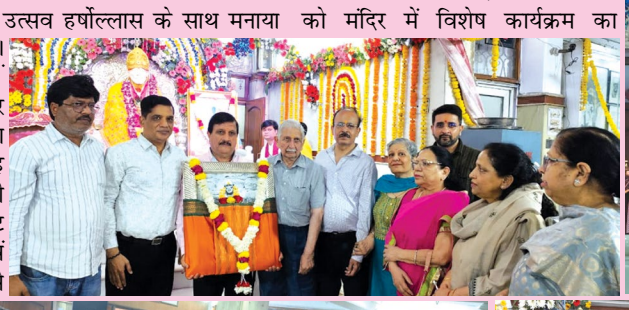

आयोजन किया गया। बाबा का दरबार रंग बिरंगे फूलों से अति सुंदर सजाया गया। मंदिर में भक्तों का मेला लगा रहा और विभिन्न गायकों द्वारा दिन भर भजनों का गुणगान चलता रहा। सर्वप्रथम प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक आचार्य श्रवण पंडित जी ने भजनों का गुणगान किया। दोपहर की आरती के बाद सभी भक्तों को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। उसके बाद रश्मी भारद्वाज जी ने अपनी मधुर आवाज़ में भजनों की प्रस्तुति की। दोपहर 3 बजे से गायिका शिवांगनी भाटिया ने भजनों का गुणगान किया। सांय 7 बजे आरती के बाद 7:30 बजे भव्य पालकी शोभा यात्रा रोहिणी भ्रमण के लिए

शेष पृष्ठ 6 पर

साई धाम हंबडा रोड लुधियाना में बाबा की पादुका व कफनी के दर्शन

लुधियाना: दिनांक 14 अप्रैल 2026 को लुधियाना के सुप्रसिद्ध साई धाम मंदिर हंबड़ा रोड में शिरडी से बाबा की पवित्र पादुकाएं एवं बाबा द्वारा पहनी कफनी एवं नौ सिक्के जो बाबा ने लक्ष्मी बाई को दिये थे, ये सब भक्तों के दर्शन हेतु लाए जायेंगे। कई लोग जो शिरडी नहीं जा पाते वे बाबा की इस्तेमाल की हुई वस्तुओं के दर्शन लाभ अपने ही शहर में कर सकते हैं। इस अवसर पर मंदिर में भव्य साई भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। दिन भर मंदिर में सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा भजनों का गुणगान चलता रहेगा। सुप्रसिद्ध भजन गायक मनहर उधास, हमसर हयात निज़ामी, अमित सक्सैना, तरसेम कपूर, पूनम खन्ना एवं रोहित कपूर भजनों का गुणगान करेंगे। पूरे मंदिर को फूलों व लाईटों से सजाया जायेगा। समस्त कार्यक्रम मंदिर समिति के श्री अदीश धवन जी, श्री संजय सूद जी, श्री राजेश शर्मा जी, श्री चंद्रकांत जी, श्री विनय सिंगल जी, श्री प्रदीप अग्रवाल जी, श्री नवीन भाटिया जी, श्री रोहित शर्मा जी, श्री हेमंत गुप्ता जी, श्री महेश गोयल जी, श्री सुहेल ग्रोवर जी एवं श्री संजीव अरोड़ा जी की देखरेख में किया जायेगा। सभी भक्तों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में साई धाम आकर बाबा की पवित्र पादुकाएं, बाबा द्वारा पहनी कफनी एवं नौ सिक्कों के दर्शन अपने ही शहर में करें और बाबा का परम आशीर्वाद प्राप्त करें।

-संजीव अरोड़ा, लुधियाना

देहज के पांच लाख रूपये लौटाए

पानीपत: गांव इसराना, पानीपत, हरियाणा के निवासी सुबेदार प्रताप सिंह जी के बेटे की शादी 10 मार्च को थी। उन्होंने अपने बेटे की शादी में केवल 1 रूपया दहेज में लिया। लड़की वालों ने दहेज में गाड़ी के लिए 5 लाख रूपये दिये जो उन्होंने लड़की वालों को वापस कर दिए।

सुबेदार प्रताप सिंह जी लंबरदार हैं जो पिछले 20 सालों से साई ध्यान मंदिर से जुड़े हैं। साई ध्यान मंदिर के प्रधान श्री राजकुमार डाबर जी के माध्यम से इनका परिवार साई बाबा से जुड़ा है। मेरठ से रीना चौधरी जी द्वारा आयोजित पालकी यात्रा में वो बाबा के दर्शन करने शिरडी भी गये। उन्होंने बाबा से जब भी कुछ मांगा तो बाबा ने उनकी मनोकामना पूरी की जिससे बाबा के प्रति उनकी श्रद्धा बढ़ती चली गई।

अपने बेटे की शादी में दहेज न लेकर सूबेदार प्रताप सिंह जी ने बहुत ही सराहनीय काम किया है, जिससे सबको प्रेरणा मिलती है। उनके पूरे गांव के लोगों ने उनकी बहुत प्रशंसा की। साई ध्यान मंदिर के डॉ. पंकज कुमार जी ने कहा दहेज प्रथा को खत्म करने के लिऐ ऐसे ही सभी को आगे आना चाहिए और दहेज जैसी कुरीतियों को समाप्त करना चाहिए। **-डा. पंकज कुमार**

असंभव को संभव किया साई ने

मैं न्यू जर्सी में रहता हूं। बाबा से जुड़े मुझे 40-50 साल हो गये हैं। पहले हम नागपुर में रहते थे। मैं स्कूल में पढ़ता था तब एक दिन आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लास में मैं शिवजी की तस्वीर बना रहा था। मैंने अपने दोस्त से पूछा कि तुम क्या बना रहे हो? उसने कहा कि मैं साई बाबा की तस्वीर बना रहा हूं। उसके बाद से मुझे जगह-जगह बाबा नज़र आने लगे। बाद में हम मुम्बई आ गये अक्सर अपने बड़े भाई बहनों के साथ मैं शिरडी जाता था। उस समय बाबा को नमस्कार कर दिया, बस इतना ही काफी होता था। लगता था जैसे हम घूमने फिरने आए हैं। जब मैंने अपना बिज़नेस स्टार्ट किया और जब कभी बिज़नेस में परेशानियां आती और मैं बाबा से प्रार्थना करता तो मुझे एकदम से मेरी परेशानियों का हल मिल जाता। मेरे जीवन में कई चमत्कार ऐसे हुए कि बाबा के प्रति मेरा विश्वास बढ़ने लगा और मुझे एहसास होने लगा कि बाबा ही मेरे भगवान हैं। हमारे घर में कृष्ण जी, राम जी, शिव जी, गुरूनानक जी सभी की पूजा होती थी। मैं आज भी सभी का आदर करता हूं। हमने घर में एक कमरे में साई बाबा का मंदिर बनाया है और उसमें सभी भगवानों की तस्वीरें हैं।

एक दिन जब मैं ऑफिस से आया तो मेरी पत्नी ने बताया कि मेरा बेटा जो उस समय दो साल का था वो सही से चल नहीं पा रहा वो लगड़ा कर चल रहा है। जबकि पहले वो ठीक चलता था। मैंने बेटे को चलने को कहा तो वो चल नहीं पा रहा था, बार-बार बैठ जाता था। तब मैंने अपने डॉक्टर से बात की तो उसने कहा कि बच्चों के डॉक्टर को दिखाओ। मैंने अपने जान पहचान के एक बच्चों के डॉक्टर से बात की और उन्हें घर बुलाया। उसने मेरे बेटे का चैकअप करने के बाद कहा कि मैं सही से समझ नहीं पा रहा, उसने कहा कि रीढ़ की हड्डी में इंजैक्शन लगा कर हम बीमारी का पता करने की कोशिश कर सकते हैं। तब डॉक्टर ने कहा कि इसे हॉस्पीटल ले जाना पड़ेगा। हम उसे उसी समय हॉस्पीटल ले गये। वहां उसने जैसे ही इंजैक्शन लगाया मेरा बेटा पूरी तरह से पैरालाईज़्ड (Paralysed) हो गया। डॉक्टर ने कहा कि इसे पोलियो अटैक आया है पर उसमें पोलियो के कोई symptoms नहीं थे। उन्होंने तुरंत उसका इलाज शुरू कर दिया। डाक्टर ने कहा कि अगर तीन दिन तक उसका इन्फैक्शन सिर तक पहुंच गया तो हम कुछ नहीं कर पायेंगे। दो दिन बीत गये उसमें कुछ खास सुधार नहीं आया। हम बहुत चिन्तित थे, मैंने अपनी पत्नी से कहा कि मैं शिरडी जा रहा हूं। मेरी पत्नी ने

शेष पृष्ठ 2 पर

Since 1990
aarcee
World renowned name in
WALL PAPER
Awnings, Blinds & Canopies
Visit Before You Buy
Show room: 9-A, Aurobindo Place, HAUZKHAS,
Aurobindo Marg, New Delhi-110016
Terrace Awning
Basket Awning
R.C. Gupta
Ph. 9810030709, 9910030709

श्रद्धा सबूरी
TANEJA JEWELLERS PVT. LTD.
हमारे यहां साई बाबा जी के चांदी के सिंहासन, छत्र, पादुका व मुकुट हर साईज में तैयार किए जाते है
Gold, Diamond, Kundan, Silver Ornaments & Birth Stones
Exclusive Range of Silver Utensils & Gift Articles
Naresh Taneja - 9211760000, 41720094, 29830855
J-37 B, Central Market, Lajpat Nagar-II, New Delhi-24.

• Curtain & Sofa Cloth • Bed Sheets & Bed Covers
• Towels/Table Linen • Quilts & Blankets
• Mattresses & Pillows • Carpets & Rugs • Wallpaper
• Curtains Rods & Venetian Blinds • Cushion Cover
SITA Fabrics
Furnishing Homes For Better Living
D-37, Central Market, Lajpat Nagar-II,
New Delhi-110024. Ph: 011-41750253/254
We accept all major Credit/Debit Cards
ALL DAYS OPEN
SPECIAL OFFER ON WALLPAPER

सम्पादकीय

दोस्तों हमारा सारा जीवन सुख-दु:ख की लहरों में ही व्यतीत हो जाता है। जब हमारे मनचाहे हालात होते हैं तो हम खुश रहते हैं और ज़िंदगी में जब विपरीत स्थिति आए तो हम दु:खी हो जाते हैं। कोई भी जीवन में दुखी नहीं रहना चाहता। हम बाबा से भी सदा अपनी सुख समृद्धि की ही कामना करते हैं। जब हम खुश होते हैं तो सोचते हैं कि मेरी बदौलत ही ये सुख मुझे मिला और जब हम दु:खी होते हैं तो अक्सर दूसरों को दोष देते हैं, यहां तक कि ईश्वर को भी दोष देते हैं। जबकि हम जानते हैं कि सुख-दुख काफी हद तक हमारे अपने हाथ में हैं। कई बार हम दूसरों से लड़ाई झगड़े करके दु:खी होते हैं जबकि लड़ाई झगड़े हम स्वयं अपनी कटु वाणी के कारण करते हैं। अगर हम सबसे प्रेमपूर्वक बातें करें, कड़वी ज़ुबान ना बोले, पीठ-पीछे बुराईयां ना करें तो हम बहुत से झगड़ों से बच सकते हैं। दूसरों के प्रति हमारा व्यवहार अच्छा होगा तो दूसरे लोग भी हमसे अच्छा व्यवहार करेंगे। कहते हैं, ताली दो हाथ से बजती है। अगर कोई हमारे साथ गलत व्यवहार करता है और हम सब्र रखते हुए उससे प्रेमपूर्वक पेश आते हैं तो लड़ाई झगड़े खुद-ब-खुद समाप्त हो जाते हैं। क्योंकि कोई भी इन्सान अकेला नहीं झगड़ सकता, जब तक सामने वाला उसके साथ ना झगड़े। अत: हम अपने अच्छे व्यवहार से लड़ाई झगड़े समाप्त कर सकते हैं और ऐसा करके हम स्वयं भी सुखी रह सकते हैं। जीवन में सुखी रहने का ये सबसे सरल तरीका है। बाबा ने भी कहा है जो स्वयं कष्ट सह कर दूसरों को सुख देता है वह मुझे अधिक प्रिय है। हम बाबा के सच्चे भक्त हैं तो हमें बाबा की शिक्षाओं का पालन अवश्यक करना चाहिए जो हमारे अपने ही हित के लिए है। ओम साई राम। **-अंजु टंडन**

वृद्धा के रूप में आये साई

नवरात्रों में नवमी के दिन मुझे साई बाबा का बहुत सुंदर आशीर्वाद मिला, माता के रूप में। नवरात्रि की नवमी के दिन बाबा का गुरुवार भी था, तब मैंने व्रत रखा था और पूरे 8 दिनों तक अखंड ज्योत जलाई थी, और आज बाबा माता के रूप में आकर मुझे आशीर्वाद देकर गए। मैंने होली वाले दिन शिरडी में मन ही मन इच्छा की थी कि बाबा मुझे आशीर्वाद दें, तब ऐसा नहीं हो पाया था, लेकिन आज उन्होंने मेरी मनोकामना पूरी कर दी। नवरात्रि नवमी की कन्या पूजन के बाद, एक बुज़ुर्ग महिला सफेद साड़ी में, रंगीन बॉर्डर के साथ, कुछ बच्चों के साथ भोजन लेने आई। वह मुझे देखकर बहुत सुंदर तरीके से मुस्कुरा रही थीं, और उन्हें देखते ही मुझे लगा कि शायद यह बाबा ही हैं, लेकिन मुझे पूरी तरह से विश्वास नहीं था। मैंने उन्हें खाने का एक पैकेट और कुछ पैसे दिए। उन्होंने फिर से बहुत प्यार से मुस्कुराकर आगे बढ़कर मेरे सिर पर हाथ रखा और मुझे आशीर्वाद दिया। उसी क्षण मुझे समझ आ गया कि वह स्वयं बाबा ही थे।

इसी तरह पिछले साल राधा कुंड में भी एक बुज़ुर्ग महिला के रूप में बाबा ने राधा मैया की तरह मेरे सिर पर हाथ रखकर मुझे आशीर्वाद दिया था। उस महिला ने भी रंगीन बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी थी।

आज मैं बहुत धन्य महसूस कर रही हूँ, क्योंकि आज का मेरा दैनिक पारायण भी अध्याय 6 था, जो रामनवमी का अध्याय है। इसके साथ ही, साई संस्थान के सेवानिवृत्त मुख्य पुजारी सुलाखे गुरुजी, जिन्होंने 42 साल तक बाबा की सेवा की और जिन्हें बाबा ने मेरा साई भाई बनाया, उन्होंने भी शिरडी से विशेष रूप से मुझे आशीर्वाद देने के लिए फोन किया। मैं खुद को बाबा की कृपा और आशीर्वाद से पूर्ण रूप से समृद्ध महसूस कर रही हूँ। जय साई राम। **-गौरी ओबरॉय**

पृष्ठ 1 से आगे...

असंभव को संभव...

मुझे रोकना चाहा तो मैंने कहा कि मैं यहां रूक कर कुछ नहीं कर सकता जो करना है वो डॉक्टर करेंगे और तुम तो हो इसके पास, मैं बाबा के पास शिरडी जा रहा हूं बाबा ही कुछ करेंगे। मैं शिरडी आ गया उस समय मंदिर में स्नान का जल मिलता था, मैं बाबा का तीर्थ जल और उदि लेकर वापस आ गया। वो तीसरा दिन था। बेटे का इन्फैक्शन बाबा की कृपा से सिर तक नहीं पहुंचा था और वायरस धीरे-धीरे नीचे आने लगा। डॉक्टर ने कहा कि इसकी जान तो बच जाएगी, इसके शरीर का उपर का हिस्सा तो ठीक है लेकिन नीचे का हिस्सा पैरालाइज़्ड रहेगा और वो हमेशा व्हील चेयर पर ही रहेगा। डॉक्टर मुझे ये कह कर तसल्ली दे रहे थे कि बड़े-बड़े स्कॉलर्स भी व्हील चेयर पर हैं और इस बच्चे का दिमाग तेज़ है। डाक्टर ने कहा कि इसके शरीर के नीचे के हिस्से को हम फीज़ियोथैरपी से ठीक करने की कोशिश करेंगे। मेरे लिये ये सब सुन पाना आसान नहीं था। मैं बाबा के पास जाकर बैठ गया और बाबा से कहा कि बाबा मैं आपके पास लगभग 20 सालों से आ रहा हूं। लेकिन मैंने आप से कभी कुछ नहीं मांगा। आज मैं आप से अपने बेटे की सेहत मांगता हूं, आप मेरे बेटे को ठीक कर दीजिए। हमने बच्चे को बाबा की उदि और जल रोज़ देना शुरू कर दिया। बाबा की कृपा से एक साल में मेरा बेटा बिल्कुल ठीक हो गया और भागने दौड़ने लगा। जबकि डॉक्टरों ने कहा कि कि वो पूरी ज़िन्दगी व्हील चेयर पर ही रहेगा। पर ये तो बाबा की ही कृपा और आशीर्वाद था कि बच्चा बिल्कुल स्वास्थ हो गया। उसके बाद बाबा के प्रति हमारी श्रद्धा और भी बढ़ गई। मैं अपने आपको बहुत भाग्यशाली समझता हूं कि बाबा ने मुझे अपनी शरण में रखा है। बाबा पर सच्ची श्रद्धा और दृढ़ विश्वास हो तो बाबा असंभव को भी संभव कर सकते हैं। ओम साई राम।

-साई भक्त, न्यू जर्सी, USA

मन चंचल है, वह यत्र-तत्र भटकता है, वह गलत कर्म कराता है। मन की लगाम को कसो। ईश्वर में ध्यान लगाओ, चंचल मन शांत एवं स्थिर होगा। तुम्हारी आत्मा ईश्वर का अंश है इसे अनुभव करने की कोशिश करो। परमात्मा तुम्हारे हृदय में ही विराजमान हैं। इसे महसूस करने का प्रयास करो। **-श्री साई ज्ञानेश्वरी**

बाबा हैं ना

मैं सुजय खंडेलवाल कोलकाता में रहता था और कुछ महीने पहले मैंने दुबई में शिफ्ट किया है। मैं साई बाबा का भक्त हूं और मुझे बाबा की किताबें पढ़ने का बहुत शौक है, मैं अपने साथ बाबा की लगभग 50 किताबें ले आया था। मैं इन्टरनेशनल फ्लाईट में ज़्यादा वज़न नहीं ले जा सकता था इसलिए मैं बहुत सी किताबें अपने शिरडी वाले घर रिसू वाड़ा में ही छोड़ आया था। वहां हमने साई भक्तों के लिए 'साई वाणी' लाईब्रेरी बनाई है। 'साई वाणी' लाईब्रेरी में बाबा की हज़ारों किताबें हैं और बहुत से लोग वहां किताबें पढ़ने आते रहते हैं।

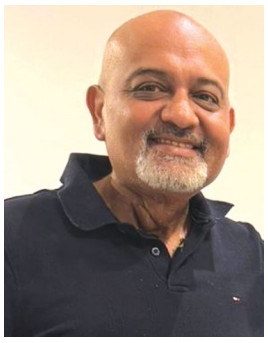

आज सुबह मैं सुमीत पोंदा जी द्वारा लिखित पुस्तक 'साई प्रॉमिसिस' किताब पढ़ रहा था उसमें उन्होंने श्री साई सच्चरित्र के अध्याय 25 और 32 की ओवी का ज़िक्र किया है, जो मोटी वाली साई सच्चरित्र में है, जो ज़रीन और इन्द्रा खेर द्वारा लिखी गई हैं। मेरी इच्छा वो श्री साई सच्चरित्र पढ़ने की हुई, जो मेरे शिरडी वाले घर में रखी हैं। मेरी इच्छा हुई कि मैं वो किताब भी दुबई ला सकूं मेरी इच्छा इतनी प्रबल थी कि मुझसे इंतज़ार करना मुश्किल हो रहा था। मैंने शिरडी में अपने एक मित्र को फोन करके कहा कि अगर कोई शिरडी से दुबई आ रहा हो और उसके पास जगह हो तो वो मोटी वाली श्री साई सच्चरित्र दुबई भेज देना। बाबा की लीला देखो कि कुछ ही देर में मैं साई संगम की एक सदस्य से चैटिंग कर रहा था तो उसने बताया कि उनकी बहन शिरडी में हैं और अगले वीरवार उनकी बहन शिरडी से दुबई पहुंच रही हैं। मैंने पूछा कि क्या वो मेरे लिए श्री साई सच्चरित्र ले आएंगी? तो उसने कहा कि वो किताब और साथ में बाबा की उदि भी ले आएगी। मुझे वो किताब वीरवार को उदि के साथ मिल गई। ये बाबा की बहुत बड़ी कृपा है। क्या बताऊं मेरे साई के किस्से, हर पल वो मुझे अपने होने का एहसास दिलाते रहते हैं और कहते हैं कि मैं हूं ना, साई हैं ना, बाबा हैं ना।

-सुजेय खंडेलवाल, दुबई

श्रद्धांजली

दिनांक 29 मार्च 2026 को श्री संदीप नागरे जी (खंडोबा मंदिर, शिरडी) की माता जी श्रीमती आशा लता मनोहर नागरे जी का आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वो म्हाल्सापति जी के परिवार से थी। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार को यह असहनीय दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।

कैसे दूंगी तीन महिने की फीस

मैं पिछले माह अपना एक अनुभव आप सबको बताया, अब मैं आपको एक और अनुभव बताना चाहती हूं। मेरी बेटी जब तीसरी क्लास में पढ़ती थी तब मैं घर चलाने के लिए सिलाई का काम करती थी। मैं बहुत मुश्किल से उसकी फीस दे पाती थी। एक बार मुझे पता चला कि स्कूल वाले मई में जून और जुलाई की फीस भी ले रहे हैं। मैंने सोचा कि मेरे लिए तो एक महीने की फीस देना भी मुश्किल है, फिर मैं तीन महीने की फीस एक साथ कैसे दे पाऊंगी। मैंने सोचा कि मैं स्कूल जाकर फीस के बारे में बात करती हूं। मैं उसके स्कूल गई। वहां पहले सिस्टर का कमरा है उससे मिलने के बाद ही फादर से मिल सकते हैं। मैंने कमरे में आकर सिस्टर को नमस्ते किया तो सिस्टर ने मुझे कहा कि आप जाकर फादर से मिल लो। मैं फादर के कमरे में गई। फादर ने मुझसे पूछा कि क्या बात है? मैंने कहा, फादर आपने इस बार ये क्या किया, हर बार एक महीने की फीस जाती है और इस बार तो आप एक साथ तीन महीने की फीस ले रहे हो मैं कैसे कर पाऊंगी। तभी मेरे मुंह से अचानक निकल गया, अरे बाबा ये क्या तरीका है, कभी एक महीने की फीस लेते हो इस बार तीन महीने की इक्ट्ठी फीस ले रहे हैं, मैं तो एक महीने की फीस बड़ी मुश्किल से दे रही थी, अब मैं कैसे करूंगी।

फादर ने मुझसे फीस बुक मांगी और मैंने उन्हें दे दी। फिर उन्होंने उस पर कुछ लिखकर वो मुझे वापस कर दी। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ कि मुझे फादर के साथ ऐसे नहीं बोलना चाहिए था। मैंने उन्हें सॉरी बोला तब उन्होंने कहा कि फादर भी बोलती हो, बाबा भी बोलती हो और सॉरी भी बोलती हो, आप जाइए सिस्टर से मिलिए। मैंने सोचा कि शायद वो मुझ से हर महीने के महीने ही फीस लेंगे, पर सिस्टर ने फीस बुक देखकर कहा कि आपकी साल भर की फीस जमा हो गई है। मुझे यह सुनकर यकीन नहीं हुआ। फिर उसने उस महीने की फीस भी मुझे वापस कर दी। मैं बहुत हैरान थी कि ये सब कैसे हो गया। ये मेरे बाबा की ही कृपा थी कि वो हो गया जो कभी सोचा भी नही था। इस तरह पग-पग पर बाबा ने मेरी मदद की और बाबा के प्रति मेरी श्रद्धा और भी गहरी होती गयी। बाबा ने ही मुझे फर्श से उठाकर अर्श तक पहुंचाया है।

-सरिता शर्मा, ऋषिकेश

बाबा के होने का एहसास

सभी भक्तों को मेरा ऊँ साई राम। आज मैं आप सभी पाठकों के समक्ष 15 साल पुराना एक अनुभव सांझा करने जा रहा हूं। बात सन् 2011 की है जब मेरी पोस्टिंग दिल्ली में थी और मुझे गुड़गांव में सरकारी आवास आवंटन किया गया था। पूरे परिवार ने मिलकर 4 व्हीलर कार लेने का फैसला किया। मैंने गुड़गांव में ही ड्राईविंग स्कूल से ड्राईविंग सीख ली। उसके बाद एक अली नामक ड्राईवर को साथ लेकर हम नयी कार लेने के लिए लुधियाना गए। मैं पूरे परिवार के परामर्श से Hyundai i10 फोर व्हीलर कार CSD कैंटीन से लेने लुधियाना गया था। लुधियाना जाने से पहले मैंने बाबा की मूर्ति, कपड़ा, पटका, पगड़ी फैविक्यूक इत्यादि भी साथ लेकर गया था।

नयी गाड़ी की कागज़ी कार्यवाही होने के बाद Supreon Hyndai के स्टाफ द्वारा श्री गणेश जी की पूजा की गयी। तत्पश्चात् मुझे कार की चाबी Handover कर दी गयी। उसके तुरन्त पश्चात् मैंने बाबा की प्रतिमा को वस्त्र, पटका एवं पगड़ी पहनाकर नयी कार के डैशबोर्ड पर बिठा दिया। फिर जब मैं बाबा को अगरबत्ती दिखा रहा था तो पूजा के दरमियान मेरी उंगली बाबा की मूर्ति से टच हो गयी एवं मुझे अचानक करंट के झटके का एहसास हुआ। ये बात 24 दिसम्बर 2011 की है। बाबा की मूर्ति से करंट का झटका बाबा की presence का एहसास था। बाबा ने मुझे एहसास करवा दिया कि बाबा मेरे साथ थे। ऊं साई राम। **-बलराम गुप्ता, बक्सर**

श्री साई सुमिरन टाइम्स की सदस्यता लेने के लिए जानकारी

भारत में वार्षिक मूल्य डाक द्वारा 700 रू. व कोरियर द्वारा 1000 रू.
आजीवन सदस्यता 11000 रू., विदेशों में वार्षिक मूल्य 2500 रू.

आप अपना सदस्यता शुल्क **Paytm, M.O.** या **QR Code** द्वारा या श्री साई सुमिरन टाइम्स के HDFC बैंक, खाता संख्या 01292000015826, IFSC: HDFC0000129 में Net banking या चैक से जमा कर सकते हैं। अथवा State Bank of India, खाता संख्या 35247638760, IFSC: SBIN0017413 में जमा कर सकते हैं। Ch/DD in F/o Shri Sai Sumiran Times. कृपया राशि जमा करने की सूचना अवश्य दें। आप अपना पता व फोन न. हमें email/whatsapp/sms या डाक द्वारा भेज सकते हैं। हमारा पता है: श्री साई सुमिरन टाइम्स, F-44-D, MIG Flats, Hari Kunj Society, Hari Nagar, New Delhi - 110064.
Ph: 9212395615, 9818023070, Email: saisumirantimes@gmail.com

नोट: इसमें विज्ञापन देने के लिए भी सम्पर्क कर सकते हैं।

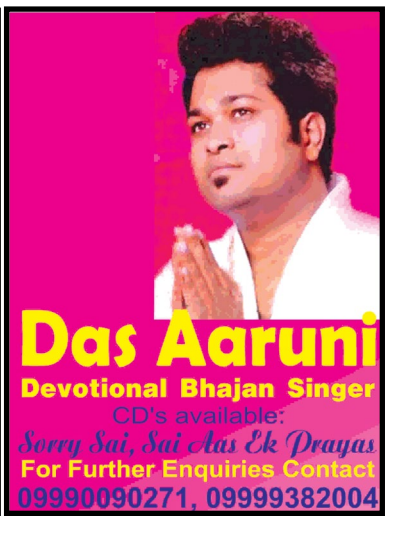

साई ने भेजा मददगार

मैं भीम आनन्द एक अर्से से बाबा की शरण में हूं। मुझे बाबा की और बाबा के भक्तों की सेवा करने में बहुत आनन्द आता है। बाबा ने हर मुश्किल घड़ी में मेरा साथ दिया है। मेरे जीवन में अनेक ऐसे अनुभव हैं जब बाबा ने मेरी मदद की। ऐसी ही एक घटना मैं आप सबको बताना चाहता हूं। हाल ही में मैं लुधियाना में ललतोकलां में स्थित साई मंदिर के प्रोग्राम में शामिल होने गया था। वहां पर बाबा की पादुकाएं भी भक्तों के दर्शनार्थ आई थी। मैं दिल्ली से बस में गया था। बस ने मुझे बायपास में उतार दिया। मैंने वहां ऑटो से पूछा तो वो मंदिर जाने के लिए 500 रूपये मांगने लगा। मैं थोड़ा आगे आ गया, वहां पर मैंने एक गाड़ी वाले से पूछा कि वहां से मंदिर कितनी दूर है तो उसने कहा कि मैं अपने बेटे को बस में चढ़ाने आया हूं उसे चढ़ा कर मैं आपको छोड़ दूंगा। उसके बाद उस गाड़ी वाले ने मुझे एक जगह छोड़ कर वहां से मुझे ऑटो करवा दिया जिसने मुझे 300 रूपये में मंदिर पहुंचा दिया।

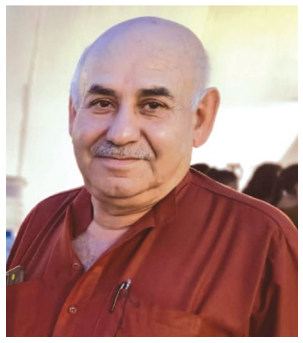

मंदिर के पास मैं जिस होटल में ठहरा था वो जगह मंदिर से दो-ढाई किलोमीटर दूर थी। रात को प्रोग्राम के बाद मैं जब मंदिर से अपने होटल में जाने लगा तो मुझे कोई भी रिक्शा नहीं मिला रहा था, तभी एक साई भक्त ने मुझसे पूछा कि आपने कहां जाना है? तो मैंने उन्हें बताया कि होटल में जाना है कुछ मिल नहीं रहा। तो उन्होंने कहा कि हम आपको वहां छोड़ देते हैं। मैं उनकी गाड़ी में बैठ गया। रात का समय होने के कारण वो जगह सुनसान थी और 25-30 कुत्ते वहां पर घूम रहे थे। तब उन्होंने कहा कि अगर आप रात को यहां अकेले आते तो ये कुत्ते आपको छोड़ते नहीं। बाबा की कृपा से मैं ठीक-ठाक होटल पहुंच गया।

अगले दिन मुझे रेलवे स्टेशन जाना था। मैंने एक ऑटो वाले से बात कर रखी थी उसने कहा था कि 300 रूपये लगेंगे मैं आपको रेलवे स्टेशन छोड़ दूंगा। अगले दिन सुबह मैंने उस ऑटो वाले को फोन किया तो उसने बताया कि वो कहीं दूर है और उसे आने में समय लगेगा। उस समय 9:30 बज गये थे और मेरी 11 बजे की ट्रेन थी। मैं अपने होटल से निकला और पैदल ही मेन रोड की तरफ चल पड़ा। तभी एक स्कूटर वाला मेरे पास आकर रूका उसने मुझसे पूछा कि आपने कहां जाना है। मैंने उसे बताया कि मुझे स्टेशन जाना है पर मुझे कोई ऑटो नहीं मिल रहा। उसने कहा कि आपको ऑटो मेन रोड पर मिल जाएगा मैं आपको वहां छोड़ दूंगा, आप मेरे पीछे बैठ जाओ। मैं उसके पीछे बैठ गया। बैठने के बाद बातों बातों में मैंने उसे बताया कि मैंने एक ऑटो वाले से बात की थी पर उसने अभी आने से मना कर दिया। तब उसने तुरंत कहा कि वो कैसे आता जबकि मैंने ही आना था। मैं उसके साथ बहुत दूर तक आया फिर उसने मेरे लिए एक ई-रिक्शा रोका जिसमें पहले से दो सवारियां बैठी थी। उसने ड्राईवर से बात की और मुझे कहा कि आप इसे 40 रूपये दे देना ये आपको स्टेशन छोड़ देगा। मैं 10:30 बजे रेलवे स्टेशन पहुंच गया और ट्रेन से सकुशल अपने घर गुड़गांव पहुंच गया।

घर पहुंचने के बाद जब मैंने सारी घटना के बारे में सोचा तो मुझे लगा कि उस स्कूटर चालक के रूप में बाबा ने आकर मेरी मदद की जिसकी वजह से मैं सही समय पर रेलवे स्टेशन पहुंच गया और ट्रेन पकड़ पाया। उस गाड़ी वाले ने और कार वाले ने भी स्वयं आकर मुझे मेरे गन्तव्य तक पंहुचाया, मुझे विश्वास है कि उन सबके रूप में बाबा ने ही आकर मेरी मदद की। ये बाबा की ही कृपा थी कि आते वक्त और जाते वक्त नये शहर में बाबा ने मेरे आने जाने की व्यवस्था की। जब भी हम किसी मुश्किल में होते हैं तब बाबा ही किसी न किसी रूप में आकर अपने भक्तों की मदद करते हैं। ओम साई राम।

-भीम आनंद, गुड़गांव

कार चलने नही दी बाबा ने

सभी साई भक्तों को मेरा ओम साई राम। मैं आशा करती हूं कि बाबा की कृपा सभी साई भक्तों पर हमेशा बरसती रहे। सभी भक्त स्वस्थ रहें और बाबा के साथ जुड़े रहें। मैंने पहले भी अपने अनुभव शेयर किये हैं। आज मैं अपना एक और अनुभव आप सभी को बताना चाहती हूं।

चार दिन पहले की बात है मुझे किसी सत्संग में जाना था। जब मैं जाने लगी तो मैंने अपने गले में एक सोने की चेन पहन ली जिसमें हीरे का पैंडेट भी था। हम घर से निकल पड़े। जब हम थोड़ी दूर ही गये थे तो रास्ते में अचानक मेरा हाथ गले में लगा तो मुझे लगा कि गले में चेन नहीं है। मैं घबरा गई और मैंने अपने पति को कहा कि एक मिनट गाड़ी रोको मैं अपनी चेन चैक कर लूं। मेरे पति ने गाड़ी रोक दी और मैंने अपनी गोदी में, गाड़ी की सीट के नीचे, इधर-उधर सब जगह देखा लेकिन मुझे मेरी चेन कहीं नज़र नहीं आई। मैंने उन्हें कहा कि मैं कार से बाहर निकल कर कपड़ों को झाड़ कर देखती हूं, लेकिन कार के बाहर भी कुछ नहीं मिला। मैं गाड़ी में वापस आकर बैठ गई। मैंने अपने पति को बोला कि यू टर्न लेकर घर वापस चलते हैं, घर जाकर देख लेते हैं कि वहां मेरी चेन और पैंडट है कि नहीं। वो बोले ठीक है, उन्होंने गाड़ी को स्टार्ट ही रखा था जब आगे चलने के लिए गाड़ी को रेस दी तो गाड़ी चली ही नहीं। मेरे पति ने 3-4 बार गाड़ी को रेस देकर चलाने की कोशिश की लेकिन गाड़ी चली ही नहीं। मेरे पति ने गाड़ी के दरवाजे चैक किये और एक बार फिर खोल कर बंद कर लिये, पार्किंग लाईट, बैल्ट आदि सब चैक कर लिये। मैंने गाड़ी के पीछे का दरवाज़ा खोल कर बंद किया, लेकिन आगे की सीट पर बैठे हुए वो ठीक से बंद नहीं हो रहा था इसलिए मैं गाड़ी से उतरी और पीछे का दरवाज़ा खोलकर बंद कर दिया। तभी अचानक मेरी नज़र नीचे पड़ी तो मुझे अपना पैंडट और चेन नीचे पड़े दिखाई दिये। मैंने तुरंत चेन और पैंडेट उठा लिये और गाड़ी में बैठ गई। मैंने अपने पति को बताया की मेरा चेन और पैंडेट तो मिल गये, हमने चैन की सांस ली और सोचा कि अब गाड़ी को ठीक करवाना पड़ेगा। विश्वास कीजिए जब मेरे पति ने गाड़ी को चलाने के लिए रेस दी तो गाड़ी चल पड़ी। हम बहुत हैरान हो गये। दरअसल ये बाबा का ही चमत्कार था कि बाबा ने हमें वहां रोक लिया और गाड़ी को नहीं चलने दिया, उसी वजह से मुझे मेरी चेन मिल गई और मैं बहुत खुश हुई और बाबा का बहुत शुक्रिया किया और कहा कि बाबा साई आपका लाख-लाख शुक्रिया, आपकी कृपा से मुझे मेरी चेन और पैंडट मिल गये। बाबा की कृपा वाकई सभी पर होती है लेकिन हमें दिखती नहीं है। लेकिन अगर हम हर समय बाबा का ध्यान करते रहें, बाबा को याद करते रहें तो बाबा अपनी कृपा भक्तों पर करते हैं और हर समस्या हल हो जाती है। **-आशा हांडा**

जन्मदिन मुबारक

2 अप्रैल राजन पंडित जी
6 अप्रैल ऊषा कोहली
9 अप्रैल सुमन पालीवाल
16 अप्रैल आरती भाटिया
20 अप्रैल अचिन्त बब्बर
28 अप्रैल हरीश संतवानी

5 अप्रैल को गुरू जी महेन्द्र रमणी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें हार्दिक बधाई।

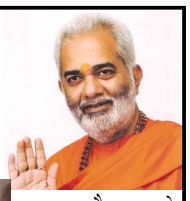

30 अप्रैल को स्वामी बलदेव भारती जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उन्हें हार्दिक बधाई।

19 अप्रैल को साहिल कोहली एवं भाविका कोहली को शादी की वर्षगांठ की हार्दिक बधाई।

बधाई हो बधाई

17 अप्रैल को सुषमा ग्रोवर व श्री दर्शन ग्रोवर को शादी की वर्षगांठ की हार्दिक बधाई।

21 अप्रैल को ज्योति व चेतन को शादी की वर्षगांठ की हार्दिक बधाई।

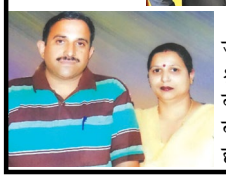

27 अप्रैल को जीवन संदल व श्री अनिल संदल को शादी की वर्षगांठ की हार्दिक बधाई।

श्री साई सुमिरन टाइम्स की यू-ट्यूब चैनल भी उपलब्ध

आप सब साई बाबा की देश विदेश की खबरें, भक्तों के अनुभव, बाबा के अनूठे चमत्कार व बाबा के विभिन्न live कार्यक्रम श्री साई सुमिरन टाइम्स की YouTube Channel पर भी निःशुल्क देख सकते हैं। इसके लिए आप सबसे अनुरोध है कि आप सब अपने फोन पर Shri Sai Sumiran Times की YouTube Channel को subscribe करें।

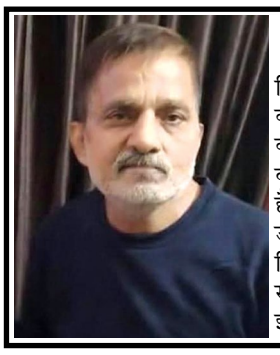

श्रद्धांजली

दिनांक 19 मार्च 2026 को साई बाबा मंदिर रोहिणी के ट्रस्टी श्री रमेश कोहली जी के छोटे भाई श्री सुरेन्द्र कोहली सदा के लिए साई के चरणों में लीन हो गए। वो कुछ समय से बीमार थे। हमारी साई बाबा से प्रार्थना है कि उनकी पावन आत्मा को शान्ति प्रदान करें और उनकी पत्नी श्रीमती मधु कोहली, पुत्र श्री नितेश कोहली, हिमांशु कोहली पुत्रवधु विनीता कोहली उनके भाई श्री रमेश कोहली , श्री नरेन्द्र कोहली व समस्त परिवार को इस गहरे सदमें को सहने की शक्ति दें। **-अंजु टंडन**

श्रद्धांजली

दिनांक 16 मार्च 2026 को श्रीमती इन्द्रा महाजन जी की भाभी जी श्रीमती सुषमा महाजन अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके सदा के लिए प्रभु के चरणों में लीन हो गयी। श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हम बाबा से दुआ करते हैं कि उनकी पावन आत्मा को शान्ति प्रदान करें और उनके पति श्री उमाकांत महाजन, पुत्र सौरभ महाजन, गौरव महाजन, पुत्री पूजा एवं पुत्रवधू माधवी महाजन को इस सदमें को सहने की शक्ति दें। **-अंजु टंडन**

श्रद्धांजली

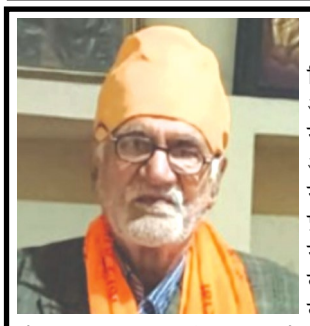

दिनांक 15 मार्च 2026 को बाबा के परम भक्त श्री अजय भाई जी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके सदा के लिए बाबा के चरणों में लीन हो गये। अजय भाई साई प्रेरणा मासिक पत्रिका के मुख्य सम्पादक थे। उनके द्वारा शुरू की गई पत्रिका साई प्रेरणा भविष्य में भी साई भक्तों को प्रेरणा देती रहेगी। श्री अजय जी ने अपना पूरा जीवन बाबा के भक्तों की सेवा में व्यतीत किया। धर्म-कर्म के हरेक कार्य में वो बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। दिनांक 29 मार्च 2026 को राजनगर गाज़ियाबाद में आयोजित एक श्रद्धांजली सभा में भक्तों ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हम साई बाबा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस सदमें को सहने की शक्ति प्रदान करें। **-अंजु टंडन**

श्री बाबा के चमत्कार

अभिदास भवानी मेहता जी द्वारा रचित पुस्तक- 'पूर्ण परब्रह्म श्री सद्गुरू साईनाथ महाराज' बाबा के समय में ही लिखी गई थी। इस ग्रन्थ का उल्लेख श्री साई सच्चरित्र में भी किया गया है और यह पुस्तक श्री साई बाबा के जीवन से सम्बन्धित दुर्लभ साहित्य में से एक है जो 1918 से पूर्व रचित है। हालांकि, इसके प्रकाशन के कुछ समय बाद ही यह पुस्तक प्रचलन से बाहर हो गई थी। परंतु लगभग सौ वर्षों के पश्चात्, यह दिव्य कृपा से पुनः प्रकाश में आई है। इस पुस्तक का हिंदी अनुवाद किया गया है। इसी पुस्तक से हम भक्तों के लिए विभिन्न लेख प्रस्तुत करते रहेंगे।

जिस जगह पर बाबा रहते थे, वह बहुत खराब हालत में थी। एक दिन, जब बाबा रोटी खा रहे थे, तो उन्होंने अचानक कहा, 'ज़रा रूको।' उनके आस-पास के लोग आश्चर्यचकित हुए और उन्होंने पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा। बाबा ने रहस्यमय तरीके से जवाब दिया, इसका मतलब जल्द ही आपको समझ में आ जाएगा। अपना भोजन समाप्त करने के बाद, बाबा ने उन्हें उस स्थान से बर्तन, गिलास और अन्य सामान हटाने का निर्देश दिया। जब वे ऐसा कर रहे थे, तो संरचना का एक हिस्सा ढह गया। यह बाबा के भोजन के समय गिर सकता था, लेकिन प्रकृति के पांच तत्वों पर उनके नियंत्रण ने इसे तब तक स्थिर रखा, जब तक कि सब कुछ सुरक्षित रूप से हटा नहीं दिया गया। इस घटना ने बाबा की प्रकृति को नियंत्रित करने और आस-पास के लोगों की रक्षा करने की क्षमता को दिखाया।

एक बार नारायण गोविंद चांदोरकर के नेतृत्व में गृहस्थों का एक समूह बाबा के पास आया। उनमें एक बुवा (पंडित) भी था जो हरि कथा सुनाता था। बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद बुवा शिरडी छोड़ने की जल्दी में था क्योंकि अगले दिन दूसरे शहर में उसका कीर्तन (भक्ति गायन) निर्धारित था, जहां वह पूजा के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था भी कर रहा था।

जब नाना साहेब चांदोरकर ने बाबा से जाने की अनुमति मांगी, तो बाबा ने उनसे कहा, 'भोजन करके चले जाना।' नाना साहेब ने बुवा को भी भोजन के लिए रूकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन बुवा और उनके साथी ने उनकी प्रार्थना की उपेक्षा की और प्रतीक्षा किए बिना ही स्टेशन के लिए रवाना हो गए।

उस समय बाबा ने नानासाहेब से कहा, 'देखो लोग कितने स्वार्थी हो सकते हैं, समय आने पर अपने साथियों को छोड़कर अपने स्वार्थ के लिए निकल पड़ते हैं। साथी के रूप में केवल उसी को चुनो जो तुम्हें कभी नहीं छोड़ेगा।' इस दुनिया में सद्गुरू के अलावा और कौन हो सकता है? इसलिए सद्गुरू को ही अपना एकमात्र साथी बनाओ। जबकि सभी जीवों से प्रेम करना महत्वपूर्ण है, सद्गुरू को अपना प्राथमिक साथी बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि उनकी संगति वास्तव में खुशी की ओर ले जाती है।

बाबा की सलाह का पालन करते हुए नानासाहेब और उनके समूह ने अलविदा कहा और स्टेशन की ओर चल पड़े। जब वे जा रहे थे, तो बाबा ने कहा, 'ट्रेन के लिए अभी बहुत समय है।' जब वे स्टेशन पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि बुवा और उनके साथी ट्रेन का इंतज़ार करते हुए उदास दिख रहे थे। नाना साहेब ने उनसे पूछा, 'क्या आप अपनी ट्रेन नहीं पकड़ पाए?' बुवा ने जवाब दिया, 'आज, ट्रेन तीन घंटे देरी से आ रही है। आपने बाबा की सलाह मानकर सही काम किया। हमें संदेह हुआ और परिणाम स्वरूप हमें भूखे रहना पड़ा।' आखिरकार ट्रेन आ गई और वे सभी एक साथ शहर लौट आए।

सार यह है कि बाबा की सर्वज्ञता पर सभी को विश्वास हो गया।

-अभिदास भवानी मेहता

आभार: पूर्ण परब्रह्म श्री सद्गुरू साईनाथ महाराज

शिरडी धाम विकासपुरी में साई भजन एवं भंडारा

दिल्ली: शिरडी धाम मंदिर, केजी-1 -केजी-2, डिस्पेंसरी रोड, विकासपुरी में हर वीरवार को साई भजन संध्या एवं पालकी का आयोजन पूर्ण भक्ति एवं श्रद्धा के साथ किया जाता है। इसी कड़ी में दिनांक 5 मार्च, 12 मार्च, 19 मार्च एवं 26 मार्च

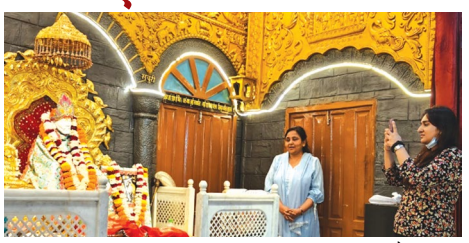

को साई भजनों का गुणगान सुप्रसिद्ध गायक श्री लक्की अरोड़ा, हर्ष साई, घनश्याम जी एवं नीरज शर्मा द्वारा किया गया। 12 मार्च को हर्ष साई जी ने साई भजनों का गुणगान करके वहां उपस्थित सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया। हर्ष जी

के भजन सुनकर सभी भक्त साई भक्ति में लीन हो गये और सभी ने उनकी गायिकी की खूब सराहना की। उनका साथ श्री दिनेश दीवान जी ने दिया। श्री प्रवीन लुथरा जी ने अपने चिरपरिचित् अंदाज़ में मंच संचालन करके सबका मन मोह लिया।

सभी भक्तों ने श्री घनश्याम जी श्री लक्की अरोड़ा और श्री नीरज शर्मा के भजनों का भी भरपूर आनन्द लिया।

भजनों के अंत में मंदिर परिसर में बाबा की पालकी निकाली गई। उसके बाद आरती की गई। अंत में बाबा को प्रेमपूर्वक भोग लगाया गया। उसके बाद सभी भक्तों ने बाबा के चरणों का प्रसाद और अत्यंत स्वादिष्ट भंडारा लेकर प्रस्थान किया।

इस मंदिर में भक्तों को हर वीरवार को अलग-अलग भजन भजन गायकों द्वारा भजन सुनने का अवसर मिलता है। इसकी सूचना पहले से मंदिर के बाहर लगे बैनर द्वारा दी जाती है। इस मंदिर के सभी कार्यक्रमों को साई धाम मंदिर की यूट्ब चैनल 'शिरडी धाम' पर भी लाईव दिखाया जाता है।

सभी कार्यक्रमों का आयोजन मंदिर की संस्थापक डॉ. मीनू महाजन जी एवं श्री विशाल सेठ द्वारा अन्य भक्तों के सहयोग से अत्यंत सुचारू व अनुशासित रूप से किया जाता है।

-कृष्णा पुरी

साई धाम सोहना रोड गुड़गांव में रामनवमी महोत्सव

गुड़गांव: साई धाम, सोना रोड, उप्पल साऊथएंड, गुड़गांव में बसंत नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वैदिक विद्वानों द्वारा नवचंडी महायज्ञ वैदिक विधि विधान से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतिदिन दुर्गा पाठ स्तुति के साथ निरंतर चलता रहा। मंदिर को फूलों और लाईटों से अति सुन्दर सजाया गया। दिनांक 26 मार्च, गुरूवार को अष्टमी पर कन्या पूजन व महागौरी पूजन किया गया। सांयकाल में माता की चौकी का आयोजन किया गया जिसमें स्वर कोकिला राधा राठौर ने शेरांवाली माता के दिव्य भजनों का मधुर गुणगान किया। सभी भक्तों ने उनके भजनों का भरपूर आनन्द लिया। अंत में दिव्य आरती हुई।

दिनांक 27 मार्च को यज्ञ की पूर्ण आहूति दी गई। उसके बाद सभी भक्तों ने भंडारे का भी आनन्द लिया। सांय 4 बजे साई बाबा की पालकी शोभायात्रा निकाली गई। नगर परिक्रमा करने के बाद पालकी पुन: मंदिर में पहुंची। सभी भक्तों ने पालकी पर पुष्प वर्षा की।

मंदिर के सभी ट्रस्टीयों ने नवरात्रि के अवसर पर प्रार्थना की कि सभी का कल्याण हो और सबके जीवन में सुख शांति हो। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के ट्रस्टी श्री नरेन्द्र मिश्रा एवं आचार्य जी की देखरेख में सबके सहयोग से किया गया।

-आचार्य विनय मिश्रा, गुड़गांव

धन का उपयोग सत्कार्य एवं दान में करो। उधार लेकर धर्म-संबंधी कार्य एवं तीर्थयात्रा न करो। दान देने से पहले दान प्राप्त करने वाले की योग्यता एवं पात्रता देखो।

-श्री साई ज्ञानेश्वरी

शिरडी साई बाबा मंदिर रोहिणी में नवरात्र पर माता की चौकी

दिल्ली: सुप्रसिद्ध शिरडी साई बाबा मंदिर, सैक्टर-7, रोहिणी में 19 मार्च से 26 मार्च तक नवरात्रों का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हमेशा की तरह मंदिर की

सजावट फूलों एवं लाईटों से अति सुन्दर की गई। नवरात्रों के दौरान मंदिर में भक्तों का आना जाना लगा रहा। दिनांक 22 मार्च को मंदिर में माता की चौकी का आयोजन किया गया। मंदिर के हॉल में मैय्या का सुंदर दरबार सजाया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायिका रश्मी भारद्वाज एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा भजनों का गुणगान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांय 7:30 बजे सभी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने पूजा अर्चना करके किया। तत्पश्चात् रश्मी जी ने अपनी मधुर आवाज़ में मैय्या की भेंटें प्रस्तुत की। कई भक्तों ने उनसे अपने मनपसंद भजनों की फरमाईशें भी की जिसे रश्मि जी ने सहजता से पूरा किया। कई भक्तों ने उनके भजनों पर भावविभोर होकर नृत्य भी किया। रश्मि जी ने श्रीकृष्ण, शिव जी और श्री राम के भजन भी सुनाये जिसका सबने भरपूर आनंद लिया। मंदिर का पूरा हॉल भक्तों से भरा था। रश्मि जी ने मंदिर की कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों की बहुत प्रशंसा की और कहा कि उनके द्वारा मंदिर में सारी व्यवस्था अत्यंत सुचारू रूप से की जाती है। रात 10:15 बजे तक भजनों का गुणगान चलता रहा। उसके बाद माता रानी की आरती की गई और अंत में साई बाबा की शेज आरती की गई। आरती के बाद सभी भक्तों को फल प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के प्रधान श्री के.एल. महाजन, उपप्रधान श्री संजीव अरोड़ा, महासचिव श्री रमेश कोहली, कोषाध्यक्ष श्री अशोक रेखी, सचिव श्रीमती प्रोमिला मखीजा एवं सदस्य श्री पी.डी. गुप्ता व श्री विमल शर्मा द्वारा किया गया।

साई धाम फरीदाबाद में रामनवमी महोत्सव श्रद्धा और उत्साह से सम्पन्न

फरीदाबाद: दिनांक: 26 मार्च 2026 को साई धाम, सैक्टर-86, तिगांव रोड, फरीदाबाद में शिरडी साई बाबा टैम्पल सोसाइटी द्वारा रामनवमी का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के जन्मा. त्सव के उपलक्ष्य में भजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम

में मोनिका कुमार, बिंदु मनचंदा, प्रमोद शर्मा एवं शिवम दीक्षित द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये। उनके भजनों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों का कार्यक्रम प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चला। इसके पश्चात् सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया जो दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक चला। सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। साई धाम के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने अपने संदेश में सबको रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं दीं।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या बीनू शर्मा एवं साई एडवाइज़री बोर्ड के सदस्य भी उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक भावना, एकता एवं सेवा भाव को बढ़ावा देना रहा। इस सफल आयोजन में सभी सहयोगियों एवं श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। **-गायत्री सिंह**

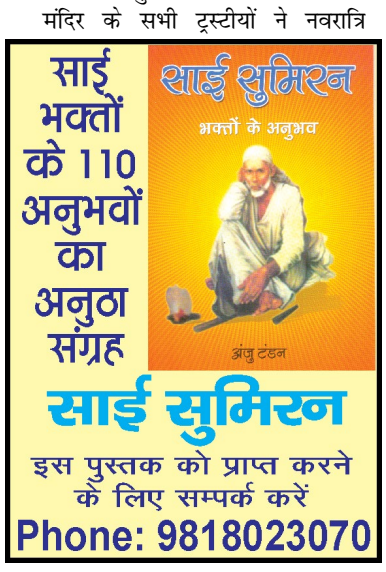

वीना मां व अशोक गुप्ता जी द्वारा भक्तिमय साई भजन संध्या

दिल्ली: हर साल की तरह इस साल भी दिनांक 14 मार्च 2026 को चिन्मय मिशन, लोधी रोड में श्रद्धेय श्रीमती वीना गुप्ता जी एवं श्री अशोक गुप्ता जी द्वारा भक्तिमय एवं भव्य साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। बाबा का दरबार फूलों से सजाया गया। सायं 5:30 बजे पूजा अर्चना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उसके बाद सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री संदीप कपूर जी व श्रीमती अल्का कपूर ने अपनी मधुर आवाज़ में साई बाबा के भजनों का गुणगान किया। उन्होंने स्व. श्री सुरेश गुप्ता जी द्वारा रचित दोहों का भी गुणगान किया। उसके बाद संदीप जी ने अनेक भजन सुनाकर सभी भक्तों को साई भक्ति में सराबोर कर दिया। कई भक्तों ने उनसे अपने मनपसंद भजनों की फरमाईशें भी की जिसे संदीप जी ने सहजता से पूरा किया। उनके भजन सुनकर सभी भक्त मंत्रमुग्ध हो गये और उनकी गायकी की सराहना की। पूरा हॉल भक्तों से भरा था। बाबा की परम भक्त श्रीमती वीना गुप्ता जी की झोली में बाबा की उदि प्रकट हुई जिसे देखकर भक्तगण भाव विभोर हो गये। वीना मां ने वह उदि भक्तों को वितरित की और कई भक्तों के माथे पर स्वयं लगाई। उनकी बाबा में बहुत आस्था है और उन पर बाबा की अपार कृपा हर पल बरसती है। अंत में संदीप जी ने पालकी भजन सुनाया तो हॉल में बाबा की पालकी निकाली गई। सबने पालकी पर फूलों की वर्षा की। उसके पश्चात् आरती की गई और सबको प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात् सभी भक्तों ने बाबा का अत्यन्त स्वादिष्ट लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

वीना मां बाबा की परम भक्त हैं। वह अपने निवास स्थान सिद्धार्थ एक्सटेंशन में हर वीरवार को बाबा की अमृतवाणी का पाठ करती हैं। बाबा की कृपा से वीना मां अमेरिका, कनाडा आदि में भी अमृतवाणी का पाठ कर चुकी हैं। वो विदेशों में भी साई भक्ति की ज्योत जलाकर भक्तों को बाबा के करीब ला रही हैं। **-कृष्णा पुरी**

साई मंदिर रोहिणी के स्थापना दिवस पर भक्तों को निमंत्रण

दिल्ली: मिनी शिरडी के नाम से प्रसिद्ध शिरडी साई बाबा मंदिर, सैक्टर-7, रोहिणी में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को मंदिर का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर मंदिर की सजावट फूलों एवं लाईटों से की जाएगी। प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक मंदिर में जाने माने गायक विजय रहेजा जी द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा। दोपहर की आरती के बाद सभी भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर की कार्य-कारिणी समिति के प्रधान श्री के. एल. महाजन, उपप्रधान श्री संजीव अरोड़ा, महासचिव श्री रमेश कोहली, कोषाध्यक्ष श्री अशोक रेखी, सचिव श्रीमती प्रोमिला मखीजा एवं सदस्य श्री पी.डी. गुप्ता व श्री विमल शर्मा की तरफ से सभी भक्तों से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होकर साई बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें। **-कृष्णा पुरी**

साई मंदिर आदर्श नगर में रामनवमी पर भजन

दिल्ली: दिनांक 26 मार्च 2026 को शिरडी साई बाबा मंदिर, एफ-1, अशोका रोड, आदर्श नगर एक्सटेंशन, दिल्ली में बाबा के जन्मदिवस व रामनवमी के शुभ अवसर पर साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर की सजावट रंगबिरंगे फूलों से की गयी। सर्वप्रथम प्रात: बाबा का मंगल स्नान 101 लीटर दूध से किया गया। दोपहर 3 बजे से सांय 6 बजे तक सुप्रसिद्ध गायक श्री संतोष लाडला ने अपनी मधुर स्वर में भजनों का गुणगान किया। सांय 4 बजे से प्रसाद वितरण किया गया। भजनों के बाद सांय 6 बजे आरती की गई। उसके बाद सांय 6:30 बजे से सुप्रसिद्ध गायक बूम बूम सैंडी एवं के.के. अंजाना जी ने अपने सूफियाने अंदाज़ में अनेक भजनों का गुणगान किया। मंदिर में उपस्थित सभी भक्तों ने उनके द्वारा गाये भजनों का खूब आनंद लिया। पूरा मंदिर भक्तों से भरा था। सांय 8 बजे बाबा के समक्ष जन्मदिवस का केक काटा गया और सभी भक्तों में प्रसाद स्वरूप बांटा गया।

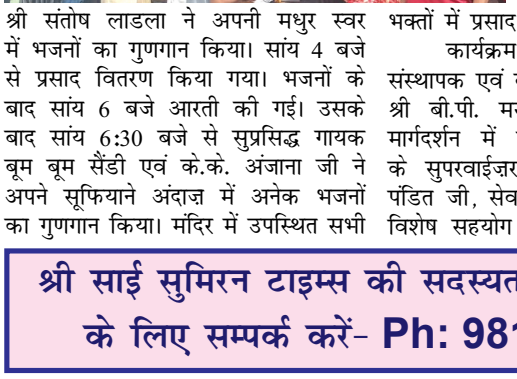

कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के संस्थापक एवं बाबा के परम भक्त स्वर्गीय श्री बी.पी. मखीजा जी के बताए हुए मार्गदर्शन में किया गया जिसमें मंदिर के सुपरवाईज़र श्री शमशेर सिंह, सभी पंडित जी, सेवादार व स्थानीय भक्तों का विशेष सहयोग रहा। **-कृष्णा पुरी**

अलमद परिवार द्वारा मुम्बई में साई मिलन

मुम्बई: दिनांक 8 मार्च 2026 को श्री आनन्द अलमद एवं श्रीमती प्रेमा अलमद द्वारा साई मिलन का कार्यक्रम उनके गैस स्टेशन महानगर गैस, श्री CNG Filling स्टेशन, चैम्बूर, मुम्बई पर आयोजित किया गया। साई गुणगान करने के लिए साई मित्र के श्री नटराजन जी व उनकी टीम पुणे से मुम्बई पहुंचे। प्रात: 6 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश चालीसा व आरती के साथ हुआ। उसके बाद बाबा का मंगल स्नान व अभिषेक किया गया। और नगर संकीर्तन निकाला गया। प्रात: 10 बजे साई मित्र के सभी कलाकारों ने भजनों का गुणगान आरंभ किया। नटराजन जी ने अपने चिरपरिचित् अंदाज़ में भजन सुनाकर सभी भक्तों को आनन्दित कर दिया। वहां उपस्थित सभी भक्त उनके भजनों में पूरी तरह डूब गये। दोपहर 3 बजे तक भजनों का गुणगान चलता रहा और भक्तगण साई भक्ति में लीन रहे। भजनों के बाद सभी भक्तों ने स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया। शाम को धूप आरती के बाद बाबा की पालकी निकाली गई जिसमें भक्तगण नाचते गाते हुए पालकी के साथ-साथ चले। उसके बाद साई मित्र के कलाकारों द्वारा हरि भजनों का गुणगान किया गया। जिसका सबने भरपूर आनन्द लिया। रात 8:30 बजे हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके पश्चात् नटराजन जी एवं उनके साथियों द्वारा बाबा की शेज आरती की गई। उसके पश्चात् सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा की परम भक्त प्रेमा अलमद जी, श्री आनन्द अलमद जी व उनके परिवार ने ये कार्यक्रम बहुत ही श्रद्धा से आयोजित किया। नटराजन जी एवं उनके साथी इतनी श्रद्धा के साथ भजन प्रस्तुत करते हैं कि भजन सुनने के बाद लगता है जैसे साई बाबा भी वहीं आसपास हैं। उनकी गायकी इतनी प्रभावशाली है कि सभी उनसे प्रभावित हो जाते हैं। वो अपने भजनों में गणेश जी, साई बाबा, विठोबा जी, राधा कृष्ण जी व हनुमान जी के भजन अलग शैली में गाते हैं। उनके भजनों में एक विशेष बात ये है कि भक्तों द्वारा बाबा पर रंग बिरंगे फूलों की वर्षा की जाती है जो बहुत मनमोहक लगता है। सभी भक्तों को बाबा पर फूलों की वर्षा करने का मौका दिया जाता है। उनके भजन कानों को ही नहीं आत्मा को भी तृप्त करते हैं। कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमती हर्षा अलमद एवं श्री निलेश लेले का विशेष सहयोग रहा।

श्री साई सुमिरन टाइम्स की सदस्यता एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें- Ph: 9818023070

शिरडी धाम विकासपुरी में साई भजन संध्या

दिल्ली: दिनांक 19 मार्च को शिरडी धाम मंदिर, केजी-1 केजी-2, डिस्पेंसरी रोड, विकासपुरी में साई भजनों का गुणगान सुप्रसिद्ध गायक घनश्याम जी द्वारा किया गया। घनश्याम जी ने अनेक मधुर भजन सुनाकर वहां उपस्थित सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया। सभी भक्तों ने श्री घनश्याम जी के भजनों का भी भरपूर आनन्द लिया। भजनों के दौरान तेज़ बारिश आने के बावजूद भजनों का गुणगान चलता रहा। सभी भक्त मंदिर के आंगन से उठकर मंदिर के अंदर बैठकर भजनों का आनन्द लेते रहे। घनश्याम जी ने मंदिर के अन्दर बैठकर गुणगान जारी रखा। बारिश का मौसम और साई के समक्ष भजनों के गुणगान दोनों ने मिलकर एक अलग ही समां बांध दिया। बारिश में ही छाता लेकर मंदिर परिसर में बाबा की पालकी निकाली गई। उसके बाद आरती की गई। अंत में बाबा को भोग लगाया गया। उसके बाद सभी भक्तों ने बाबा के चरणों का प्रसाद और व्रत का स्वादिष्ट भंडारा लेकर प्रस्थान किया।

कार्यक्रम का आयोजन मंदिर की संस्थापक डॉ. मीनू महाजन जी एवं श्री विशाल सेठ द्वारा अन्य भक्तों के सहयोग से किया गया। **-कृष्णा पुरी**

पृष्ठ 1 से आगे...

शिरडी साई बाबा मंदिर रोहिणी ....

निकली गई। शोभा यात्रा बैंड बाजे, ढोल ताशे, घोड़ा बग्गी के साथ धूमधाम से निकाली गई जिसमें भारी संख्या में भक्तगण शामिल हुए। रोहिणी भ्रमण करने के बाद बाबा की शोभायात्रा पुन: मंदिर में पहुंची। मंदिर में निर्मल शर्मा व शिवानी भोला ने भजनों का गुणगान जारी रखा। रात 8:30 बजे से 10:30 बजे तक गुरूजी ब्रिजमोहन नागर, श्री परवीन मलिक, नरेश नागर व श्री परवीन मुदगुल ने भजनों का गुणगान कर सभी भक्तों को साई भक्ति में सराबोर कर दिया। आरती से कार्यक्रम का समापन हुआ और सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया ।

कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के प्रधान श्री के.एल. महाजन, उपप्रधान श्री संजीव अरोड़ा, महासचिव श्री रमेश कोहली, कोषाध्यक्ष श्री अशोक रेखी, सचिव श्रीमती प्रोमिला मखीजा एवं सदस्य श्री पी.डी. गुप्ता व श्री विमल शर्मा द्वारा किया गया।

हज़ारों भक्तों ने मंदिर के इन कार्यक्रमों में शामिल होकर साई बाबा और भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। **-कृष्णा पुरी**

साई धाम ऋषिकेश में अष्टमी दिवस पर साई भजन संध्या

ऋषिकेश: दिनांक 26 मार्च 2026 को शिरडी साई धाम, ऋषिकेश में माँ महागौरी के पावन अष्टमी दिवस एवं गुरुवार के शुभ अवसर पर विशेष साई भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: काकड़ आरती से किया गया। तत्पश्चात् बाबा का मंगल स्नान और अभिषेक के बाद बाबा की श्रृंगार आरती की गई। दोपहर 12 बजे मध्यान्ह आरती के बाद सभी भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

सभी भक्तों ने भण्डारा प्रसाद ग्रहण किया।

शाम 6 बजे से मंदिर में बाबा के भजनों का गुणगान आरंभ हुआ जो रात 9 बजे तक चलता रहा और भक्तों ने भजनों का आनंद लिया। अंत में शेज आरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन श्री अशोक थापा जी के मार्गदर्शन में श्री साई बाबा सेवा समिति ऋषिकेश के सदस्यों के सहयोग से किया गया। **-माला राव**

साई भक्तों के 110 अनुभवों का अनुठा संग्रह
साई सुमिरन
भक्तों के अनुभव
अंजु टंडन
साई सुमिरन
इस पुस्तक को प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें
Phone: 9818023070

साई धाम हौज़खास में नवरात्र महोत्सव

दिल्ली: दिनांक 26 मार्च 2026 को साई धाम मंदिर, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़खास में रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनभर मंदिर में भक्तों का आना जाना लगा रहा। इससे पूर्व नवरात्रों के दौरान मंदिर में 9 कलश स्थापित किये गये और प्रतिदिन विधिवत् पूजा अर्चना की गई जिसमें बहुत से भक्त शामिल हुए।

दिनांक 26 मार्च 2026 को प्रात: मंदिर में विधिवत् हवन पूजन किया गया। बहुत से भक्त हवन में शामिल हुए और बाबा का, मैया का और श्री राम भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। उसके बाद सभी भक्तों ने भण्डारा प्रसाद ग्रहण किया।

साई धाम मन्दिर के प्रमुख ट्रस्टी श्री नरेन्द्र मिश्रा जी ने सभी भक्तों के लिए फल प्रसाद की व्यवस्था की। प्रसाद वितरण के साथ महोत्सव का समापन हुआ। श्री नरेन्द्र मिश्रा जी ने साई बाबा से समस्त विश्व के कल्याण और सुख शान्ति के लिए प्रार्थना की एवं भक्तों को रामनवमी की शुभकामनाऐं दी। **-पूनम धवन**

सन्दीप कपूर रूहानी भजन ग्रुप द्वारा माता की चौकी

दिल्ली: दिनांक 22 फरवरी 2026 को चैरिश एट इम्पीरियल क्लब आफ इंडिया, वसन्त कुंज, नई दिल्ली में वाधवा परिवार द्वारा श्रीमती साधना वाधवा के 61वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में माता की चौकी का आयोजन किया गया जिसमें पूरे विधि विधान से संदीप कपूर रूहानी भजन ग्रुप द्वारा महामाई का गुणगान किया गया। श्री सन्दीप कपूर, श्रीमती अल्का कपूर और सुश्री नेहा तरन्नुम ने अपनी मधुर आवाज़ में माता के भजन गाकर सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन साधना वाधवा जी की बेटी आराधना, दामाद अनुभव एवं दोहती अनन्या ने अपने पिता श्री प्रदीप वाधवा जी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया। **-गायत्री**

संकेत देते हैं बाबा

सभी भक्तों को मेरा ऊँ साई राम। बाबा अंर्तयामी हैं, बाबा तीनों लोक के स्वामी हैं। बाबा त्रिकालदर्शी हैं। अपने भक्तों को बाबा अद्भुत एवं रहस्यमयी तरीके से शिक्षा देते हैं। हम सभी लोगों का जीवन झंझावत, शंका, भविष्य की चिन्ता एवं अनिश्चिंतता से भरा हुआ है। हम खूब योजना बनाते हैं परन्तु ये तय है कि योजना बनाने से कुछ नहीं होता, योजना को फलीभूत तो परमपिता परमेश्वर ही करते है। अर्थात होत वही जो राम रचि राखा। विधि के विधान को कोई मिटा नहीं सकता। आइये अब मैं अपने कुछ अनुभव आप सबके साथ सांझा करना चाहता हूं। मेरा जीवन भी घोर अनिश्चिंतता से भरा हुआ है। छोटी सी नौकरी में जीवन यापन, 1998 में पिता जी के देहान्त होने के बाद, 20 साल तक माता जी की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। इसी दरम्यान विभिन्न जगहों की पोस्टींग, प्रमोशन फिर दोनों बच्चों का कैरियर, फिर उनका प्लेसमेंट, इसी बीच एक Row हाऊस का Possession फिर कानूनी लड़ाई का दांव पेंच, कोर्ट कचहरी के खूब चक्कर काटना, इत्यादि-इत्यादि। फिर मेरी Organisation द्वारा मुझे Commendation मिला। ये सभी कार्य-कलाप एवं घटनाक्रम स्वचलित था। मेरा प्रयास तो होता था परन्तु हर बार ऐसा बिल्कुल नहीं होता था जैसा मैं चाहता था, वरन वैसा होता जो कि मेरे लिए ठीक था। जहां धर्म संकट होता वहां बाबा के स्पष्ट संकेत प्राप्त हो जाते थे। जब-जब मन महीन एवं उद्विग्न होता, तब तब किसी न किसी रूप में बाबा के सांकेतिक संदेश मुझे प्राप्त हो जाते और फिर मेरा मन शांत हो जाता।

अत: अंतत: अपनी लेखनी को विराम देते हुए मैं कहना चाहता हूं कि मैं अपने बाबा के प्रति कृतज्ञ हूं कि उन्होंने मेरी पात्रता को स्वीकार किया है। मैं बाबा से प्रार्थना करता हूं कि यूंही मेरा मार्गदर्शन करते रहें। ऊं साई राम। **-बलराम गुप्ता**

पिछले अंक से आगे...

साई के चरण कमलों में डॉ. मोतीलाल गुप्ता का व्यक्तित्व

समुद्र में कभी नीचे तो कभी ऊँचे ज्वार उठते हैं। जब ज्वार नीचे रहता है तो समुद्र शान्त और शिथिल लगता है। यह समय मछुआरों के लिये बहुत मददगार होता है जब वे अपना कार्य बिना किसी खतरे के कर सकते हैं। लोग समुद्र तट का आनंद उठाते हैं क्योंकि उस समय ज्वार बहुत कम होता है तथा समुद्र शांत और निर्मल होता है। परन्तु जब ज्वार ऊँचा उठता है तो समुंद्र खतरनाक और क्रोध से भरा हुआ दिखता है। मछुवारों और नाविकों को अधिक सावधानी बरतनी पड़ती है। सबसे कुशल नाविकों को भी सचेत रहना पड़ता है क्योंकि प्रकृति के कोप के आगे उनकी कुछ नहीं चलती। समुद्र मनुष्य के अहंकार पर अंकुश लगा रहा होता है। मानव को अपने आप ही प्रकृति के सामने झुक जाना चाहिए क्योंकि उसका घमंड उसके विनाश का कारण बन सकता है। यहाँ एक आवश्यक बिंदु पर ध्यान देना पड़ेगा। विशाल समुद्र अपने ज्वार-भाटा के लिये उत्तरदायी नहीं है। वह तो सिर्फ अनेक जीव-जन्तुओं का आश्रयदाता है। उसके ज्वार-भाटा के लिये उत्तरदायी तो ब्रह्मांड की शक्तियां हैं, जैसे चाँद और सूर्य की चुम्बकीय शक्तियां।

बाबा उदार समुद्र की तरह अपने भक्तों के कल्याण के लिये सदैव तत्पर रहते थे। उनका क्रोध, जिससे वे स्वयं ही अनभिज्ञ थे, यह सीख देता था कि उनके भक्तों में विनयशीलता तथा विनम्रता का भाव होना चाहिए ताकि हम अपने अहंकार रूपी शत्रु को वश में कर सकें। गुरू जी इसी संत की छाया-मात्र हैं। गुरू जी ने अपने आप को बाबा को समर्पित कर दिया है जैसे कि समुद्र अपनी लहरों के संचालन के लिये चन्द्रमा को समर्पित है।

एक बार जब मैं साई धाम आई थी तो मैंने देखा कि आफिस के एक कर्मचारी को काफी डाँट पड़ रही है क्योंकि उसने स्टाफ रूम की चाबियाँ गलत जगह पर रख दी थीं जिससे सुबह आफिस खोलने में देर हो गई। गुरू जी कभी-कभी अत्यंत क्रोधित हो जाते हैं। कर्मचारी ने अपनी गलती मान ली। इस तरह का क्रोध लोगों को मानसिक पीड़ा पहुँचा सकता है तथा अहंकार को भी ठेस पहुँचा सकता है। परन्तु साई धाम के कर्मचारी अपने अध्यक्ष महोदय के कुपित होने पर ज़रा भी विचलित नहीं होते हैं। इसके पीछे एक कारण है। गुरूजी दूसरे ही क्षण कर्मचारी को बुला कर पूछते हैं, बेटा तेरे चेहरे पर इतने लाल मुहांसे कैसे हो गए? गुरू जी बहुत ही प्यार भरे अंदाज़ में उससे बोलते हैं क्योंकि उन्हें उसके चेहरे पर कुछ कीड़ों के काटने के निशान दिख गये थे। उसने हल्के बुखार की भी समस्या

बताई। फौरन उसे होमियोपैथिक दवाएँ दी गई। उसके कष्ट का त्वरित निदान हो गया।

कुछ सालों पहले तक कर्मचारियों को गुरू जी के कोप से बचने का एक विशेष सहारा था। वह था मम्मी जी का आश्रय। श्री राघवन बताते हैं, कान्ता भाभी जी आदर्श अर्धांगिनी थीं। उनका स्वर्गवास डा. गुप्ता के लिये अपूरणीय क्षति है। श्री राघवन उन दु:खद क्षणों को याद करते हैं जब श्रीमती कान्ता गुप्ता का देहवसान हुआ था। डा. गुप्ता जिन्होंने अभी तक अपने दु:ख को दबाए रखा था, अपने मित्र के सांत्वना भरे स्पर्श से अपनी जीवन संगिनी के वियोग के अश्रुओं को न रोक सके।

कान्ता भाभी जी असाधारण व्यक्तित्व और अद्वितीय विनम्रता से पूर्ण थीं, श्री राघवन याद करते हैं। वे बताते हैं कि जब कपड़े दान में मिलते थे तो वे अन्य स्वयं-सेविकाओं के साथ लग कर कपड़ों को छांटने और तह लगाने में लग जाती थीं। जब साई के भजन गाए जाते तो वह पूर्णरूप से भक्ति में लीन हो जाती थीं। इस तरह का व्यक्तित्व था कान्ता भाभी जी का।

श्री के.ए. पिल्लैय जो साईधाम की सेवा में तीस वर्ष से प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं, उनके भी कुछ ऐसे ही भाव हैं। श्री पिल्लैय का समर्पण साई धाम के प्रति अति सराहनीय है। वे उन चंद लोगों में से हैं जो साई धाम के प्रारंभिक दिनों से जुड़े हैं। कितने ही लोग आए और गये परन्तु श्री पिल्लैय अपनी निष्ठा में अडिग रहे। उनके और डा. गुप्ता के बीच कोई विवाद हो जाने पर श्रीमती गुप्ता ही बीच-बचाव करती थीं। श्री पिल्लैय ने बताया, ''मैं पिछले 35 वर्षों से हर साल शिरडी तीन या चार बार जाता हूँ। एक बार मैंने डा. गुप्ता को बाबा की मूर्ति को लक्स साबुन और पाईप से धोते हुए देखा। यह देख कर मैं हैरान हो गया और मैंने उन्हें बताया कि बाबा की मूर्ति के स्नान का यह गलत तरीका है। शिरडी के समाधि मंदिर में इस प्रकार से स्नान व जलाभिषेक नहीं किया जाता। डा. गुप्ता ने साबुन और पाईप को फेंक दिया। उन्होंने मुझसे विनम्रता से पूछा कि शिरडी में बाबा की मूर्ति के स्नान का कार्यक्रम कैसे किया जाता है, उसकी मैं उन्हें जानकरी दूँ। इस महान व्यक्ति में अहंकार का नाम-मात्र नहीं है। वे सदा सीखने के लिये तत्पर रहते हैं। श्री पिल्लैय बताते हैं कि डा. गुप्ता नित्य एक परियोजना की शुरूआत करते हैं। आश्चर्य यह है कि उनकी सभी परियोजनाएँ लागू की जाती हैं और आगे भी बढ़ जातीं हैं। ऐसी है उनकी काम के प्रति निष्ठा।

श्रीमती आभा मित्तल एवं श्री डी. सी. मित्तल जो गुप्ता दंपति के पारिवारिक मित्र हैं, जो स्वयं भी साई-भक्ति में लीन हैं, उन्होंने भी साई धाम के बारे में कई जानकारियाँ दी। श्रीमती आभा मित्तल ने डा. गुप्ता के सहयोग से 'अष्टोत्तर नामावलि' का संस्कृत से हिन्दी और अंग्रेज़ी में अनुवाद किया था। उनके अथक प्रयासों से किताब प्रकाशित हुई और अनेक भक्तों को पढ़ने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। वे बताती हैं कि पिछले तीन दशकों से गुप्ता दम्पति फरीदाबाद प्रात: काल पहुँच जाते, दिन भर का कार्यभार सम्भाल कर संध्या होने पर ही अपने घर दिल्ली को लौटते। अनेकों बार डा. गुप्ता साई धाम में ही रात्रि-विश्राम कर लेते थे। विगत 10-12 वर्षों में ही साई धाम के पास की सड़क बनी है। इससे पहले यहाँ आने के लिये कच्ची सड़क ही थी। डा. गुप्ता अपनी नीले रंग की वैन चलाते, बगल में श्रीमती गुप्ता बैठतीं तथा वे साई धाम आकर इसकी रचना में जुट जाते। यह संस्था जो ऊँचे इरादे लेकर खड़ी है वह इन्हीं दोनों ने ईंट-ईंट जोड़ कर अपने अथक प्रयासों से इसे चरितार्थ किया है।

एक बार हमें गुरू जी के बड़े भाई से मिलने का अवसर मिला। नब्बे वर्षीय उनके भाई उनके सामने बैठे हुए उनकी साई धाम की कार्यवाई देख रहे थे। केबिन से बाहर जाते हुए उन्होंने अपने छोटे भाई को गौर से देख कर कहा तुम एक महान कार्य कर रहे हो। -क्रमश:

-साई की चरण धूलि,
गुरू जी की सेवा में, ***नीति शेखर***

श्री साई नारायण बाबा आश्रम पनवेल में श्री साई महिमा पारायण

पनवेल: दिनांक 15 मार्च 2026 को श्री साई नारायण बाबा आश्रम, श्री भगवती साई संस्थान, पनवेल, मुम्बई, महाराष्ट्र में

6 घंटे के अखंड श्री साई महिमा पारायण का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर खुला रहा। इस पावन पारायण का शुभारंभ दोपहर 12 बजे हुआ जो शाम 6 बजे तक लगातार चलता रहा। बहुत से भक्तों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और श्री साई महिमा का पारायण किया। श्री साई महिमा की रचना श्रद्धेय सद्गुरू श्री साई नारायण बाबा जी द्वारा की गई। जिन-जिन भक्तों ने श्री साई महिमा पारायण में भाग लिया उन सबने वहां बाबा की मौजूदगी का एहसास किया। नारायण बाबा का मानना था कि श्री साई महिमा बाबा की आंतरिक आत्मा है 'करे जो इसका पाठ श्रद्धापूर्वक पाये सो साई को निज अंत:करण में।' अंत में सभी भक्तों ने बाबा का प्रसाद एवं आशीर्वाद प्राप्त कर प्रस्थान किया। -**भीष्म वच्छानी**

बक्सर साई बाबा मंदिर में रंग पंचमी

बक्सर: दिनांक 2 मार्च 2026 को सती घाट स्थित साई बाबा मंदिर, बक्सर (बिहार) में वार्षिक रंगपंचमी

का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय और रंगीन हो उठा। शाम 7 बजे साई बाबा की भव्य आरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के बाद भक्तों ने साई बाबा को अबीर-गुलाल अर्पित किया और एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर रंग पंचमी की खुशियां सांझा कीं। कार्यक्रम में महिला, पुरूष और बच्चों की भागीदारी रही। पूरे आयोजन में भक्तों का उत्साह देखने लायक था। इस आयोजन में चंदन गुप्ता, शशि वर्मा, विनोद वर्मा, ललन शर्मा, राज जैयसवाल, लवकुश, अजय कुमार, रश्मि किरन व सपना सहित अन्य श्रद्धालुओं का सहयोग रहा। -**बलराम गुप्ता**

साई मंदिर नोयडा में रामनवमी पर भक्तिमय आयोजन

नोयडा: दिनांक 26 मार्च 2026 को साई मंदिर, सैक्टर-40, नोयडा में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के पावन जन्मोत्सव रामनवमी के शुभ अवसर पर साई मंदिर में एक अद्वितीय, भव्य एवं

आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण आयोजन का सफलतापूर्वक संपन्न होना समस्त क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गया। मंदिर परिसर को आकर्षक पुष्पों एवं मनमोहक सजावट से इस प्रकार अलंकृत किया गया कि हर श्रद्धालु स्वयं को दिव्यता के सान्निध्य में अनुभव करता रहा।

प्रात:काल से आरंभ हुए वैदिक मंत्रोच्चारण, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं विविध धार्मिक अनुष्ठानों ने पूरे वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। हर ओर 'जय श्री राम और ऊँ साई राम' के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत हो उठा।

इस पावन अवसर पर साई बाबा के दिव्य आशीर्वाद के साथ निकाली गई भव्य पालकी यात्रा ने कार्यक्रम की गरिमा को और भी ऊँचाईयों तक पहुंचा दिया। यह यात्रा सैक्टर-40, 39, 49, 50, 51 एवं 41 के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर भक्ति की अनुपम छटा प्रस्तुत की। पालकी यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इसे एक अद्भुत आध्यात्मिक जनसमूह का स्वरूप प्रदान किया, जिसका समापन पुन: मंदिर प्रांगण में विधिवत एवं श्रद्धापूर्वक किया गया।

इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार, महासचिव देवराज गोयल, कोषाध्यक्ष श्री बृजलाल गर्ग, सदस्य श्री प्रदीप कुमार जिंदल, सदस्य श्री सुनील भान, सह-सदस्य श्री ए.एम. त्रिपाठी, सह-सदस्य विनीता सक्सैना जी सहित अन्य गणमान्य सदस्य एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर समिति की ओर से साई से प्रार्थना की गई कि वे सभी भक्तों पर अपनी कृपा एवं आशीर्वाद सदैव बनाए रखें तथा समाज में शांति, समृद्धि एवं सद्भाव का संचार करते रहें।

-**देवराज गोयल,**
महासचिव, श्री साई समिति

बाबा की सबसे छोटी प्रतिमा

भोपाल: भोपाल के त्रिलांगा की रहने वाले अशोक गुप्ता जी पत्नी प्रतिमा गुप्ता जी बचपन से ही बाबा की भक्त हैं वो कई वर्षों से मिनिएचर आर्टिस्ट का काम कर रही हैं। उन्होंने कई छोटी-छोटी चीजें बनाई हैं जिन्हें देखकर लोग अचंभित हो जाते हैं। उनका नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी है। उन्होंने चावलों से बाबा की सबसे छोटी प्रतिमा

बनाई है और उसे राई के दाने पर बिठाया है। इसका वजन एक मिलीग्राम से भी कम है और इसे प्राकृतिक रंगों से रंगा गया है। इसे देखने के लिए मैगनीफाईंग ग्लास का उपयोग किया जाता है। प्रतिमा जी ने बताया कि ये विश्व की सबसे छोटी बाबा की प्रतिमा है।

दिनांक 5 मार्च 2026 को शिरडी संस्थान के CEO श्री गोरक्ष गाडिलकर जी ने उनके इस कार्य की सराहना करते हुए उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित किया।

साई मंदिर ज़ीरा का स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न

ज़ीरा: दिनांक 25 मार्च 2026 को साई धाम मंदिर, मल्लोके रोड, ज़ीरा का 8वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। पूरे मंदिर को फूलों और लाईटों से अति सुन्दर सजाया गया। इस अवसर पर प्रात: काकड़ आरती एवं मंगल स्नान किया गया। उसके बाद सुबह 9:30 बजे हवन किया गया जिसमें श्री शिरडी साई बाबा सेवा समिति एवं साई महिला मंडल के सदस्य शामिल हुए। शाम 7 बजे से साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साई महिला मंडल की सदस्य साई दीदी शरणजीत कौर, मधु शर्मा, सुमन सदियोड़ा, रेणु धुना, किरण चोपड़ा, किरण जुनेजा, रूपम जुनेजा, रितु राणा, कृष्णा बावा, वंदना बांसल, सोनिया अरोड़ा, सिम्पल अरोड़ा, ज्योति, पिंकी और सोनिया कोछड़ ने भजनों का शुभारंभ किया। सभी भक्तों ने उनके भजनों का आनन्द लिया और उसके बाद बठिंडा से आमंत्रित सुप्रसिद्ध भजन गायक संतोष गर्ग जी ने अपने चिरपिरिचित अंदाज़ में भजन सुनाकर पूरे माहौल को साईमय बना दिया। उनके भजन सुनकर सभी भक्त साई की मस्ती में डूब गये और कई भक्तों ने नृत्य भी किया। पूरा मंदिर भक्तों से भरा रहा। ज़ीरा क्षेत्र के M.L.A. श्री कुलबीर सिंह व श्री नरेश कटारिया भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त श्री धर्मपाल चुग, श्रीमती व श्री गुरप्रीत जज व अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। महिला मंडल की प्रधान शरणजीत कौर जी ने वहां आए सभी गणमान्य व्यक्तियों को दुपट्टे पहना कर सबका स्वागत किया। सभी भक्तों ने स्वादिष्ट भंडारा प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया। इस शानदार कार्यक्रम का आयोजन श्री शिरडी साई बाबा सेवा समिति एवं साई महिला मंडल के सदस्यों द्वारा बखूबी किया गया।

धनवंतरी साई मंदिर जबलपुर का 21वा वार्षिक उत्सव संपन्न

जबलपुर: दिनांक 2 मार्च 2026 को धनवंतरी नगर साई मंदिर परिसर में बाबा का पाटोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुबह प्रभात फेरी निकाली गई, तत्पश्चात हवन किया गया। उसके बाद अखंड पाठ हुआ। शाम को बाबा की महाआरती के के बाद सभी भक्तों को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक सुधीर रंजन दुबे एवं उनके परिवार के सभी सदस्य, धनवंतरी नगर साई मंदिर परिसर के सभी भक्तगण, शिरडी साई शोभायात्रा समिति के श्री अजय विश्व, सुनील खमरिया, सोनी, मनोज काशिव गणेश ठाकुर, अध्यक्ष चंद्रशेखर दवे आदि उपस्थित रहे। पंडित श्री लक्ष्मण तिवारी, वानखेड़े जी, अनिल तिवारी, वी. पी. तिवारी, राजेश राजपूत, मनोज चौबे, श्रीमती मीना दुबे, पूर्व पार्षद, श्रीमती तिवारी भी उपस्थित रहे। बड़ी श्रद्धा के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

-वंदना दूबे, जबलपुर

साई आश्रम ट्रस्ट लखनऊ में होली मिलन

लखनऊ: दिनांक 14 मार्च 2026 को साई आश्रम ट्रस्ट लखनऊ ने होली मिलन का कार्यक्रम विश्व शांति को समर्पित करते हुए जे.सी. गैस्ट हाऊस, निराला नगर, लखनऊ में रखा जिसमें न्यायाधीश लावनिया जी, डा. दिनेश शर्मा (सांसद) श्री वी.के. सिंह (सरकारी अधिवक्ता) राजीव तुली जी, राजीव सिंह, सुशील कुमार सिंह, जयशंकर वर्मा, संजय मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, इन्द्रेश सिंह आदि ने होली प्रतीक स्वरूप जलाकर शुभारंभ किया। इसी के साथ ही मीनू सचदेवा जी ने साई बाबा के सुमधुर भजनों और होली गीतों को गाकर और साई भक्तों ने नृत्य करके होली मनायी। इस अवसर पर पालकी यात्रा भी निकाली गयी। आनंद बेहिसाब बरस रहा था, फूलों की वर्षा ने सोने में सुहागा कर दिया। भोग गीत के साथ ही भंडारा प्रसाद का वितरण प्रारंभ हो गया। अंत में संजय मिश्रा जी और उनके सभी सहयोगियों ने आमंत्रित अतिथियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और आमंत्रित साई भक्तों, सर्वश्री जयशंकर वर्मा, गौंडा से बृजेन्द्र पांडे, सीतापुर से अवध ेश गुप्ता, रत्नेश गुप्ता, सपरिवार, गोसांई गंज से सौरभ जी (सपरिवार), बाराबंकी से डा. सोनकर जी, मीनाक्षी जी सपरिवार आलमबाग लखनऊ, अशोक टंडन, अरविंद शुक्ला, दशमेश साई, दानवीर सिंह, शिवराम त्रिपाठी, मनोज मिश्रा, योगेश पांडे, सर्वेश चौहान, प्रदीप श्रीवास्तव, डा. हिमांशु श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, राजेश पटेल, संजय सोनकर, अनिल सोनकर, आदर्श साई, अन्नू वर्मा, रोहित मिश्रा, बाबा आदर्श मिश्रा, गायत्री जायसवाल, मनमोहन तिवारी, उमेश मिश्रा, रत्नेश मिश्रा, राजू सचदेवा, हरीश सनवाल, संजय निगम, सिंह साहेब (कावेरी कैटरर्स) अमित कुमार सक्सेना, राजीव गुरनानी, हीरु ज्ञानचंदानी, पंडित सुनील शास्त्री, मनोज सिंह पुजारी बाबा, शनि कुमार, अतुल मिश्रा, डा. रितु जायसवाल जी, कुमकुम गुप्ता, संध्या मिश्रा, अर्चना साई, रीता पंत, अर्चना मिश्रा, विमला जी, प्रमिला गोस्वामी, हरजीत कौर, अंजली निगम, सुनीता दिक्षित, शशी गुप्ता, इन्दू श्रीवास्तव, उप्रेति जी इत्यादि को धन्यवाद देते हुए होली के इस होली समागम का समापन करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। **-हरीश सनवाल**

शिरडी में घर जैसे खाने का आनन्द लेने के लिए आऐं
Hotel
Sai Krishna
One Minute Walking Distance from Dwarkamai
& For Room Booking in
Hotel Sai Nityanand
Contact:
Monu Agrawal
Ph: 8171521277, 9373447866

Hotel J.K. Palace

Nagar-Manmad Highway,
Near Bhakta Niwas, Shirdi
Ph.(02423) 255155
7218181876, 9511111009
Visit us: www.hoteljkpalace.com
Email: jkpalaceshirdi@yahoo.com

श्रद्धा सबूरी
साई की रसोई
शिरडी से जाने वाले भक्तों के लिए घर का बना शुद्ध व स्वादिष्ट भोजन पैक कराने के लिए सम्पर्क करें
रश्मि वाही
Ph 8587058762

Hotel ★★★ Sai Sangam
Shuttle Service Available | 24 Hrs Room Service
Travel Desk | Doctor on Call
Call For Booking:
+90111-85111, 90111-13344, 90111-71111
90111-58111, 02423-258111
Near Sonavane Vasthi, Shirdi, Nimgaon Shiv, Shirdi

शिव साई मंदिर हैदरनगर में वार्षिक उत्सव पर सक्सैना बंधु द्वारा भजन

हैदरनगर: दिनांक 15 मार्च 2026 को शिव साई मंदिर, हैदरनगर, जलालपुर, मुज़फ्फरनगर में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रात: पूजा अर्चना व हवन किया गया। वहां आने वाले सभी भक्तों के लिए चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। हवन के बाद बाबा की पालकी धूमधाम से निकाली गई। जिसमें ढोल, बाजे के साथ नाचते गाते हुए भक्तगण शामिल हुए। उसके बाद भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें

दिल्ली से आमंत्रित सक्सैना बंधु श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी एवं श्री अमित सक्सैना जी द्वारा भजनों का गुणगान किया गया। अमित जी ने गणेश वंदना से भजनों का गुणगान आरंभ किया व उसके बाद अनेक भजन सुनाकर पूरे माहौल को साईमय बना दिया। कई भक्तों ने उनके भजनों पर नृत्य भी किया। उसके बाद श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी ने भजनों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अनेक मधुर एवं लोकप्रिय भजन सुनाकर सभी को साई भक्ति में लीन कर दिया। इस दौरान कई स्कूल के बच्चों को उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

मंदिर के संस्थापक श्री मनोज तोमर जी ने बताया कि बाबा की ये बहुत कृपा रही कि सुबह 3:30 बजे से तेज़ बरसात हो रही थी लेकिन पालकी से एक घंटा पहले बारिश बंद हो गई और कार्यक्रम के समापन के बाद फिर से बारिश शुरू हो गई। बाबा की कृपा से पूरा प्रोग्राम निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। भजनों के दौरान साई के परम भक्त अजय भाई की आत्मा की शांति के लिए 1 मिनट का मौन रखा गया। अजय भाई बाबा के परम भक्त थे जिनका एक दिन पहले निधन हो गया था।

भजनों के बाद सभी भक्तों ने अत्यन्त स्वादिष्ट भंडारा प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर दूर दूर के शहरों से अनेक भक्त हैदरनगर पहुंचे जिनमें मेरठ से श्री चौधरी एवं साई सेविका रीना चौधरी, पानीपत से डॉक्टर पंकज कुमार, श्री मल्होत्रा, श्री प्रताप जी, दिल्ली से अंजु टंडन, कुरुक्षेत्र से नवीन शर्मा, सहारनपुर से नीरज रोहिल्ला व शामली, मुज़फ्फरनगर, गाज़ियाबाद, रोहतक, गुड़गांव, नोयडा, गांव हैदरनगर जलालपुर व दूरदराज के शहरों से भक्तों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की।

श्री मनोज तोमर जी ने वहां आए सभी लोगों का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा किया और कहा कि जो भक्त मौसम खराब होने के कारण अथवा अन्य किसी कारण से इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, वो सब अगले वर्ष की पालकी, जब भी बाबा की कृपा से होगी, तो सभी लोग मुझे आशीर्वाद देने आऐंगे। **-रीना चौधरी**

श्री संजीव अरोड़ा द्वारा मोती नगर में श्रीमद्भागवत् कथा

दिल्ली: दिनांक 22 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक मोती नगर में श्री संजीव अरोड़ा जी एवं श्रीमती गीता अरोड़ा जी ने अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में 6 दिवसीय श्रीमद्भागवत् कथा का आयोजन किया। इस अवसर पर

प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक मुख्य वक्ता वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्री कृष्णचंद शास्त्री ठाकुर जी ने अपने मुखारबिंद से कथा का वाचन किया। बहुत से भक्तों ने प्रतिदिन इस कथा में शामिल होकर श्री कृष्णचंद शास्त्री ठाकुर जी द्वारा प्रस्तुत कथा का भरपूर आनन्द लिया और साथ ही धार्मिक ज्ञान भी अर्जित किया। सभी भक्तों ने कथा के सम्पूर्ण होने पर यजमान श्री संजीव अरोड़ा जी व श्रीमती गीता अरोड़ा जी का आभार प्रकट किया। **-गायत्री सिंह**

साई धाम मंदिर महावीर नगर में रामायण का साप्ताहिक पाठ

दिल्ली: साई धाम मंदिर, गली न. 2, महावीर नगर में दिनांक 19 मार्च से 26 मार्च 2026 तक नवरात्रों के पावन अवसर पर रामायण का 7 दिवसीय पाठ

का आयोजन किया गया। दिनांक 26 मार्च को रामनवमी के दिन रामायण का पाठ पूर्ण हुआ। उसके बाद दोपहर 2 बजे बाबा की विशाल पालकी निकाली गई जो महावीर नगर, तिलक नगर, विकासपुरी भ्रमण करने के बाद पुन: मंदिर में पहुंची। पालकी का संचालन श्री शर्मा जी, सोंधी जी, टोनी जी, सचदेवा जी, लूथरा जी, भाटिया जी, राहुल जी व नागपाल जी की देखरेख में बखूबी किया गया।

श्रीमती सीमा सोंधी जी ने बताया कि मंदिर में नवरात्रों के दौरान प्रतिदिन भजन कीर्तन भी किया गया। भजनों का गुणगान मंदिर की महिला कीर्तन मंडली के सदस्यों द्वारा किया गया जिसमें नीलम बरार, शशी जी, श्रीमती कपूर, सारिका जी व नीलू जी ने भजन सुनाये। बहुत से भक्त इन कार्यक्रमों में शामिल हुए। नवरात्रों के दौरान मंदिर भक्तों से भरा रहा। प्रतिदिन भक्तों को व्रत वाला प्रसाद बांटा गया। समस्त कार्यक्रम भक्तिमय माहौल में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसका सभी भक्तों ने आनन्द लिया। **-निर्मल कौर**

शिरडी साई मन्दिर फरीदाबाद में रामनवमी महोत्सव

फरीदाबाद: शिरडी साई मन्दिर, सैक्टर-16-A फरीदाबाद में रामनवमी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मन्दिर परिसर में रामनवमी पर प्रात: हवन से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उसके पश्चात संगत ने बाबा के भजनों का आनन्द लिया। पूरे मंदिर को गुब्बारों व फूलों से सजाया गया। वीरवार को रामनवमी होने की वजह से लोगों का मंदिर में आना लगातार रात्रि तक जारी रहा। दोपहर को भंडारे का आयोजन किया गया। रात की आरती में बहुत से भक्त

शामिल हुए और बाबा का आशीर्वाद लेते रहे। सभी भक्तों को खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

बाबा के इस मंदिर में नि:शुल्क शिक्षा, कम्प्यूटर कक्षाएं व एला. पैथी, फिज़ियोथेरेपी, दंत चिकित्सा आदि नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान योगेश दीक्षित व अन्य ट्रस्टीगण एस. पी. सिंह, पी.एल. कुमार, मनु भार्गव, गगन दुआ, कार्यकारिणी सदस्यों में श्रीपाल चंदीला, सुभाष पासे, ज्योति सिक्का, विनोद बजाज, कृष्ण गोपाल चुग, मैनेजर जीत सिंह व सभी मन्दिर के पंडित, सेवादार सभी ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। **-श्रीपाल चंदीला**

साई मंदिर कोटा में रामनवमी पर भंडारा और पालकी

कोटा: श्री साई बाबा सेवा आश्रम, करगी रोड, कोटा में आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव इस वर्ष भी अपार श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर हज़ारों श्रद्धालुओं ने साई बाबा के दर्शन किये। रामनवमी के इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया। सुबह काकड़ आरती के साथ कार्यक्रम का शुभ. रंभ हुआ, इसके पश्चात् बाबा का मंगल स्नान एवं विधिवत् पूजा-अर्चना संपन्न हुई। दोपहर में महाभोग अर्पित

कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हज़ारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर पश्चात् साई सच्चरित्र पाठ किया गया। संध्या समय साई बाबा की भव्य पालकी शोभायात्रा नगर भ्रमण के लिए निकली, जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा वातावरण 'साई बाबा की जय' के जयकारों से गूंजता रहा। आश्रम के संस्थापक कैलाश चंद्र गुप्ता ने भावुक शब्दों में कहा कि यह दरबार बाबा की कृपा और भक्तों की सेवा भावना से ही चल रहा है यहां जो भी सच्चे मन से आता है, बाबा उसे कभी खाली हाथ नहीं लौ. टाते। इस अवसर पर साई बाबा के अनमोल वचनों को स्मरण करते हुए श्रद्धालुओं ने एक स्वर में कहा- सबका मालिक एक और श्रद्धा और सबूरी यही बाबा का संदेश आज भी लोगों के जीवन में विश्वास, धैर्य और सेवा का मार्ग दिखा रहा है। इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि साई बाबा का यह दरबार केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, सेवा और मानवता का जीवंत केंद्र है, जहां हर व्यक्ति को शांति और सुकून मिलता है। यह पवित्र दरबार है, जहां सन् 1972 से निरंतर साई बाबा की धूनी प्रज्वलित हो रही है, जो आज भी भक्तों की आस्था और विश्वास का केंद्र बनी हुई है।

अंत में आश्रम समिति द्वारा सभी भक्तों, सहयोगकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी इसी प्रकार भक्ति एवं सेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

इस बार शिरडी में सब बदला बदला मिला

शिरडी में 30 साल से नियमित हर महीने जाता हूँ इस बार जाने का योग 2 साल बाद लगा। जाने पर सब बदला बदला सा लगा। मंदिर के अंदर जाने के लिए पास बनाना बंद हुए। 60 साल से ऊपर के सभी सीनियर सिटीज़न को आधार कार्ड दिखाने पर दर्शन की विशेष सुविधा प्राप्त है। दर्शन करने वाले सभी भक्तों को खाना खाने की फ्री व्यवस्था कूपन देकर की गई है। वहाँ के कर्मचारीयों का रूड व्यवहार भी बदला लगा, इस बार सभी कर्मचारी बहुत मधुर भाषा में बात कर रहे थे। मंदिर कैंपस में पानी की बोतल 15 की जगह 10 रुपये में मिल रही थी, चाय भी 2 रुपये में मिल रही थी और ये सब सिर्फ संस्थान के CEO, एक अच्छे आई.ए.एस अधिकारी श्री गोरक्ष गाडिलकर के आने से हुआ। मैं आभारी हूँ उनका, उन्होंने साई भक्तों के लिए दर्शन में भी आसानी कर दी। इस बार बहुत प्रेम से बाबा के दर्शन हुए नहीं तो मुझे पहले बहुत परेशानी होती थी वहाँ के कर्मचारियों के व्यवहार से। धन्यवाद देना चाहूँगा नए ऑफिसर गाडिलकर साहब का जो उन्होंने साई भक्तों की परेशानी को समझा।

मैंने आज से 10 साल पहले सब बातों की शिकायत की थी पर कोई परिवर्तन नहीं दिखाई दिया। एक बात उन से ज़रूर करुंगा वहाँ मिलने वाली बाबा की उदि का पैकेट का साइज़ ज़रूर बड़ाईए ताकि भक्तों को ज़्यादा उदि मिल सके। एक बात और करुंगा सीनियर सिटीज़न को मंदिर के अंदर डायरेक्ट नज़दीक तक एंट्री दी जाए क्यों कि अभी भी बहुत लंबा पैदल जाना पड़ता है।

मैं बाबा से गत् 36 साल से जुड़ा हूँ और साई बाबा का विशाल साई सागर मंदिर, 34 गुलाब बाग, इंदौर में बनवाया है। आप यहां आयेंगे तो शिरडी जैसे दर्शन यहाँ महसूस होंगे। मैंने साई बाबा के बारे में 4 किताबें भी लिखी हैं- ऐसी लागी लगन, शिरडी के साई सबके पैगम्बर, शिरडी के साई मानवता के मसीहा, तेरे दर पे। ये सभी किताबें भारत के सभी स्टाल्स पर और ऑनलाइन Amazon, Flipkart पर उपलब्ध हैं।

एक अभूतपूर्व अनुभव भी हुआ इस बार, मैं घर पर बाबा को किशमिश का भोग लगाता हूँ, बाबा से प्रार्थना की थी आप भी द्वारकामाई में मुझे किशमिश का प्रसाद दें। जैसे ही मैं द्वारकामाई से निकला वहाँ की महिला कर्मचारी ने मुझे एक मिठाई दी जिस पर एक किशमिश लगी थी। मैं धन्य हुआ बाबा ने मेरी इच्छा समझ ली और अपनी उपस्थिति का आभास कराया। सभी भक्तों पर साई बाबा का आशीर्वाद बरसता रहे, इसी शुभकामना के साथ बाबा का एक भक्त आप से विदा लेता है। ओम साई राम।

-डॉ. राजेश पी माहेश्वरी,
साई कृपा हॉस्पिटल, इंदौर

Satpathy ji Honoured by Shri Goraksh Gadilkar

The Chief Executive Officer of Shri Saibaba Sansthan Trust Shirdi, Shri Goraksha Gadilkar, honored and felicitated Pujya Guru ji Dr. Chandra Bhanu Satpathy ji on behalf of Shirdi Saibaba Sansthan at Janata Maidan, Bhubaneswar.

The felicitation took place on the grand occasion of Shri Shirdi Sai Baba Charan Paduka Darshan Samaroh, a two-day spiritual event held on 14th and 15th March 2026, organised by Shirdi Sai Global Foundation, Bhubaneswar, Odisha.

-G.R. Nanda

Sahasranama & Freedom for Limitless Desire

How will anyone be longing for worldly pleasures, who thinks of my name, worships me, studies me, whose holy readings are of me, who meditates on me and continuously thinks of me? –Shri Sai Satcharita (Chapter 3, Ovi 16)

There is only one question that needs to disappear from people's minds, what about me? But most people find it hard to leave this question out of any action. If you knew how to eliminate your individual identification from the actions, you will no longer be at the mercy of the endless cycle of cause and consequence. You will be liberated. This is easier said than done. People either engage with life selectively, on the basis of their likes and dislikes, or opt for life-sapping philosophies of denial and detachment. In both cases, karma only multiplies. Desires lead people to identify with narrow notions of individuality. The endless oscillation between like and dislike encrusts a sense of separateness. Individuality is not intended to mean loneliness. Nor is it a condition meant to be cured through friendship and love. No distraction can help one find fulfilment in individuality, or freedom from it. It is a privilege turned prison.

Shri Radhakrishna Swami ji says, 'A desireless person is a veritable Emperor.' He added, 'Desiring to be desireless.' Many have grossly misinterpreted his emphasis on desirelessness. Without desire there can be no existence. What he was pointing was the importance of operating out of a state of inner fulfilment rather than inner hankering. Once this is accomplished, your life becomes an expression of bliss, not a pursuit of it. Your desire does not evaporate; instead, it becomes conscious. Your desire is no longer the unconscious fuel for your personal identity. It is the conscious tool by which you function. You can now desire the well-being of the entire planet.

There is nothing inherently wrong with desire, it's just that they limit your actions. Yoga is about the freedom to desire limitlessly. Once you say you aspire to 'liberation', you have articulated the ultimate greed. It means you're not willing to settle for creation; you now want the Creator himself. How can you make your desire limitless? Your desire can be with or without content. Once you add content to it, your desire is always for something familiar. If you know money, food, fame, love, your desire is for more of all these. But if you only strive for what you know, nothing new will ever happen to you. This is a limitation you impose on yourself.

If you generate a huge desire but not for any specific thing, person or purpose, everything that needs to happen in your life will happen without your even asking or aspiring for it. If you make your desire bigger than yourself, events in your life will happen miraculously. Things that you could never imagine will start coming your way because now your life-energy is at its peak. Once this happens, you attract the most beautiful possibilities.

You only need to generate a huge longing, a contentless, directionless longing. Then you don't have to work for personal ends any more. Creation itself will do your bidding. You no longer have to worship, or pray for anything. God is no longer your master, but your friend. You have befriended the Divine. The 24th shloka of Vishnu Sahasranama is:

Agrani Gramani Shreeman Nyayo Neta Sameeranah
Sahasramurdha Viswatma Sahasrakshah Sahasrapat

Lord Vishnu is Agrani, the top leader, Gramani, director of the universe, Shreeman, all auspiciousness, Nyaya, just, Neta Sameerana, regulator of the breath. This Sahasramurdha, many-headed, Viswatma, Universal Soul, is Sahasraksha, many eyed, with Sahasrapat, many feet.

Hari Sitaram Dixit, also known as Kaka Dixit, was an eminent lawyer in Mumbai. Once he was paid a trunk-load of silver coins for a case. Kaka's wife was very happy, but he wanted to gift the entire money to Sai Baba. That night itself, Kaka left for Shirdi with the trunk. When he reached Shirdi, he offered the entire money to Sai Baba. Baba distributed it to all those present in the mosque, poor villagers, needy devotees, fakirs and others dependent on his dakshina money. When the money in the trunk was almost over, a poor farmer came with two sheep and a half-dead goat. He sought 32 rupees for the two sheep and nothing for the goat. Baba paid him 52 rupees, adding 20 for the goat. Baba then made him sit in the mosque and fed the sheep two seers of grams. The goat did not even touch the food as it had no strength to chew. Baba returned the sheep to the farmer and also gave him ten seers of grams. He asked the farmer to feed them properly and told him to come for help whenever he was short of money to feed them. When the farmer had left, Shama grumbled, 'Baba, what kind of bargain is this? You paid 16 rupees for a sheep worth not even 3. Then you returned the sheep and retained this dying goat. We have lost money as well as sheep.' Baba explained, 'Shama, bargaining is only in the materialistic world. How would you know the divine implications of such a bargain? These were brothers in the past birth. They loved each other and would always come to me together. The elder one was lazy. He did nothing to earn a livelihood. The younger one was active and earned a lot. This made the elder brother envy his prosperity. Both started fighting over the money. And one day they killed each other with axes. The result was that they were born again, but as two sheep. That is why I say repeatedly, do not have this infatuation for money. It makes you suffer life after life. Seeing them today I took pity on them and so after feeding, sent them away. You regretted that I lost money and sheep. But what is this money Shama? Humans do not love humans. They love their money. Just now I gave money to so many persons. Tell me, how many of them love me really? Many in the crowd said, 'Baba, we love you, we love you. Do test us.'

Kaka Dixit was quiet. He was wondering at the lesson of 'freedom for desire' that Baba offered through that incident. -to be contd...

-Dr. Vijayakumar

Courtesy: An Insight into Vishnu Sahasranama through Sai Baba. Published by: Sterling Publishers P. Ltd.

108 Names of Shri Saibaba

by Satya Shri Sant Vivek Ji

It is my staunch belief that reading or listening of Sai Sanjeevni (108 names of Sai Baba) will dispel all doubts of devotees & remove miseries and sorrows from their lives. They will definitely realise the Self and be One with Shri Sai.

Om Shri Sai Sansara SarvadukhKshrupaye Namah

Sai, destroyer of all calamities. All worldly griefs and miseries are removed by Baba's darshan. Recitation of 'Sai Ashtotra Namawali' proves to be panacea which removes all the griefs and miseries of a devotee. Sai is the spirit that gives life to the soul. He attains an everlasting bliss. Bad effects of all the sins are destroyed by reciting Baba's name. He is the destroyer of calamities and remover of sufferings. A devotee who really wants to get rid of miseries of life should always keep his mind engrossed in Baba. He should also motivate others to do the same. When the ego will be tamed, oneness with the Sai will be established. Sai is the abode of grace who has always helped a devotee. We forget him. He is an ocean of compassion who never forget us. My humble salutation to Shri Sai who abolish all pain & sufferings of the material world.

Holi Puja In Shirdi

The local festival of Holi was celebrated with traditional fervor by Shri Saibaba Sansthan Trust, Shirdi on 2nd March 2026. The ritualistic puja was

was graced by Deputy Chief Executive Officer Shri Bhimraj Darade, Administrative Officers Shri Sandeep Kumar Bhosale and Shri Atul Wagh, Temple Department Head Shri Vishnu Thorat performed in Gurusthan Temple by the Chief Executive Officer of Shirdi Sai Baba Sansthan, Shri Goraksh Gadilkar and his wife Smt.Vandana Gadilkar, followed by the lighting of the holy bonfire. The ceremony along with temple priests, local residents and a large gathering of Sai devotees.

On this occasion, the Samadhi Mandir and its surroundings were beautifully decorated with flowers. **-G.R. Nanda**

Sai Devotee Donates Diamond Studded Gold Necklace

Shirdi: On 5th March 2026, Sai devotee Shri K.S.S. Bhagwan from Hyderabad, Telangana, offered an ornated gold necklace studded with diamonds, weighing 193.700 grams, at the lotus feet of Shri Saibaba. The necklace is valued at Rs.23,59,653/-.

On this occasion, District and Principal Judge Shri Shivajirao Kachare felicitated the donor Shri K.S.S. Bhagwan. Chief Executive Officer Shri Goraksh Gadilkar (IAS) was also present on this occasion. **-Gayatri Singh**

Silver Garland Donated In Shirdi

Shirdi: Shri Babu Jadhav, a devotee from Junnar, Distt. Pune, offered an intricately designed silver garland weighing 928 grams at the lotus feet of Shri Saibaba. The donation was officially handed over to Shri Bhimraj Darade, Deputy CEO of Shri Saibaba Sansthan Trust Shirdi. Shri Bhimraj Darade felicitated the donor, Shri Babu Jadhav on behalf of Shri Saibaba Sansthan. **-Nirmal Kaur**

At the Lotus Feet of Sainath

Day in and day out we keep singing the divine glory of Lord Sainath. But how we should truly pour out our heart at the lotus feet of Sai Maa, that we can easily learn from the Chapter 25 of Shri Sai Satcharitra. Hemadpant shows us the way forward by reciting the following prayer: "Oh Sai Sadguru, the wish-fulfilling tree of the bhaktas we pray that let us never forget and lose sight of Your feet. We have been troubled with the ins and outs (births and deaths) in this sansar. Now free us from this cycle of births and deaths."

The prayer goes on: "Restrain us from the outgoing of our senses to their objects and introvert us, and bring us face to face with the Atma (self). As long as this outgoing tendency of the senses and the mind is not checked, there is no prospect of self-realization." It is also quite emphatic: "Neither son, nor wife, nor friend, will be of any use in the end. It is only You, Who will give us salvation and bliss." It most humbly supplicates: "Destroy completely our tendency for discussions and other evil matters. Let our tongues get a passion for chanting Your name. Drive our thoughts and make us forget our bodies and do away with our egoism. Make us ever remember Your name and forget all other things. Remove the restlessness of our mind and make it steady and calm." It's full of faith: "If you just clasp us, the darkness of night, of our ignorance, will vanish and we shall live happily in Your light. That You made us drink the nectar of Your leelas and awakened us from our slumber is due to Your grace and store of merits in past births." Similarly, in the Aarati of Sainath we submit: "Oh Sai Baba...give us, Your servants and devotees rest under the dust of your Feet, burning desires. Ward off the fear of Sansar of the devotees, who come to You. Saimaa ensures: "Be wherever you like, do whatever you choose to do. Remember this well that all you do is known to Me. I am the Inner Ruler of all and seated in your hearts. I envelope all the creatures, the movable and immovable world. I am the controller, the wire-puller of the show of this universe. I am the Mother - origin of all beings, harmony of three Gunas, the propeller of all senses, the Creator, the Preserver and the Destroyer. Nothing will harm him, who turns his attention towards Me. But Maya will lash or whip him, who forgets Me. Sai Baba has also promised: "The pride and egoism of My devotees will vanish. If they have wholehearted and complete faith, they will be one with Supreme Consciousness. The simple remembrance of My name 'Sai, Sai' will do away with the sins of speech and hearing." So all of us must have the firm belief in this Divine and loving promise of Saimaa. Let's have the unflinching faith, devotion, surrender, dedication, discipline, determination and patience while traversing the holy path leading towards continuous divine union with our Saimaa.

-Tish Malhotra

My Experience With Sai

I am a Sai devotee, settled in Australia. I have lots of experiences with Sai Baba. I have been worshipping Sai since ages.

I want to tell my first experience with Sai. I am Army officer's wife. My husband's first posting was in Bombay. I am from Punjab, so never knew anything about Sai Baba. My husband was a believer of Sai Baba, so we went to Shirdi after my son's birth. My son Sumit was very sick since he was one week old. There was blockage between his stomach and intestines. No doctor could diagnose his problem, then we went to Shirdi. There I prayed to Sai that अगर ये नार्मल रहेगा तो इसे ठीक कर दो नहीं तो इसे ले जाओ। (if my son will lead a normal life then please cure him otherwise you take him away.) I can't see him in this condition.

After we came back to Bombay, I took him to Ashwani Navel Hospital at Colaba. Now the doctor could diagnose his disease and he was operated.

Before operation I applied vibhuti on his stomach and all over his body. Sai Baba was there in operation theater. The operation was successful. Due to all this he lost weight and he was only 2 pounds. After surgery he recovered so fast and now he is settled in Melbourn (Australia) and doing so well. Sumit and his wife Kanu, both are great devotees of Baba.

I had brought Sai Baba's Statue from Shirdi, I started doing His puja. Baba is everything to us. My whole family is great devotee of Sai Baba.

I have started this column so I will keep sharing my lots of experiences with my Sai. Om Sai Ram.

-Anjum Talwar, Australia

Sri Ramanavami Celebrations at Sri Sai Spiritual Centre Bengaluru

Bengaluru: Sri Sai Spiritual Centre, Thyagarajanagar, Bengaluru, celebrated the auspicious occasion of Sri Ramanavami with great devotion and spiritual fervour. This sacred day holds added significance as it is also observed as the birthday of Shirdi Sai Baba, bringing together the divine grace of both Lord Sri Rama and Sri Sai Baba.

The celebrations began with a deeply spiritual atmosphere as devotees gathered in large numbers to participate in the sacred rituals. A highlight of the event was the "Sri Rama Taraka Japa– Sri Ram Jay Ram Jay Jay Ram", which was led by Sri D. L. Radhakrishna and troupe. The continuous chanting created a serene & uplifting environment, filling the temple premises with divine vibrations and devotion.

In the evening, a grand procession was organised, where devotees reverentially carried the portraits of Lord Sri Rama, Shirdi Sai Baba, and revered Swamijis. Accompanied by bhajans and namasankeertana,

the procession moved with devotion and enthusiasm, creating a spiritually charged ambience that captivated all present.

The temple was beautifully decorated for the occasion, adding to the festive spirit. Devotees experienced a sense of unity, peace, and divine blessings as they participated in the celebrations.

-Venkatesh Krishanrao

On 31st March 2026 forty devotees from Ireland and London visited Shirdi and they all took Sai Baba's darshan in Samadhi Mandir. The CEO of Shirdi Sansthan Shri Goraksh Gadilkar honored all of them. **-G.R. Nanda**

Shri Ram Navami Celebrated In Shirdi

Shri Ram Navami Festival was celebrated in Shirdi on 25th, 26th & 27th March 2026 with great enthusiasm. On the first day of the festival, after the morning Kakad Aarti at 5:15 am, a grand ceremonial procession with Shri's Idol, the Holy Pothi Shri Sai Satcharitra and the Veena was taken to Dwarkamai. Sansthan CEO Shri Goraksh Gadilkar carried the holy Shri Sai Satcharitra Pothi, Sansthan Deputy CEO Shri Bhimraj Darade carried the Veena, Administrative Officer Shri Sandip Kumar Bhosale and Shri Atul Wagh carried Baba's Idol and participated in the procession. Temple incharge Shri Vishnu Thorat, PRO Shri Deepak Lokhande, Temple Priests, Sansthan Staff members, local villagers and devotees participated in large numbers in the procession.

After the procession reached Dwarkamai, Akhanda Shri Sai Satcharitra Parayan started at 6:00 am. Shri Goraksh Gadilkar read the first chapter and formally inaugurated the Akhanda Parayan ritual. The traditional Padya Puja (ritualistic washing of the Lord's feet) was performed at Samadhi Mandir at 7:00 am. The ceremony was led by Shri Goraksh Gadilkar and his wife Smt. Vandana Gadilkar. Bhajan Keertan Programs by various artists were performed on all three days. Sai Bhajan Sandhya by renowned playback singer Smt. Anupama Deshpande was held from 7:00 pm to 9:30 pm. Shri Sai Baba's Palanquin Procession was taken throughout Shirdi village at 9:15 pm.

Samadhi Mandir and its surrounding premises were beautifully decorated with colorful flowers and decorative lighting through the generous donation of Shri Venkatesubramanian V. from Bangalore & Dwarkamai Mandal from Mumbai.

On the main day on Thursday, 26th March 2026, the Hon'ble Chairman of Shri Saibaba Sansthan and Principal District Judge, Shri Shivajirao Kachare, along with his wife Smt. Padmini Kachare, performed the 'Padya Puja' of Shri Saibaba in Samadhi Mandir.

Following the ancient traditions, the 'Sack of Wheat' kept at Dwarkamai was ritually worshipped in Samadhi Mandir before being replaced. This ceremony was led by the Chairman and the CEO in the presence of Sansthan officials and temple priests.

The ceremonial worship and changing of the flag at the Shri Saibaba Samadhi Centenary Pillar were conducted by Chairman Shri Shivajirao Kachare and CEO Shri Goraksh Gadilkar, accompanied by their spouses. A new ceremonial flag was hoisted at the Samadhi Centenary Pillar.

A devotee Shri Vitthal Zhudpe from Nanded offered a 2,300 gm Silver Brick. Shirdi devotee Shri Tukaram Mukhekar donated 5,000 kg of wheat for use at Shri Sai Prasadalaya, the Sansthan's massive kitchen that serves thousands of pilgrims daily. Deputy CEO of Sansthan, Shri Bhimraj Darade, felicitated Mr. Mukhekar for his generous contribution. The Samadhi Mandir was kept open throughout the night.

On 27th March 2026, CEO Shri Goraksh Gadilkar & Smt. Vandana Gadilkar, performed Rudrabhishek puja at Gurusthan Temple. Administrative Officer Shri Sandeep Kumar Bhosale and his wife Smt. Smita Bhosale performed the ritualistic Padya-Puja of Shri Saibaba at Samadhi Mandir. The traditional Dahihandi ceremony was performed by Shri Bhiraj Milind Kote, a descendant of Tatya Patil Kote (a contemporary devotee of Shri Saibaba). The event was graced by Shri Goraksh Gadilkar, Shri Bhimraj Darade & other senior officials.

Mobile medical vans, first-aid centers, and a multi-layered security cover (including QRT and Bomb Squad) were arranged to ensure safety of devotees. Lakhs of devotees came to Shirdi to celebrate Ram Navami Festival and got the blessings of Shri Sai baba and Lord Shri Ram.

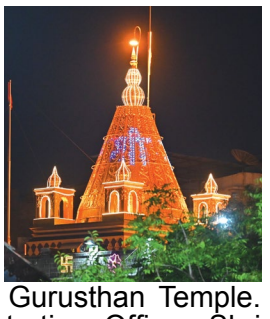

-Punam Dhawan

Former Chairman Dr. Suresh Haware Donates Golden 'OM'

Dr. Suresh Haware, the former Chairman of Shri Saibaba Sansthan Trust, Shirdi celebrated his birthday by donating six intricately carved golden 'OM' symbols. Golden OM weighing 309.500 grams,

is valued at approximately Rs. 46,09,074/-. These artistic 6 gold OM have been ritually installed on the wall behind the idol of Sai Baba in Samadhi Mandir. After the donation, Sansthan's CEO Shri Goraksh Gadilkar officially felicitated Dr. Haware on behalf of the Trust to acknowledge his contribution. **-G.R. Nanda**

Ramanavami Celebrated in Shree Sainatha Gnyana Mandira

Bangalore: On 27th March 2026, Shri Ramnavami festival was celebrated with full devotion at Shree Sainatha Gnyana Mandira, Bhatrenahalli, Mallur, Bangalore. Various programs and Ramanavami Puja was organised to mark the occasion. The program started with kakad aarti and abhishekam of Shri Sai Baba. After that Shri Ram puja, Shri Venketeshwar puja & Shirdi Sai Baba puja was performed, followed by Gana Homa, Sai Homa, Ayappa Swami Homa, Subramaniam Swami Homa, Ramataraka Mulmantra Homa, Venketeshwar Swami Homa & Ishwar Swami Homa. Many devotees participated in these programs and got blessings of Lord Shri Ramachandra Swami, Shri Sai Baba, Yedukondala Venkataramana Swami and Ishwara Swami. Very delicious holige Prasad of Rasam, Rice, Cucumber Panakkam was distributed to all devotees. Devotees felt blessed after taking their favourite prasadam, arranged by Temple committee.

The program was organized by members of temple committee and all sewa kartas of the temple.

-M. Narayanaswamy

70 Bags of Gram & 16 Apollo Tyres Donated In Shirdi

Shirdi: On 11th March 2026 Shri Vilas Sopan Kote, a retired employee of Shri Saibaba Sansthan Trust, a resident of Shirdi, donated 70 bags of

indigenous gram, valued at approximately Rs.3 Lakh 35 thousand. This donation will be utilized by Sansthan's Prasadalaya for the meals served to devotees as prasad.

Additionally, Shri Vilasrao Durgude, a devotee from Puntamba, donated 16 Apollo Endurance tyres worth Rs. 2,99,999. These tyres will be used for the fleet of vehicles operated by the Trust.

The Chief Executive Officer of Sansthan, Shri Goraksha Gadilkar (IAS), felicitated both devotees and expressed his gratitude on behalf of the Trust.

Shri Sai Sumiran Times
Brings you news of Sai Baba from all over the world, devotees' experiences & Baba's miracles etc.
For Subscription & Advertisement Contact: 9818023070

Gudi Padwa Celebrated In Shirdi With Great Enthusiasm

On 19th March 2026, Like every year, Shri Saibaba Sansthan Trust celebrated the local festival of Gudi Padwa with great enthusiasm and fervor. On this auspicious occasion, the Samadhi Mandir and its surrounding premises were adorned with magnificent floral decorations. This year's vibrant floral display has been made possible through a generous donation by Shri Taresh Anand, a philanthropic Sai devotee based in the USA.

On the auspicious occasion of Gudi Padwa, the traditional Marathi New Year, a 'Gudi' was ceremoniously hoisted atop the spire (Kalash) of Shri Saibaba Samadhi Mandir.

The ritualistic worship (Vidhi-vat Puja) was performed by Hon. Shri Shivajirao Kachare, Chairman of the Ad-hoc Committee of Shri Saibaba Sansthan and Principal District & Sessions Judge, alongside his wife, Smt. Padmini Kachare. The ceremony took place in the presence of several key officials, including Shri Goraksha Gadilkar, Chief Executive Officer (CEO), Shri Bhimraj Darade, Deputy CEO, Shri Sandeep Kumar Bhosale, Administrative Officer and Shri Vishnu Thorat, Temple Incharge. **-Krishna Puri**

Shri Saibaba Hospital A Blend of Faith Patience and Surgical Excellence

Four KG Massive Tumor Successfully Removed

Shirdi: A highly complex and challenging surgery was successfully performed at Shri Saibaba Hospital in Shirdi. On 13th February 2026, General Surgeon Dr. Ajinkya Pangavane and his team achieved a major medical milestone by successfully removing a tumor weighing approximately 4 kilograms from a patient's abdomen. The 27 years old patient, Smt. Nikita Gaikwad from Kopargaon, had been experiencing severe abdominal pain and swelling following her recent childbirth. Upon consulting Dr. Ajinkya Pangavane at Shri Saibaba Hospital, Shirdi, a diagnosis revealed a massive tumor in her abdomen. Due to the gravity of situation, the medical team decided to operate immediately. Under the expert leadership of Dr. Ajinkya Pangavane and Anesthesiologist

Dr. Nihar Joshi, the surgical team executed the procedure with high precision. This successful outcome is being hailed as a perfect blend of "Shraddha" (Faith), "Saburi" (Patience), and surgical expertise.

The patient is now stable and recovering satisfactorily, leading to her recent discharge. Thanks to modern medical technology, the surgery involved minimal blood loss and ensured a faster recovery.

Shri Goraksh Gadilkar, CEO of Shri Saibaba Sansthan Trust, lauded Dr. Pangavane, Dr. Joshi, and the entire staff of the General Surgery department for their dedication. The patient's family expressed their heartfelt gratitude to the doctors and the hospital for providing a new lease of life.

Happiness is not about getting all you want, it is about enjoying all you have.

Our Associates

Singapore
Naina
U.S.A.
Anil Chadha
Dr. Rangarao Sunkara
Ohio - Varaha
Florida
Kamal Mahajan
Brampton
Devendra Malhotra
Australia
Anibha Singh
New Zealand
Anjum Talwar
Japan -Kaco Aiuchi
Canada
Ruby Kaur, Smita Sohi
Germany
Sugandha Kohli
Denmark
Anjali Jaggi
Nepal
Vishnu Pokhrel, Madhu

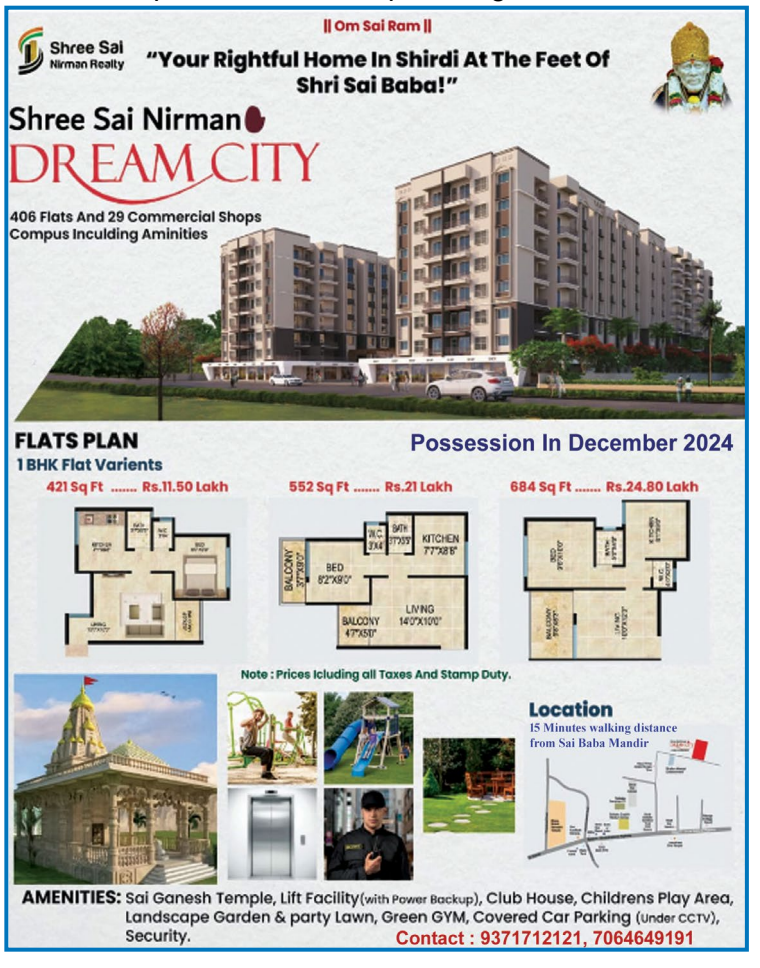

श्री शिरडी साई मन्दिर कुरुक्षेत्र में रामनवमी उत्सव श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

कुरूक्षेत्र: श्री शिरडी साई मन्दिर कुरुक्षेत्र में 26 मार्च 2026 को साई भक्तों द्वारा

नगर वालों ने अपने मधुर भजनों से सभी को मन्त्रमुग्ध किया। धूप आरती के बाद बाबा की पालकी निकाली गयी और रामनवमी उत्सव पूर्ण श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रामचरित मानस में राम जन्म के प्रसंग के साथ हुई। इसी कड़ी में कन्या पूजन और भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। श्री शिरडी साई सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ विजय शर्मा ने कहा कि श्री राम सम्पूर्ण जगत के अधिष्ठाता हैं और हम सभी को उनके आदर्श चरित्र का अनुसरण करते हुए अपने जीवन को सार्थक करना चाहिए। इस अवसर पर अंकित और तरसेम जी यमुना भण्डारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर साई भक्त परमिंदर मनचंदा, चन्द्रभान, श्याम सुंदर सेठी, सुरेश कुमार, सीमा अरोड़ा, अरुण गौड़, किरण गौड़, रेणु मिगलानी, सत्यप्रकाश, कमलेश, गौरव गर्ग, प्रदीप अरोड़ा, तरुण ढींगरा, राकेश आहूजा व संगीता भी मौजूद रहे। **-यश अरोड़ा**

श्रद्धेय गुरुदेव श्री आर.के. शर्मा जी द्वारा फरीदाबाद में भजन संध्या

फरीदाबाद: साई आश्रय संस्था द्वारा हाल ही में कम्यूनिटी सेंटर, सैक्टर-15, फरीदाबाद में भजन संध्या का भव्य, श्रद्धामय एवं भक्तिपूर्ण आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। साई बाबा का दरबार अत्यन्त सुन्दर सजाया गया। इस पावन अवसर पर भक्तों में अपार श्रद्धा और भक्ति का अनुपप दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत साई बाबा के मधुर भजनों से हुई, जिसमें श्री चड्ढा जी,

श्री विजय मल्होत्रा एवं श्री जितेंद्र जी ने बाबा के भजनों के गुणगान द्वारा समूचे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनके भजन सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गये।

इस अवसर पर श्रद्धेय गुरूदेव श्री आर.के. शर्मा जी ने ऊँ साईनाथाय नमः' के पावन मंत्र के साथ अपने प्रवचनों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि साई बाबा सर्वत्र विद्यमान हैं तथा भक्तों को सच्चे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि राम और साईनाथ में कोई अंतर नहीं है। राम ही साईनाथ महाराज हैं और साई ही राम हैं। बाबा का उपदेश 'सबका मालिक एक' आज भी मानवता, प्रेम और करुणा का संदेश देता है। अपने प्रवचन में आगे उन्होंने कहा कि शिरडी में बाबा के काल से ही मारुति मंदिर (हनुमान जी) का जीर्णोद्धार करके विधिवत पूजा अर्चना प्रारंभ की गयी। साथ ही सनातन परम्परा के अनुरूप देवी देवताओं के प्रतीक भी स्थापित हैं, जैसे महादेव जी का शिवलिंग, त्रिशूल, गणेश, नन्दी जी की मूर्ति, शनिदेव आदि स्थापित हैं। यह सब सनातन धर्म की समन्वयात्मक भावना को दर्शाता है। साई बाबा सभी देवी-देवताओं के प्रति समान श्रद्धा एवं पूजा का संदेश देते थे। शिरडी में नियमित रूप से सुंदरकांड पाठ, विष्णुसहस्त्रनाम पाठ व सत्यनारायण कथा का आयोजन होता है तथा होली, रामनवमी, जन्माष्टमी, दशहरा आदि सभी पर्व श्रद्धा से मनाए जाते हैं। श्रद्धेय गुरुदेव श्री आर.के. शर्मा जी के ओजस्वी एवं प्रेरणादायक प्रवचन सुनने के लिए लगभग 2000 श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर का लाभ उठाया। विशेष रूप से इस कार्यक्रम में विभिन्न साई मंदिर एवं सनातन मंदिर के कार्यकारी सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई।

इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में साई आश्रय के सभी सदस्यों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके अथक परिश्रम, समर्पण एवं सेवा भाव से यह आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हो सका। उपस्थित भक्तजन आध्यात्मिक शांति एवं आनंद से परिपूर्ण होकर अपने-अपने गंतव्यों को लौटे। **-देवराज गोयल**

साई भक्ति

'तेरे नाम से ही पहचान मिली मुझको
कैसे कह दूं साई तूने संभाला नहीं।

मैं संगीता ग्रोवर सभी साई भक्तों को साई राम कहती हूं। साई भक्ति मतलब बंधनों, कर्मों, प्रारब्धों से मुक्ति। जिसको साई अपना सान्निध्य व प्यार देते हैं, अपना बना लेते हैं, वो स्वयं को भाग्यशाली समझें। साई की भक्ति हमारे चाहने से नहीं मिलती। बाबा स्वयं चुन लेते हैं। अपने बच्चों की परीक्षा भी लेते हैं और समय आने पर पास भी करते हैं। बाबा ने कभी किसी को सशंय में नहीं डाला। बस निस्वार्थ सेवा, अच्छे कर्म करने का ज्ञान दिया। दुनिया के चाहे सब रिश्ते-नाते, दोस्त लोग बदल जायें पर साई जिसे अपनाते हैं उसके लिए कभी नहीं बदलते। लाख कोशिश करे कोई उसे गिराने की या उसका बुरा करने की, साई अप्रत्यक्ष रूप से उसे संभालते हैं। बस आपका विश्वास पक्का होना चाहिए। आपकी अपने साई से भरोसे की डोर पक्की होनी चाहिए। बाबा तो अपने उन बच्चों के लिए तत्पर हैं जो उन पर हक रखते हैं। कहने को नहीं, दिखावे को नहीं, दुनिया के प्रपंचों से हटकर साई जी पर हक रख कर देखो। मेरे साई सब संभालते हैं। जब कोई नहीं होता मेरे साई होते हैं। मैं कहां से चली, न कोई साथ था शुरूआत में, न कोई उम्मीद। बस इक साई जी थे जिनको सब कुछ बताती हूं। धीरे-धीरे सब प्रारब्ध भी हरे और बाबा ने नामुमकिन को मुमकिन किया। अब साई जी के गायन के साथ लिखने का शौक है। कई किताबें, आलेख आदि लिखे और अन्य लिख रही हूं। इन छोटे-छोटे प्रयासों से आज साई जी की कृपा से मुझे डाक्टर संगीता ग्रोवर बना दिया। डाक्टरेट सम्मान लेते हुए सबसे पहले साई जी याद आए। मेरा मुझमें कुछ नहीं, जो कुछ है सब साई तेरा। बचपन में देखा सपना साई जी की कृपा से पूरा हुआ। मेहनत मैं करती हूं पर सब करते सिर्फ साई जी हैं। साई को अपना मानते हैं तो दुनिया कुछ भी करे, कहे, आप अपने साई के आगे सदैव सच्चे रहे। कुछ अच्छा किया तो भी साई से कहो। कुछ बुरा हुआ वो भी साई से कहो। हम साई के बच्चे हैं, भक्त हैं, शुक्रिया करें साई जी का, उन्होंने हमको कबूल किया। साई जी को मानते हुए तेरी मेरी होड़ छोड़कर साई कथनी को माने।

-डॉ. संगीता ग्रोवर
गायिका लेखिका कवियत्री

बाबा की उदि से बढ़कर कोई दवा नहीं है

मेरे जीवन में बाबा के बहुत चमत्कार हैं लेकिन मैं आप सभी से एक अनुभव शेयर करना चाहती हूं। अभी 19 जनवरी को मेरे पति के पेट में अचानक बहुत तेज़ दर्द हुआ। मैं बहुत डर गई कि पता नहीं क्या हो गया। मैंने उन्हें डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने कहा कि इनका अल्ट्रासाउंड कराओ। मैंने उनका अल्ट्रासाउंड करवाया तो उसमें डॉक्टर ने बताया कि लीवर में सिस्ट है। ये सुनकर तो मेरे पैरों तले ज़मीन खिसक गई और मैं परेशान होकर रोने लगी। तभी मेरी बहू जो डॉक्टर है उसने कहा कि मम्मी जल्दी से इनका CT Scan कराओ। मैंने तुरंत बाबा का नाम लेकर उनका CT Scan करावाया और मैंने बाबा की उदि इनके पेट पर मल दी। मैंने बाबा से कहा कि इनको कोई ऐसी वैसी खराब बीमारी न हो, बस आप ही चमत्कार कर सकते हैं। मुझे बाबा पर पूर्ण विश्वास था और ऐसा ही हुआ। अगले दिन रिपोर्ट आई तो डॉक्टर ने बताया कि सिस्ट तो नहीं है लेकिन लीवर में पस पड़ गया है और वह लीक कर गया है, लेकिन घबराने की कोई बात नहीं है, वो दवाईयों से ही ठीक हो जायेंगे। मेरे पति काफी ठीक भी हो गये, डॉक्टर ने कहा कि अभी 1 महीने दवाईयां और खानी हैं फिर वो बिल्कुल ठीक हो जायेंगे। मुझे अपने बाबा पर पूर्ण विश्वास था कि वह कभी भी कोई परेशानी आने नहीं देंगे। मैं उन्हें उदि देती रही क्योंकि बाबा की उदि से बढ़कर कोई दवा नहीं है। मुझे महसूस होता था कि बाबा हमेशा मेरे पास खड़े रहते हैं। बाबा अपने भक्तों पर कोई परेशानी नहीं आने देते हैं। बाबा पर मुझे पूर्ण विश्वास है कि वह मेरे पति को बिल्कुल स्वस्थ रखेंगे और कभी भी कोई परेशान आने नहीं देंगे। जय साई राम।

बाबा की बेटी नीरू, मेरठ

> मुझ पर पूर्ण विश्वास रखो। यद्यपि मैं देहत्याग भी कर दूंगा, परन्तु फिर भी मेरी अस्थियां आशा और विश्वास का संचार करती रहेंगी। केवल मैं ही नहीं, मेरी समाधि भी वार्तालाप करेगी, चलेगी, फिरेगी और उन्हें आशा का संदेश पहुंचाती रहेगी, जो अनन्य भाव से मेरे शरणागत हों। निराश न होना कि मैं तुमसे विदा हो जाऊँगा। तुम सदैव मेरी अस्थियों को भक्तों के कल्याणार्थ ही चिंतित पाओगे। यदि मेरा निरन्तर स्मरण और मुझ पर दृढ़ विश्वास रखोगे तो तुम्हें अधिक लाभ होगा। -साई बाबा

हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अब आप सब साई बाबा की देश विदेश की खबरें, भक्तों के अनुभव, बाबा के अनूठे चमत्कार व बाबा के विभिन्न live कार्यक्रम, श्री साई सुमिरन टाइम्स की YouTube Channel पर भी निःशुल्क देख सकते हैं। इसके लिए आप सबसे अनुरोध है कि आप सब अपने फोन पर Shri Sai Sumiran Times की YouTube Channel को subscribe करें।

बाबा ने कष्टों की तीव्रता कैसे कम की

1980 की बात है। दीवाली की छुट्टियां आरंभ हो गई थीं। जय राव नामक एक भक्त, जो कि मास्टरजी और आई के एक पुराने परिचित स्वर्गीय किशोर साहू का दामाद था, का आना-जाना उनके परिवार में अक्सर होने लगा था। वह कलंगुटे से अपने घर वास्को (कलंगुटे से 40 किलोमीटर दूर) जाने से पहले शाम की आरती में अक्सर शामिल होने लगा।

एक शुक्रवार की शाम को, आरती के दौरान, आई को बाबा की मूर्ति के पास एक झलक के रूप में कुछ ऐसा दिखा, ऐसा आभास हुआ, जैसे जय राव अपनी मोटरबाईक से गिर गया है और उसके सिर पर सफेद पाऊडर जैसा कुछ बिखर गया है। उसी रात बाबा आई के सपने में प्रकट हुए और बोले, 'तुम्हारा राव गिर गया है और उसका हाथ टूट गया है। अधिक चिंता मत करना, यह पूर्व निर्धारित था, लेकिन मैं कष्ट को बांट रहा हूं। आई चौंक कर उठ बैठी और मास्टरजी को सपना सुनाया। उन्होंने कह दिया कि सपना तो सपना होता है, इसलिए उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए।

अगले दिन दोपहर से कुछ पहले, जय राव उनके घर आया और मास्टरजी के साथ बैठ कर दुनियाभर की बातें करता रहा। बात करते-करते चूंकि दोपहर हो गई थी इसलिए उसे लंच कर लेने के लिए कहा गया। तभी भानुदास नोटी नाम का एक पड़ोसी युवक बाबा के दर्शन करने आ पहुंचा। आई ने उसका परिचय राव से कराते हुए कहा, 'यह है हमारा पड़ोसी नोटी, यह एक मोटरबाईक पायलेट है।' सब को खाना परोसते हुए आई ने कहा, 'नोटी तो बाबा का सच्चा भक्त है। परेशानी में पड़े हुए लोगों की वह हमेशा मदद करता है।' राव और नोटी बहुत देर तक बातें करते हुए हसंते-हंसाते रहे। नोटी दर्शन करके चला गया और शाम की आरती के बाद राव भी चलने को हुआ।

राव जब जा रहा था तो आई ने उसे सचेत किया और सलाह दी कि वह बहुत सावधानी से मोटरबाईक चलाया करे। राव बोला, 'बाई, मैंने तो अमेरिका में भी मोटरबाईक चलाई है। मैं तो इसे चलाने में माहिर हो गया हूं। आप बेकार चिंता कर रही हैं।' लेकिन आई ने उससे कहा, 'नियति से कौन बच सकता है। लेकिन प्रभु की भक्ति दुख की प्रबलता को कम कर देती है और दुख को भी कम कर देती है।

राव ने उनकी गंभीर बात को हल्के से लिया और बोला, 'मुझे यह नियति वाली फिलोसफी समझ में नहीं आती। मुझे कुछ नहीं होगा। कल आप मुझे भला चंगा अपने सामने खड़ा पायेंगी।' उस रात राव सुरक्षित वास्को पहुंच गया। सोमवार को हमेशा की तरह वह आई के घर आया और उनके परिवार के संग खाना खाया। फिर वह शाम को 5 बजे जब वास्को के लिए निकलने को हुआ तो आई ने आग्रह किया कि रात को वह उन्हीं के घर रूक जाए और अगले दिन सुबह को वास्को जाए। लेकिन राव ने कहा कि उसकी पत्नी इंतज़ार कर रही होगी, इसलिए वह रूक नहीं सकता। 5:10 बजे वह कलंगुटे से चल पड़ा था और फिर 5:45 बजे अगाशी में वह एक साइकिल सवार से जा टकराया। साइकिल सवार गेहूं का आटा लेकर जा रहा था। उसकी साइकिल तो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई लेकिन साइकिल सवार किसी तरह बच गया। राव मुंह के बल गिरा था और उसके सारे मुंह और बदन पर आटे का छिड़काव हो गया था। राव का चश्मा चूर-चूर हो गया था और मोटरबाईक की हैडलाईट टूट गई थी। उसके बाएं हाथ में भी चोट लगी थी। घटना स्थल पर कुछ लोग इकट्ठा हो गए थे लेकिन राव उठ नहीं पा रहा था। संयोगवश उसी समय नोटी वास्को से वापस कलंगुटे लौट रहा था। भीड़ लगी देखी तो उसने अपनी बाईक एक तरफ खड़ी कर दी कि देखें कि घायल कौन हुआ है। नोटी को हैरत हुई यह देख कर कि वह तो वही सज्जन, राव, है जो दो दिन पहले आई के घर मिला था। नोटी ने उसे उठाया और निकट के डॉक्टर के पास ले गया। उसे प्राथमिक चिकित्सा दिला कर उसे वह एक टैक्सी द्वारा वास्को लेकर गया।

जिस पल राव अगाशी में दुर्घटनाग्रस्थ हुआ था, उसी पल एक मधुमक्खी ने आई की उंगली में डंक मार दिया था और उनका हाथ सूजने और दर्द करने लगा था। उन्होंने मास्टरजी से कहा, 'राव गिर पड़ा है और बाबा ने उसके कष्ट को कुछ इस तरह कम कर दिया है। इसे हमें स्वीकार कर लेना चाहिए।' कुछ देर बाद, नोटी ने आकर राव की दुर्घटना के बारे में बताया।

अगले दिन, आई और नोटी, राव को देखने वास्को गए। जब वे वहां जा रहे थे तभी राव को उसके एक निकट मित्र, लूसियो मिरांडा, का फोन मुंबई से आया लूसियो ने राव को बताया कि कुछ गुंडो ने स्ट्रांड सिनेमा के पास उस पर हमला कर दिया था और उसकी घड़ी कुछ इस तरह झपटी थी कि उसका बायां हाथ ज़ख्मी हो गया। उसके साथ हुई वह घटना भी उसी दिन और उसी समय घटित हुई थी जिस दिन व जिस समय राव की दुर्घटना हुई थी।

यह घटना इस बात का प्रबल प्रमाण है कि किस तरह से हम सबका परस्पर सम्बंध हैं। यह घटना स्पष्ट रूप से यह बताती है कि किस तरह से हम सब के तार आपस में जुड़े हुए हैं। नियति ही सब कुछ नहीं है, साई परिवार में हम सब भाई बहन हैं। हमें एक दूसरे के सुख-दुख आपस में बांटने हैं, बिना कोई शिकायत किए। वे भक्त धन्य हैं जिन्होंने सचमुच उन्हें समर्पण कर दिया है। **-निखिल कृपलानी**

आभार: साई बाबा और आई

बाबा भगवान दत्तात्रेय हैं

एक बार मोरेश्वर प्रधान का बड़ा बेटा बहुत बीमार था। उस समय एक तेलंग महाशय, जिनका नाम शास्त्री बुवा था, उनके साथ रहते थे। वे भगवान दत्तात्रेय के भक्त थे, और परिवार की बाबा के प्रति श्रद्धा को वे श्रेयस्कर न मानते थे। उन्हें बीमार बच्चे की बहुत चिन्ता थी। इसलिए उन्होंने प्रधान से कहा कि अपने बच्चे की सेहत में सुधार लाने के लिए वे बाबा के प्रति भक्ति तज दें और भगवान दत्तात्रेय की आराधना करें। प्रधान ने उन्हें बताया कि बाबा भगवान दत्त ही हैं।

इस हेतु शास्त्री ने एक परीक्षा लेने का विचार किया। वे बोले, 'यदि पांच मिनट के अंदर यह बच्चा एक गिलास दूध पीता है तो मैं यह मान लूंगा कि बाबा ही दत्त हैं और यदि कल से बच्चा ठीक होने लगे, तो मैं बाबा के दर्शनार्थ शिरडी जाऊँगा और 125 रूपए दक्षिणा दूंगा।' यह फैसला हो गया। कुछ ही मिनटों में बच्चे ने दूध मांगा, जो वह सहर्ष पी गया। अगले दिन से उसकी तबीयत सुधरने लगी। जब वह बच्चा पूरी तरह ठीक हो गया, तो अपने संकल्पानुसार शास्त्री बुवा शिरडी गए और बाबा को 125 रूपये दक्षिणा भेंट की। उस दिन संध्या समय बाबा ने शास्त्री बुवा से 5 रूपये दक्षिणा मांगी। शामा, जो उस समय वहीं थे, ने पूछा, 'बाबा, आज सुबह ही तो इन महाशय ने आपको 125 रूपए दक्षिणा दी है तो फिर आप उनसे 5 रूपये और क्यों मांग रहे हैं?' बाबा बोले '125 रूपए जो उन्होंने मुझे सुबह दिए वह तो इनके दत्त को अर्पण कर दिए गए, मुझे कहां मिले वो?' शास्त्री बुवा यह सुनकर आश्चर्यचकित रह गए। उन्होनें अति आदरपूर्ण बाबा के हाथ में 5 रूपये रखे। **-बेला शर्मा**

आभार: बाबा की वाणी उनके वचन तथा उपदेश

साई ध्यान मंदिर पानीपत में वार्षिक उत्सव पर भजन एवं पालकी

पानीपतः दिनांक 29 मार्च 2026 को साई ध्यान मंदिर के प्रांगण में मंदिर का तीसरा वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह 7 बजे बाबा जी को दूध से मंगलस्नान कराया गया और उसके बाद बाबा का अभिषेक

साथ धूमधाम से बाबा की पालकी निकाली गई। जहां-जहां से पालकी गुज़री वहां साई नाम के जयकारे गूंज उठे। रास्ते में कई जगहों पर बाबा के भक्तों ने पालकी का बड़े ही धूमधाम से स्वागत किया। पालकी फतेहपुरी चौक, लाल

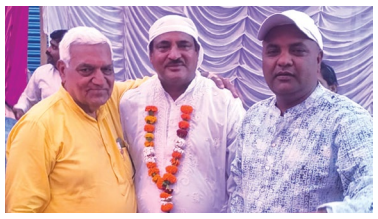

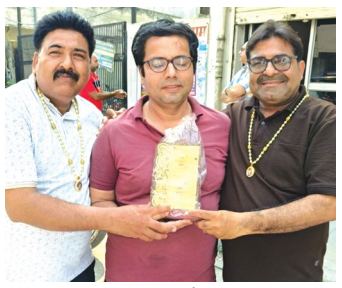

भवन वाली गली में पहुंची जहां पर साई भजन संध्या की गई जिसमें भजन सम्राट सक्सैना बंधु जी ने भजनों का गुणगान किया। वहां आने वाले सभी भक्तों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में शिरडी साई बाबा संगठन के सभी ज़िला अध्यक्ष व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. सिसोदिया जी ने वहां पंहुचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा के आशीर्वाद से ये कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। सभी भक्तों के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था भी की गई।

किया गया। प्रातः 11:30 बजे बाबा की भव्य पालकी शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया। डी.जे. और ढोल नगाड़ों के

-डा. पंकज कुमार, पानीपत

सैनी एन्क्लेव में रामनवमी महोत्सव पर साई पालकी शोभा यात्रा

दिल्लीः दिनांक 26 मार्च 2026 को श्री रामनवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री राधा कृष्ण मंदिर, सैनी एन्क्लेव, दिल्ली में श्री साई पालकी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। प्रातः 7 बजे श्री साई बाबा जी को दूध से मंगलस्नान कराया गया एवं चोला अर्पण किया गया। दोपहर 12 बजे श्री

में कई भक्तों ने ठंडा जल, समोसे, फल आदि वितरित किये। सभी भक्तों ने श्री साई शोभा यात्रा को सफल बनाया। सांय 7:30 बजे धूप आरती व नैवध अर्पण

साई बाबा जी की आरती की गयी और 56 भोग अर्पण कर श्री साई बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त कर, प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर 1 बजे से सांय 4 बजे तक मात्र शक्ति महिलाओं द्वारा कीर्तन किया गया और प्रसाद वितरण किया गया। सांय 5 बजे श्री साई बाबा जी की आरती करके बैंड-बाजे, ढोल बजाकर शोभा यात्रा निकाली गई जो श्री राधा कृष्ण मंदिर से चलकर, सैनी एन्क्लेव से शाम एन्क्लेव से होती हुई रात्रि 7:30 बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर में आ गयी। रास्ते के पश्चात् भंडारे का आयोजन किया। सभी भक्तों ने स्वादिष्ट भोजन ग्रहण किया और सबने मंदिर की प्रबन्धक कमेटी का आभार प्रकट किया। **-ओम प्रकाश कपूर**

श्री साई सुमिरन टाइम्स की यू-ट्यूब चैनल भी उपलब्ध

हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अब आप सब साई बाबा की देश विदेश की खबरें, भक्तों के अनुभव, बाबा के अनूठे चमत्कार व बाबा के विभिन्न live कार्यक्रम श्री साई सुमिरन टाइम्स की YouTube Channel पर भी निःशुल्क देख सकते हैं। इसके लिए आप सबसे अनुरोध है कि आप सब अपने फोन पर Shri Sai Sumiran Times की YouTube Channel को subscribe करें।

शिरडी डायरी

प्रस्तुत हैं श्रीगणेश श्रीकृष्ण खापर्डे की डायरी से कुछ अंशः

28 जनवरी 1912: मैं कल रात अच्छी तरह सोया और दिन निकलने से पहले समय पर उठ गया और दिनचर्या आरंभ की। मैं करीब आठ बजे सुबह खंडोबा

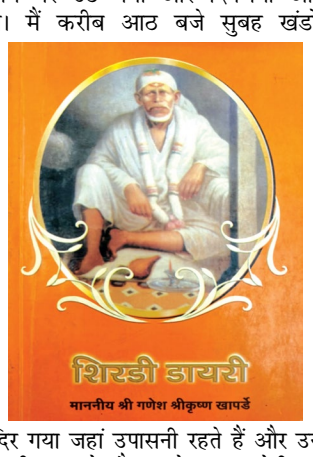

मंदिर गया जहां उपासनी रहते हैं और उनसे बातचीत करने बैठा। ये एक छोटी और अच्छी जगह है। हमने अपनी परमामृत की कक्षा बापू साहेब जोग के ठिकाने पर की, क्योंकि वाड़े के बरामदे में वेदांत के विषय पर परिचर्चा और वार्ता से मेरे पुत्र बलवंत को खलल पहुंचती है। हमने साई महाराज के बाहर जाते हुए और फिर मस्जिद में लौटने के बाद, दर्शन किए। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैंने सुबह कैसे बिताई और मैंने उन्हें विवरण दिया कि हमने क्या किया। वे आनंद भाव में दिखलाई पड़े। और मध्यान्ह आरती ठीक से सम्पन्न हो गई, केवल राधाकृष्णाबाई बुझी हुई और नाराज़ लगीं और उन्होने दरवाज़े बंद रखे। इसीलिए आरती की वस्तुएं जल्दी नहीं मिल सकीं। दोपहर के भोजन के बाद मैं थोड़ी देर के लिए लेटा, फिर एक पत्र लिखा और दीक्षित के पुराण में सम्मिलित हुआ। फिर हम गए और शाम को साई महाराज के सैर करते हुए दर्शन किए। उसके बाद वाड़ा आरती हुई लेकिन भजन नहीं हो सके क्योंकि भीष्म अस्वस्थ थे। रात को हमारे शेज आरती से लौटने के बाद दीक्षित ने रामायण पढ़ी।

मेरे मालिक साई बाबा

जब से तेरी शरण में आई हूँ बाबा, मुझे आपने हर वो खुशी दी है जिसकी मैंने कामना की थी और आप हर संकट से मुझे बचाते आये हो। लेकिन हम इंसान बहुत जल्दी आपका उपकार भूल जाते हैं। बाबा आज आपकी कृपा से ही हमारा परिवार सुखी है। हर कदम पर आपकी प्रेरणा से मैंने जो भी निर्णय लिया वह सही निकला और जब भी मैंने गलती से जल्दबाज़ी में जो काम किए उसका नतीजे सही नहीं निकले। एक बार जो बाबा की शरण में आ जाता है बाबा उसकी कदम कदम पर रक्षा करते हैं। जब जब हम उनको सहायता के लिए पुकारते हैं वो किसी ना किसी रूप में आकर हमारी मदद करते हैं। इन दिनों बाबा मेरी कड़ी परीक्षा ले रहे हैं।

कुछ महीनों से तबीयत ठीक ना रहने की वजह से मैं बाबा से शिकायत करती रहती हूँ कि उनके होते हुए मुझे इतना कष्ट क्यों सहना पड़ रहा है। पर ये भी सत्य है कि अपने कर्मों का फल तो हमें भोगना ही पड़ेगा। बस बाबा इतनी शक्ति देना कि जो भी कष्ट आए उसको सहन करते हुए अपने कर्म करती रहूँ ।

बाबा की मेहरबानियों की कोई गणना नही की जा सकती। कुछ वर्ष पहले जब मैं सरकारी नौकरी में कार्यरत थी तो मुझसे कुछ नियमों का उल्लंघन हो गया था जबकि मेरी नीयत बिल्कुल साफ थी। कुछ समय बाद मुझे नोटिस मिल गया और मेरे ऊपर अनुशासनिक कार्यवाही का आदेश दिया गया। मेरी नौकरी के सिर्फ तीन वर्ष बचे थे। लगभग 35 वर्ष तक मैंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी नौकरी की थी। मेरे पैरों तले ज़मीन खिसक गई जब मुझे अनुशासनिक अधिकारी के समक्ष पेश होने का नोटिस मिला। मैंने उनको अपना पक्ष रखकर ये बताने की बहुत कोशिश की कि में सिर्फ एक ज़रूरतमंद की मदद कर रही थी पर मेरे पास कोई सबूत ना होने की वजह से मेरा पक्ष कमज़ोर था। इस बीच मैंने बाबा के आगे अपनी अर्ज़ी डाली और उनसे विनती की कि अब आप ही मुझे इस संकट से बचा सकते हैं।

अगले गुरुवार को जब मैं आफिस पहुंची तो एक चिठ्ठी मुझे मिली जिसमें मुझे सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। मैंने बाबा की मूर्ति को देखा और मेरी आँखो से अश्रु बहने लगे। ना जाने कैसे बाबा ने किसको प्रेरित किया कि जो केस बिल्कुल मेरे खिलाफ था, मेरे पक्ष में हो गया।

यही नहीं जब-जब कोई ऐसी स्तिथि आती है जब समझ में नहीं आता की क्या सही है और क्या ग़लत? तब बाबा का नाम स्मरण करते ही वो मुश्किल इतनी आसानी से हल हो जाती है कि हम आश्चर्यचकित हो जाते हैं। ये मेरा अनुभव है कि जब भी मैं कोई काम करते हुए बाबा का नाम स्मरण करती हूँ तो वो काम बड़ी आसानी से पूरा हो जाता है।

एक और बहुत बड़ी कृपा बाबा ने हमारे परिवार पर की है। मेरी बेटी के विवाह के दस वर्ष पश्चात् भी उसकी कोई संतान नहीं थी। मैं जब भी बाबा के मंदिर जाती थी तो ना जाने क्यों मुझे लगता था कि बाबा मुस्कुरा रहे हैं, और फिर कुछ समय के बाद बाबा के आशीर्वाद से उसकी बेटी हुई, जो अब ढाई वर्ष की हो गई है। उसके आने से जैसे हमारे सूने जीवन में बहार आ गई है।

बाबा ने अनगिनत बार हमारी रक्षा की है। जब जब कोई मुसीबत आती है तो बस बाबा को याद कर लेती हूँ और फिर एक विश्वास सा मन में आ जाता है कि बाबा सब ठीक कर देंगे और सच में वो बला टल जाती है। **-पंकज पासी**

जब तब मनुष्य दुष्टता त्याग कर दुष्कर्म करना नहीं छोड़ता, तब तक न तो उसे पूर्ण शान्ति ही मिलती है और न मन ही स्थिर होता है। वह मात्र बुद्धि बल द्वारा ज्ञान लाभ कदापि नहीं कर सकता।

अनन्य भक्त-रघुजी शिंदे व रामचन्द्र पाटील

भक्त रघुजी शिंदे, भक्त भागोजी के ज्येष्ठ भ्राता थे और शिरडी ही उनका निवास स्थान था। एक समय उन्हें बड़ी कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ा। साधारणतया हर गांव की तरह शिरडी में भी दो गुट थे। एक समय दूसरे गुट ने रघुजी व उनके साथियों के विरूद्ध झूठा मुकादमा, कि उन्होंने बिरड़ीचंद की धर्मपत्नी के साथ दुर्व्यवहार किया है, दायर किया। जिससे सब पर एक अपराधिक मामला दर्ज हुआ। कोपरगांव न्यायालय में मजिस्ट्रेट अप्पा साहेब की अध्यक्षता में मुकादमा चला। झूठे गवाहों ने कुछ इस तरह से गवाही दी कि जैसे वास्तव में ही दुर्व्यवहार हुआ हो। रघुजी व अन्य साथियों को चार महीने की सज़ा सुना दी गई।

इस दुर्भाग्यशाली घटना से तात्या पाटील जी बहुत परेशान हो गये। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि आपसी रंजिश के कारण ही झूठा मुकादमा दायर हुआ है। उस समय शिरडी में उपस्थित वकील दादा साहेब, काका दीक्षित व साठे जी से सलाह मशवरा किया। इन तीनों महानुभवों ने कागज़ात के अध्ययन कर कहा, मैजिस्ट्रेट का निर्णय अचूक है और अब अभियुक्तों को बचाया नहीं जा सकता। तात्या ने जब बाबा की ओर प्रश्नचिन्ह नज़र से देखा तो काका ने स्पष्ट शब्दों में कहा, बाबा यह निर्णय बहुत ही ठोस सबूतों पर है, आप रघु को बचाने की कोशिश न करें। उत्तर में बाबा श्री ने रहस्यमय मुस्कान बिखेरते हुए कहा, नहीं, नहीं! मैं कैसे ये कर सकता हूं, और मैं हूं कौन जो ये करे?

सब तरफ से परेशान व हताश हो तात्या ने पुन: बाबा से प्रार्थना की। बाबा ने कहा, ये सब कागज़ात लेकर धूमल के पास जाओ। आज्ञानुसार धूमल ने सब कागज़ों की जांच की और तात्या से कहा, 'मुझे कोई उम्मीद की किरण नज़र नहीं आ रही है परन्तु आप बाबा श्री की आज्ञा से ही मेरे पास आये हैं, अवश्य इसमें कुछ रहस्य है। धूमल ने पुन: कागज़ों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर एक अपील की रूप रेखा बनाई और सीधे मजिस्ट्रेट के घर पहुंचे।

आश्चर्य-मैजिस्ट्रेट ने सरसरी तौर पर कागज़ों पर एक नज़र डाली तथा धूमल जी ने जो ज़ुबानीतौर पर कहा, उसे सुन मैजिस्ट्रेट ने अभिभक्तों की तत्काल रिहाई का आदेश दे दिया। पश्चात् उत्सुकता से पूछा, साई बाबा कैसे हैं? क्या वे हिन्दु हैं या यवन? धूमल जी ने उत्तर दिया, आप स्वयं शिरडी जाकर उनसे मिलें। हिन्दुओं के लिये वो ईश्वर हैं और मुसलमानों के लिये औलिया। उधर जेल में रघुजी प्रत्येक क्षण बाबा श्री का ध्यान कर अपनी रिहाई के लिये प्रार्थना कर रहे थे। रात्रि को स्वप्न में बाबा ने आकर कहा, 'डरो नहीं, मैं तुम्हें छुड़ा लूंगा।' बाबा श्री के वचन सुन रघु जी स्वप्न में ही ज़ोर-ज़ोर से रोने लगे। सुबह वार्डन ने उन्हें जगा कर कहा, 'जाओ, तुम्हें रिहा कर दिया गया है। इस पूरी घटना पर धूमल जी ने एक लेख लिखा जो इस प्रकार है- रघुजी की रिहाई के लिये लोअर कोर्ट में कोई अपील नहीं की गई और न ही सरकारी वकील से कोई सलाह ली गई। घर पर ही मैजिस्ट्रेट ने रिहाई का आदेश दे दिया। दूसरा, जिस उत्साह से मैजिस्ट्रेट ने बाबा के विषय में जानकारी चाही ये बाबा श्री की एक अद्भुत लीला थी। ऐसा प्रतीत होता था कि जैसे मजिस्ट्रेट पूरी तरह बाबा श्री के वश में है, तभी क्षण भर में ही रिहाई का आदेश दे दिया।

इधर शिरडी में काका दीक्षित जी की सात वर्षीय पुत्री का देहान्त हो गया था। अन्तिम रस्म के लिये जब सब जाने लगे, बाबा

बोले, 'इंतज़ार करो, मैं तुम सबको एक चमत्कार दिखाने जा रहा हूं।' सबको विश्वास हो गया कि यह लड़की पुन: जीवित हो उठेगी। काफी प्रतीक्षा के बाद भी जब कुछ न हुआ तो सब निराश हो, अन्तिम रस्म के लिये चलने लगे, तभी धूमल नागपुर से शिरडी पहुंचे और कहा, रघुजी व साथियों को निर्दोष करार कर दिया है। ये सुन शिरडी वासियों को उस चमत्कार की लीला का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ जिसके बारे में बाबा श्री ने कुछ समय पूर्व कहा था।

बाबा के अनन्य भक्तों में एक आदरणीय नाम श्री बाला जी पाटील नेवासकर भी हैं, वे हरदम उनकी सेवा में तत्पर रहते। वे पूर्ण विरक्त होकर तथा घर बार त्यागकर शिरडी आये थे। उन्हें समझा-बुझाकर कर वापिस ले जाने के लिये बहुत से लोग नेवासे से शिरडी आये, परन्तु वे वापिस नहीं गये। बाबा श्री जिन रास्तों से प्रात: व संध्या को सैर के लिये निकलते थे, उन रास्तों से वे गंदगी हटाते, फिर झाड़ू लगाकर पूर्ण स्वच्छ करते। यह प्रथा भक्त बाला जी ने ही शुरू की थी। शिरडी में रहते हुए रास्ता साफ करना, मस्जिद को लीपना व बाबा के अन्य कार्यों को करना ही उनका ध्येय था। उनकी भक्ति की इतनी चरम सीमा थी कि वे साई महाराज के चरण-तीर्थ से स्नान करते समय महाराज के शरीर से गिरा जल ग्रहण करते थे। खेतों में पैदा हुई पूर्ण फसल सर्वप्रथम बाबा को भेंट करते। उसमें से जो कुछ बाबा उन्हें लौटाते, उसी से अपने कुटुम्ब का भरण-पोषण करते। यह क्रम अनेक वर्षों तक चला और उनकी मृत्यु उपरांत उनके पुत्र ने यह क्रम जारी रखा। भक्त बाला जी से संबंधित दो लीलाओं से सब साई भक्त परिचित हैं। (श्री साई सच्चरित्र)

हे नाथों के नाथ, श्री साईनाथ महाराज प्रथम आपको नमन कर उन भक्तों को भी नमन करता हूं, जिन्होंने आपके सदेह रूप का आनंदमय सान्निध्य पाया। भक्तों ने कभी राम, कभी कृष्ण तो कभी विठोबा का साक्षात् रूप बाबा श्री में देखा। इन्हीं भक्तों में एक ऐसे सच्चे भक्त श्री रामचन्द्र पाटील हैं, जिन्होंने बाबा का साथ उनकी महासमाधि पश्चात् भी दिया।

भक्त श्री रामचन्द्र दादा कोते पाटील का जन्म 1879 में शिरडी में हुआ। सोलह वर्ष की आयु में वे शिरडी में आये, तब तक बाबा ने मस्जिदमाई को अपना स्थायी निवास बना लिया था। अठारह वर्ष की आयु में वे बाबा श्री के सम्पर्क में आये और सदा के लिये उनके अनुयायी बन गये। बाबा श्री के सान्निध्य में आने पर उन्हें अहसास हुआ कि बाबा सत्य में परब्रह्म का ही एक अंश हैं।

15 अक्टूबर 1918 को जब बाबा श्री ने महासमाधि ली, बाबा श्री के पार्थिव शरीर की अन्तिम क्रिया को लेकर शिरडी में दो गुट बन गये थे। यवनों का कहना था कि उनके पार्थिव शरीर को खुले स्थान पर दफना कर उसके ऊपर मकबरा बना देना चाहिए। शिरडी वासियों व अमीर शक्कर की भी यही राय थी। तात्याजी जो गांव के सरपंच थे, उन दिनों अत्याधिक बीमार होने के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में लाचार थे, उन्होंने रामचंद्र जी को घर पर बुलाकर स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जैसे भी संभव हो बाबा श्री का पार्थिव शरीर बूटी वाड़े में ही रहेगा।' रामचन्द्र पाटील उस समय ग्राम अधिकारी भी थे। दृढ़ और निर्णायक फैसला देते हुए बोले यवनों का निर्णय मान्य नहीं है क्योंकि बाबा ने स्पष्ट कहा है- मुझे दागड़ी वाड़ा (बूटी वाड़ा) ले चलो, जहां मैं सुख से रहूंगा। मतभेद जब हद से ज़्यादा बढ़ा तो मतदान कराया गया। अधिकांश शिरडी वासियों ने रामचंद्र जी के निर्णय को उचित ठहराया। परन्तु इस फैसले से एक शिरडी निवासी सहमत नहीं हुए जो अप्पा कोते पाटील के दादा थे। उन्होंने गुस्से से रामचंद्र से कहा, आज के बाद मेरे घर में तुम्हारी आने की मनाही है। यह सुनकर रामचन्द्र ने भी उत्तर देते हुए कहा, जब तक आप जीवित हैं, मैं भी इस घर में कदम नहीं रखूंगा। परन्तु बाबा श्री का पुण्य शरीर बूटी वाड़े में ही विश्राम करेगा। क्योंकि रामचंद्र जी की बाबा श्री पर अगाध श्रद्धा थी और उन्होंने बाबा को सदा साक्षात् परमेश्वर मानकर पूजा की। ये सर्वविदित है कि सब शिरडी वासियों के सहमत होने पर बाबा श्री के पुण्य शरीर को बूटी वाड़े में ही विश्राम दिया गया। आश्चर्य! अपने कहे अनुसार रामचन्द्र कोते पाटील अपने दादा की मृत्यु पश्चात् ही उस घर में गये।

वर्ष 1915 में राव बहादुर साठे जी ने जब 'दक्षिणा भिक्षा संस्थान' स्थापित किया, रामचंद्र पाटील जी उसके प्रथम सैक्ट्री नियुक्त हुए। भक्त रामचन्द्र जी 20 वर्ष शिरडी ग्राम पंचायत के सरपंच भी रहे और साथ-साथ उपसचिव बनकर शिरडी साई बाबा संस्थान में भी सक्रिय रहे। भक्त रामचन्द्र पाटील उन भाग्यशाली भक्तों में से एक हैं जिन्हें ग्यारह वर्ष की आयु से ही बाबा श्री का प्रेम व आनंदमय सान्निध्य मिला तथा स्वयं बाबा श्री ने अपनी महासमाधि लेने का निश्चित दिन बतलाया। भक्त रामचन्द्र जी के ही अथक व दृढ़ निश्चय के कारण, कृपा सागर श्री साई बाबा जी का पार्थिव शरीर, बाबा की इच्छानुसार बूटी वाड़े में विश्राम कर रहा है। भक्त रामचन्द्र जी ने लगभग 70 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक अपनी अन्तिम सांस ली और सदा के लिये साई लोक चले गये। परम भक्त, भक्त शिरोमणी श्री रामचन्द्र जी को हम साई भक्तों का कोटि-कोटि प्रणाम।

कहने को बाबा शिरडीवासी थे परन्तु हज़ारों मील से हाथ बढ़ाकर भक्तों की रक्षा करते थे और वर्तमान में भी कर रहे हैं। बाबा ने हर स्थिति में श्रद्धा व सबूरी बनाये रखने को कहा है। हमें बाबा पर संपूर्ण विश्वास रखना चाहिए। जीवन सागर में यदि हम किसी जटिल समस्या में फस जाये तो बाबा के प्रति हमारी श्रद्धा हमें हर समस्या से उबार देगी। ओम श्री साई।

संकलन: साईदास योगराज मनचंदा
साभार: श्री साई लीला 2005

आवश्यक सूचना

श्री साई सुमिरन टाइम्स आपके लिए देश-विदेश की खबरें, भक्तों के अनुभव, बाबा के चमत्कार, बाबा के लेख आदि लेकर आता है, जिसे पढ़कर बाबा के प्रति श्रद्धा व विश्वास जागृत होता है। अगर आपके जीवन में भी बाबा का कोई चमत्कार हुआ हो तो आप अपना अनुभव एवं फोटो भेज सकते हैं। यदि आप श्री साई सुमिरन टाइम्स हर महीने मंगवाना चाहते हैं, अथवा इसमें विज्ञापन देना चाहते हैं तो आप हमें सम्पर्क कर सकते हैं। श्री साई सुमिरन टाइम्स हर महीने की 9 तारीख को डिस्पैच किया जाता है। अगर किसी को 25 तारीख तक ये अखबार नहीं मिलता तो वह हमें सम्पर्क करें:
Ph: 9818023070, 9212395615
email: saisumirantimes@gmail.com

हमारी बस खेतों में उलट गई

मेरा नाम निर्मल कौर है। मैं बाबा की एक छोटी सी भक्त हूं। मुझे बाबा पर पूरा विश्वास है। मुझे 12 मार्च को अपनी बहन को देखने के लिए दिल्ली से देहरादून

जाना था। मेरी और मेरी बेटी की टिकटें पहले से बुक थीं। जब हम धौला कुआं में देहरादून के लिए बस लेने जा रहे थे तो रास्ते में मेरे फोन में मैसेज आया कि तुम्हारी बस कैंसल हो गई है। मेरा देहरादून जाना बहुत ज़रूरी था इसलिए मैंने तुरंत कश्मीरी गेट से दोबारा बस बुक कर ली। कश्मीरी गेट से मैं और मेरी बेटी देहरादून पहुंच गये। वहां पर हम दो दिन रहे। 15 मार्च को हमें वापस दिल्ली आना था उस दिन मौसम बहुत खराब था। तेज़ बारिश हो रही थी, बिजली कड़क रही थी। मेरी बस रात 10:20 बजे की देहरादून से थी। मैं मन ही मन बाबा से प्रार्थना कर रही थी कि बाबा बारिश रोक देना ताकि हम बस पकड़ सकें। मेरी बहन और उसका बेटा मना कर रहे थे कि आज दिल्ली मत जाओ, कल चले जाना, मौसम ठीक नहीं है। लेकिन बारिश बंद हो चुकी थी। मुझे सोमवार को ऑफिस भी पहुंचना था इसलिए मैंने उसी दिन बस पकड़ी। जब मैंने बस पकड़ी उस समय मेरे 5 साल के भांजे का फोन पर वाइस मैसेज आया। उसने कहा कि मौसी मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, आप आज मत जाओ। लेकिन मुझे ऑफिस जाना था इसलिए मैं बस में बैठ गई। बस में हमारी स्लीपर की दो सीटें थी, मेरी और मेरी बेटी की। बस में बैठते ही हम सो गये। मैंने फोन चार्जिंग पर लगा दिया था। मेरी रात को आंख खुली तो मैंने अपने फोन को चार्जिंग से हटाया और मैंने अपनी जैकेट उतारा और टाईम देखा तो 2:15 बज रहे थे। मैंने सोचा कि 4:30 बजे दिल्ली पहुंच जाएंगे। मुझे अन्दर से कुछ अच्छा नहीं लग रहा था मैंने फोन साईड में रख दिया। उसी समय बस अचानक ज़ोर ज़ोर से हिलने लगी। मेरी बेटी मानवी जो मेरे साथ सो रही थी मैंने उसे दोनों हाथों से कस कर

पकड़ लिया। तभी अचानक हमारी बस साइड में खेतों पर उलट गई। बस के सभी यात्रीयों की चींखने की आवाज़ें आने लगी। इस दुर्घटना में मुझे बहुत चोटें आई मेरा एक हाथ काम नहीं कर रहा था। मेरे मुंह से खून निकल रहा था। मैं काफी ज़ख्मी हो गई थी। मैंने साई बाबा को याद किया और अपनी बेटी को इधर उधर देखा और ज़ोर से उसको बुलाने लगी तभी वो बोली, मम्मी मैं ठीक हूं। उसके बाद मैंने देखा कि मेरा फोन पास में ही पड़ा हुआ है। मैंने बस में इधर उधर देखा तो पीछे वाले शीशे से लोग निकल रहे हैं। थोड़ी देर में एम्बूलैंस भी वहां पर आ गई थी। बाबा की कृपा से मेरी बेटी को कुछ नहीं हुआ। बाबा ने मेरी बेटी और मेरी रक्षा की। एम्बूलैंस हमको हॉस्पीटल ले गई। मैंने बाबा का बहुत बहुत शुक्रिया किया। बाबा ने हम दोनों की रक्षा की। हम लोग हॉस्पीटल से नंगे पैर वापस एक्सीडेंट वाली जगह पर गये। वहां पर पहुंच कर मैंने पुलिस को फोन किया और कहा कि मुझे काफी चोट लगी हैं और हमको दिल्ली जाना है। तब पुलिस वाले वहां आए और वो हमें पुलिस स्टेशन ले गये। पुलिस वालों ने हमें दिल्ली की बस में बैठा दिया। मैं बाबा को लगातार याद कर रही थी तभी मुझे सड़क के किनारे मोदी नगर का साई मंदिर दिखाई दिया। मुझे लगा कि बाबा हमारे साथ हैं। फिर हम दिल्ली पहुंचे तो मेरी मम्मी और मेरी बहन मुझे लोकनायक हॉस्पीटल ले गये, वहां हमारा पूरा इलाज हुआ। मेरे बांए कंधे में फ्रैक्चर था और मेरे मुंह में चोट लगी थी। बाबा की कृपा से ही हमारी जान बच गई और ये बाबा की ही कृपा थी कि मेरी बेटी को ज़्यादा चोट नहीं आई। मैंने बाबा का शुक्रिया किया और प्रार्थना की कि हमेशा हमारे साथ ही रहें हमारी रक्षा करें। ओम साई राम।

-निर्मल कौर

साई आसरा शिरडी साई बाबा मंदिर कुंडली में साई भजन संध्या

सोनीपत: दिनांक 28 फरवरी 2026 को साई आसरा शिरडी साई बाबा मंदिर, TDI सिटी, कुंडली, सैक्टर-58, सोनीपत में साई भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायिका राधा राठौर जी ने अपनी मधुर आवाज़ में भजनों का गुणगान किया।

उनके भजनों के साथ-साथ सुप्रसिद्ध चित्रकार साई रत्न राजेश जी ने बाबा की अति सुन्दर पेंटिंग बनाई। राधा जी के मधुर भजनों के गुणगान के साथ-साथ बाबा का चित्र रूप में धीरे-धीरे आगमन देखकर सभी भक्तगण अत्यंत भाव विभोर हो गये। पूरा मंदिर भक्तों से भरा था। अंत में ड्रॉ द्वारा विजेता साई भक्त श्रीमती ज्योति खन्ना को बाबा की यह पेंटिंग भेंट स्वरूप दी गई। आरती के बाद सभी भक्तों ने भंडारा ग्रहण कर अपने-अपने घरों को प्रस्थान किया।

कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के सैक्टर-7, रोहिणी स्थित शिरडी साई बाबा मंदिर की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों द्वारा TDI सिटी, कुंडली, सैक्टर-58, सोनीपत में इस साई आसरा शिरडी साई बाबा मंदिर का निर्माण करवाया गया।

-वर्षा शर्मा

श्री योगी आदित्यनाथ जी ने साई दरबार सपनावत में साई बाबा को भेजी भेंट

सपनावत: होली महापर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री आदरणीय श्री आदित्यनाथ योगी जी द्वारा सिद्धपीठ शिरडी साई दरबार साई गांव सपनावत हापुड़ पर भेजीं गयी भेंट को उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना विभाग के अधिकारीगणों ने दरबार में श्रद्धा भाव से साई बाबा पर चढ़ाया। तत्पश्चात् दरबार के संस्थापक श्री जे.पी सिसोदिया को यह भेंट देते हुए, सभी भक्तों को आदरणीय मुख्यमंत्री की तरफ से होली की शुभकामनाऐं दी। दरबार के संस्थापक श्री जे.पी सिसोदिया जी ने भी अधिकारियों का स्वागत करते हुए आदरणीय मुख्यमंत्री जी के उज्जवल भविष्य के लिए साई बाबा से प्रार्थना की।

श्री राज मल्होत्रा जी ने कहा कि यह देश के साई भक्तों के लिए बड़े गर्व की बात है, गांव सपनावत के साथ-साथ देश-विदेश में भी साई भक्तों को ज्ञात हो जाएगा कि हापुड़ ज़िला में इतना भव्य साई मंदिर श्री सिसोदिया जी ने स्थापित किया है, जिसमें प्रत्येक पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। अब वह इस मंदिर में वीर बजरंगबली जी की बहुत ऊंची मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं जिसका भूमि पूजन हो चुका हुआ है। **-राज मल्होत्रा**

श्री साई सुमिरन टाइम्स की सदस्यता एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें- Ph: 9818023070

पलवल में शिरडी साई बाबा मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन

पलवल: दिनांक 26 मार्च 2026 को ब्लॉक डी-3, प्लॉट नम्बर 181, गुधाराना रोड, पलवल (हाईडल हरियाणा) में रामनवमी के पावन अवसर पर, ओम साई गणेशाय: नम: ट्रस्ट के प्रधान श्री मनोज जौहरी व श्रीमती बबीता जौहरी द्वारा नये साई बाबा मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। सर्वप्रथम मंदिर की भूमि पर हवन यज्ञ किया गया। उसके बाद वहां पर बाबा की धूनि की स्थापना की गई। बहुत से भक्त इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हवन के बाद 1 बजे सभी भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। श्री मनोज जौहरी जी ने बताया कि इस पावन धरा पर श्री साई बाबा के भव्य मंदिर का निर्माण किया जायेगा।

यदि कोई भक्त इस पावन कार्य में अपना सहयोग देना चाहे तो वे श्री मनोज जौहरी से फोन-8527271559 पर सम्पर्क कर सकते हैं या SBI के खाता संख्या- 44910213848, in F/O ओम साई गणेशाय: नम: ट्रस्ट, IFSC code: SBIN0000726 में अपनी सहयोग राशि जमा करवाकर पुण्य के भागी बन सकते हैं।

-अशोक निझावन

श्री साई सुमिरन टाइम्स
की सदस्यता एवं विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
Ph: 9818023070
9212395615
saisumirantimes@gmail.com

साँप का काटा तू ही बचाए

मेरा नाम भगवान देवी है। मैं गीता कॉलोनी की रहने वाली हूँ और हमारे ही इलाके में एक गुरुजी रहते हैं जिनका नाम श्री सुशील कुमार मेहता है जो साई बाबा जी के आशीर्वाद से पिछले 26 सालों से अपने पास आने वाले भक्तों का भला कर रहे हैं। वह अपने परिवार में रह कर भी गृहस्थ जीवन के साथ-साथ जन कल्याण के लिए परोपकार कर रहे हैं। मेरा उनके घर के निकट ही कपड़े प्रेस करने का छोटा सा ठिया है जिससे मैं अपने पूरे परिवार का गुज़र बसर कर रही हूँ। उसी ठिये पर गुरुजी के परिवार के कपड़े मेरे पास प्रेस होने के लिए आते हैं, जिस कारण हम गुरुजी के संपर्क में आये और उनके द्वारा होने वाले अनेकों चमत्कार, उनकी सादगी उनका निस्वार्थ सेवा-भाव देखकर हम भी उनसे जुड़ गए। एक रोज़ मुझ पर भी एक संकट का बादल आन खड़ा हुआ। मेरी बेटी पर किसी उपरी साये का असर है जिसके कारण मेरा काम भी बंद हो गया और मैं अपनी बेटी को लेकर डॉक्टरों के पास जाने लगी। जब किसी डॉक्टर से आराम नहीं पाया तो मैं रोती बिलखती गुरुजी के पास बेटी को लेकर चली गई। वहाँ जाकर जब गुरुजी ने मेरी बेटी को देखा तो देखते ही कहने लगे कि उस पर किसी भूत-प्रेत का साया है जिसको अभी ठीक कर देता हूँ। गुरुजी ने मेरी बेटी के सिर पर हाथ रखा और अपनी आँखे बंद करके मेरी बेटी के सिर पर 3 बार फूंक मारकर अपना हाथ हटाते हुए बोले कि, अब बताओ बेटा कैसा लग रहा है? तो बेटी बोली, मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरे शरीर से कुछ निकल गया हो और मेरा शरीर अब बिल्कुल स्वस्थ लग रहा है। उस दिन के बाद से आज तक मेरी बेटी बिल्कुल स्वस्थ है ना कोई दवा ना कोई इंजेक्शन। गुरुजी ने मेरी बेटी के सिर पर हाथ रखा और वह शैतान बिटिया के शरीर से निकल कर भाग गया, जिस परेशानी ने मेरी बेटी और हमारे पूरे परिवार का पिछले 6 साल से जीना दुश्वार कर रखा था। उसी दिन से हमने गुरुजी के दरबार जाना शुरू कर दिया। उसके करीब 1 साल बाद मुझ पर फिर एक जानलेवा हमला हुआ। जैसे कि मैंने पहले अपना परिचय दिया कि मेरा कपड़े प्रेस करने का ठिया है वह एक नर्सरी की दीवार के पास है जहाँ अक्सर ज़हरीले सांप व नेवले पाए जाते हैं जो मौका पाते ही किसी पर भी हमला कर देते है। एक दिन दीपावली के दौरान मेरे काम में थोड़ी तेज़ी आ गई, जिस वजह से मुझे देर रात तक काम करना पड़ा। मेरे ठिये के पास शाम के समय अक्सर अंधेरा रहता है उसी दौरान मेरे पैरों पर किसी ने काट खाया। मेरी दर्द व जलन से जान निकले जा रही थी तभी मेरी बेटी ने ज़मीन पर टॉर्च जलाकर देखा तो एक बहुत बड़ा साँप फन फैलाए बैठा था, जिसे देख मेरी बेटी की चीख निकल गई और चीखते हुए बोली, मम्मी साँप! देखते ही देखते पूरा मोहल्ला इकट्ठा हो गया और मेरा दर्द भी बढ़ रहा था और उधर मेरी बेटी का रोना-बिलखना और मोहल्ले के लोगों की चिंता बढ़ती गई। क्योंकि मेरी बेटी का एक मैं ही सहारा हूँ और लोगों ने साँप को देखकर कहा कि इस साँप को देखकर तो ऐसा लगता है कि यह साँप बहुत ही ज़हरीला है और आपको तुरंत ही हॉस्पिटल लेकर जाना पड़ेगा नहीं तो ऐसा ना हो की हम लोगों के सोचते-सोचते देर हो जाए और इनकी जान चली जाए। मोहल्ले के लोगों के मुख से यह सब सुनकर मैंने उनसे कहा मुझे कहीं मत लेकर जाओ बस किसी तरह मुझे गुरुजी के पास पहुचा दो। फिर सब लोग बोले इस समय रात के 11:30 बज रहे हैं और गुरुजी सो रहे होंगे। मैंने सब लोगों से कहा कि गुरुजी बहुत दयालु हैं वह किसी भी पीड़ित व्यक्ति के लिए आधी रात भी उठ खड़े होते हैं। फिर तुरंत ही कुछ लोग मुझे उठाकर गुरुजी के दरबार ले गए। गुरुजी ने तुरंत दरवाज़ा खोला और बोले क्या हुआ? तो मोहल्ले के लोगो ने बताया कि गुरुजी इनके पैर पर किसी ज़हरीले साँप ने काट लिया है जिस कारण ये बेचारी दर्द और जलन के मारे रो रही है, अब आप ही बताइए की क्या करें? तो गुरुजी बोले हम और आप कोई नहीं है करने वाले, करने वाले तो साई बाबा हैं। फिर गुरुजी ने एक पानी का गिलास लिया और उसमें कुछ मंत्र पड़कर फूंक मारी और उस पानी से साँप की काटी हुए जगह को धोया और पैर धुले हुए पानी को पी गए और फिर क्या था, उसी वक्त मेरे पैर की जलन, दर्द व सूजन सब ख़त्म हो गई जैसे कोई चमत्कार हो।

गुरुजी का यह चमत्कार देखकर हम सब लोग हैरान रह गए कि एक तो गुरुजी की फ़क़ीरी और नम्रता देखिए कि मुझ जैसी ग़रीब महिला का पैर धोकर पानी पी गए वो भी नि:स्वार्थ भाव से और मेरे रोग को तुरंत खींच ले गए। उस चमत्कार को वहाँ उपस्थित लोगों ने देखा तो वहाँ सब लोग बाबा का वह भजन बोलने लगे, साँप का काटा तू ही बचाए, तेरे खेल निराले हैं। इस तरह अपने रोग से मुक्ति पाकर वहाँ से हम चले आए। गुरुजी हम जैसे भक्तों के लिए सचमुच भगवान हैं क्योंकि मेरे परिवार पर जब-जब संकट आया तो उन्होंने हमें सहारा दिया और नए-नए चमत्कारों का अनुभव करवाया। मैं आप सबको श्री साई सुमिरन टाइम्स के माध्यम से गुरुजी के चमत्कारों व साई की लीलाओं से अवगत करवा रही हूँ कि हम आम इंसानों के बीच कैसे रूप में भगवान के अवतार आते हैं, जिनको भगवान हमारे दुखों का निवारण करने के लिए भेजते हैं। जय हो मेरे गुरु देव की, जय साँई राम।

-भगवान देवी
गीता कॉलोनी

प्राचीन साई धाम मंदिर देव नगर में होली का रंगारंग प्रोग्राम

दिल्ली: प्राचीन साई धाम मंदिर, देव नगर, करोल बाग में होली का रंगारंग प्रोग्राम दिनांक 1 मार्च 2026 को धूमधाम से मनाया गया। ये पर्व मंदिर की महिला सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें बहुत से भक्त और कीर्तन मण्डली की महिला सदस्य भी उपस्थित थी।

प्रोग्राम को रंगारंग बनाने के लिये, राधा-कृष्ण की रास लीला वाले गानों पर भक्तों द्वारा नृत्य किया गया, ग्रुप में भी सभी भक्त नृत्य कर रहे थे। जो नज़ारा बहुत सुन्दर लग रहा था। फूलों से होली खेली गई और चन्दन का तिलक लगाकर सभी भक्तों का स्वागत किया गया। इस प्रोग्राम में मंदिर के पंडित जी श्री सत्यम जी और रमेश शुक्ला जी का भी सहयोग रहा।

साई मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित 'ओशो ध्यान केंद्र' में भी होली का पर्व मनाया गया। वहां भी नीरज जी की पुत्रवधु शालिनी जी भी उपस्थित थी, ऊपर की व्यवस्था पंडित सत्यम जी और शालिनी जी द्वारा की गई थी। साई मंदिर में भी शालिनी जी ने अपना पूरा सहयोग दिया और वो कार्यक्रम में भी उपस्थित रहीं।

प्रोग्राम के अन्त में सभी भक्तों को गुजिया, मिठाई व कोल्ड ड्रिंक का प्रसाद दिया गया और सभी भक्तों को चाय, ब्रैड पकौड़ा और समोसे का नाश्ता कराया गया। इस प्रकार होली का पर्व धूम-धाम के साथ सम्पन्न हुआ।

-मंजु पालीवाल

श्री राम मंदिर शिलांग में रामनवमी पर भव्य भंडारे का आयोजन

शिलांग: श्री रामनवमी के अवसर पर श्री राम मंदिर, शिलांग में पूरे सप्ताह विशेष कार्यक्रमों एवं भव्य भंडारे का आयोजन हुआ। श्री राम मंदिर के तत्वाधान में 24 मार्च को माता का जागरण हुआ। उसके पश्चात् 25 मार्च को प्रात: 9 बजे से 26 मार्च को प्रात: 9 बजे तक श्री रामचरित्र भजन पाठ का आयोजन किया गया। तत्पश्चात 26 मार्च को हवन, ध्वजा रोहण के बाद आरती की गई। उसके बाद लगभग 1000 भक्तों ने भंडारे प्रसाद का स्वादिष्ट भोजन ग्रहण किया। मैं अपने पाठकों को यह बताना चाहता हूं कि इस श्री राम मंदिर में श्री साई बाबा भी विराज मान हैं, अत: यह सारा आयोजन बाबा के निर्देशन में मेरे एवं मेरी पत्नी सुधा रानी के द्वारा सम्पन्न एवं क्रियान्वित हुआ।

-बलराम गुप्ता, शिलांग

सुरेन्द्र सक्सैना बंधु द्वारा शिरडी में भजनों का गुणगान

शिरडी: दिनांक 9 मार्च 2026 को सुप्रसिद्ध भजन सम्राट श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना बंधु जी ने शिरडी में समाधि शताब्दी मंडप पर भजनों का गुणगान किया। सर्वप्रथम गणेश वंदना सुनाकर उन्होंने भजनों का शुभारंभ किया। उसके बाद श्री सुरेन्द्र जी ने एक के बाद एक भावपूर्ण भजन सुनाकर सभी भक्तों को साई भक्ति में डूबो दिया। शिरडी में देश-विदेश से आए हज़ारों भक्तों की भारी भीड़ वहां मौजूद थी जिन्होंने उनके भजनों का भरपूर आनन्द लिया और उनकी गायकी की अत्यन्त सराहना की। कई भक्तों ने भाव विभोर होकर नृत्य भी किया। श्री अंकुश मदान जी ने बखूबी मंच संचालन किया। शिरडी संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री गोरक्ष गाडिलकर जी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने सक्सैना बंधु जी को सम्मानित किया। वहां उपस्थित सभी भक्त उनके भजन सुन भावविभोर हो रहे थे। श्री पारस जैन जी ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी हृदय से और पूरे भाव से भजनों का गुणगान करते हैं। वो एक अर्से से भजनों का गुणगान करके भक्तों को भक्ति की राह पर अग्रसर कर रहे हैं।

-पूनम धवन

साई धाम मंदिर
उप्पल साउथएण्ड कालोनी
सैक्टर-49, गुरूग्राम में शुभ
कार्यों के लिए 2 हाल
एवं 5 कमरे उपलब्ध हैं।
सम्पर्क करें:
श्री अरूण मिश्रा
फोन: 9350858495, 0124-2230021

SAI DHAM
OFFERS
HOME LIKE STAY & HOME LIKE FOOD
GUEST FACILITIES IN SAIDHAM
• 45 Well Furnished AC Rooms with Modern Amenities
• TV with Satellite channels/Intercom facility
• Geyser in each room to ensure round the clock hot water
• "Babaji" The Pure Veg. Restaurant & 3 Hall for Function
• Round the clock power backup with AC • Ample car parking
• Situated just 10 minute walking AIIMS/ Safdarjung Hospital.
Address : No.- 2 August Kranti marg Hauz Khas, New Delhi
Contact No. : 011-41656601, 9650053654

Our Associates

Agra - Sandhya Gupta
Aligarh- Seema Gupta
Ashok Saxena, D.P. Agarwal
Ambala - Ashok Puri
Amritsar- Amandeep
Ahmedabad - Arjun Vaghela
Aurangabad-Ashok Bhanwar Patil
Assam - Bidyut Sarma
Badayun - Varinder Adhlakha
Bhilwada - Kailash Rawat
Banas - P.K.Paliwal
Bareilly - Kaushik Tandon
Sapna Santoria, Prathmesh Gupta
Bhopal
Ramesh Bagre, Surendra Patel
Bangalore-Chandrakant Jadhav
Bathinda-Govind Maheshwari
Bikaner- Deepak Sukhija
Surender Yadav, Pt. Sadhu Ji
Purnima Tankha,
Bihar- Balram Gupta
Bokaro - Hari Prakash
Bhagalpur - Anuj Singh
Bhuvneshwar (Odisha)
Pabitra Mohan Samal
Chandigarh - Puneet Verma
Chennai - M. Ganeson
Chattisgarh- Nikhil Shivhare
Dehradun - H.K. Petwal,
Akshat Nanglia, Mala Rao
Dhanaula - Pradeep Mittal
Faridabad - Nisha Chopra
Ashok Subromanium,
Firozpur - P.C. Jain
Goa - Raju
Gurgaon - Bhim Anand,
Chander Nagpal
Ghaziabad - Bhavna Acharya
Usha Kohli, Dinesh Mathur
Gujarat - Paresh Patel, Nirav
Gwalior - Usha Arora
Haridwar - Harish Santwani
H.P. - Anita Sharma
Hyderabad - Saurabh Soni,
T.R. Madhwan
Indore- Dr. R. Maheshwari
Jalandhar - Baba Lal Sai
Jabalpur
Chandra Shekhar Dave
Jagraon - Naveen Khanna
Jaipur - Puneet Bhatnagar
Nitin Mahajan
Kolkata - Sushila Agarwal,
D. Goswami
Kapurthala - Vinay Ghai
Korba - T.P. Srivastava
Kurukshetra - Yash Arora
Pradeep Kr. Goyal
Kaithal - Naveen Malhotra
Lucknow - Gayatri Jaiswal,
Sanjay Mishra, Harish Sanwal
Ludhiana - Umesh Bagga,
Rajender Goyal, Sanjiv Arora
Mandi Govind Garh
Shunti Bhaji, Rajiv Kapoor
Mawana - Yogesh Sehgal
Meethapur - Shrigopal Verma
Meerut - Kamla Verma
Reena Choudhary
Mumbai-Anupama Deshpandey
Kirti Anurag, Sunil Thakur
Moradabad - Ashok Kapur
Mussoorie- R.S. Murthy,
Surinder Singhal
Nagpur - Pankaj Mahajan,
Srinivasan, Narendra Nashirkar
Noida - Amit Manchanda
K.M. Mathur, Kanchan Mehra,
Panipat- Raj Kumar Dabar,
Sanjay Rajpal
Patiala - P.D.Gupta,
Dr. Harinder Koushal
Panchkula - Anil Thaper
Palampur - Jeewan Sandel,
Anita Sharma
Parwanoo - Satish Berry,
Chand Kamal Sharma
Pune - Bablu Duggal
Sapna Lalchandani
Port Blair - J.Venkataramana
Pundri - Bunty Grover
Patna - Anil Kumar Gautam
Ranchi - Deepak Kumar Soni
Rishikesh- S.P. Agarwal,
Ashok Thapa
Raigarh - Narinder Juneja
Roorkee - Ram Arya
Rudrapur-Naresh Upadhyaye
Shirdi - Sandeep Sonawane
Nilesh Sanklecha, H.P. Sharma
Sonepat- Rahul Grover
Sangrur - Dharminder Bama,
Sirsa-Komal Bahiya, Bunty Madan
Surat - Sonu Chopra
Udaipur - Dilip Vyas
Ujjain - Ashok Acharya
Vidisha - Sunil Khatri
Zeera - Saranjeet Kaur

दिल तेरा दीवाना साई

दिल तेरा दीवाना
साई दिल तेरा
दीवाना,
तू ही मेरा ठिकाना
साई,
तू ही मेरा ठिकाना,
श्रद्धा सबूरी का
पाठ पढ़ाया,
सबको साई तूने
गले लगाया,
तेरे चरणों में सारा ज़माना,
दिल तेरा दीवाना साई दिल तेरा दीवाना,
दुनिया का सब चलन भी देखा,
रिश्ते नातों का भरम भी देखा,
साई न बदला चाहे बदले ज़माना,
दिल तेरा दीवाना साई, दिल तेरा दीवाना,
शुक्र करूं साई जी मैं पल पल तेरा,
हाथ पकड़ा जब से आपने मेरा,
साई तुम संग ही हर रिश्ता निभाना,
दिल तेरा दीवाना साई दिल तेरा दीवाना।

-डॉ संगीता ग्रोवर
गायिका लेखिका कवियत्री

साई बाबा

साई बाबा मदद करो,
तेरा दीवाना पुकारे तेरा नाम,

अंधेरी राहों में
भी दिखे,
बस तेरा
ही धाम,
टूट कर भी जो
उम्मीद बची,
वो तेरे
चरणों में है,
साई, संभाल ले आज मुझे,
तेरा दीवाना मुश्किल में है,
चाहे कोई कुछ भी बोले,
साई भगवान हैं मेरे,
साई ही सारे जगत के पालनहार,
प्रेम से बोलो जय साई राम।

-परेश पटेल

तेरे चरणों में कटेगा ये जीवन सारा

जब से मैं तेरा नाम स्मरण करने लगा साई
मेरे जीवन से दु:ख की घनघोर घटा हट गई
अब तुम हो मेरे सब कुछ शिरडी साई
तेरे चरणों में कटेगा ये जीवन सारा
ओंकारनाथ हो तुम मेरे साई
राम रहीम को तुम में है पाया
पुण्य राह के पुण्य मूर्ति
सत्य की मार्ग पर हमें ले चल सत्य मूर्ति
शांति स्वरूप हो तुम मेरे साई
श्रद्धा सबुरी एकता का प्रसार
किया अपनी जुबानी
तेरे दर्शन को आए लोगों को
ज्ञान भक्ति रस है पिलाया
महसूस किया सबने
उनके संग तुम हो शिरडी साई
तेरे भक्तों की संख्या बहुत है साई,
साई की सेवा में बहुत भक्तों ने श्रेष्ठता पाई
गणु, शामा, तात्या, नाना, बूटी, राधाकृष्ण माई,
भीष्म, पंत, दामू, कुशाल चंद,
अनेक साई सान्निध्य पाई
सब के रक्षक तुम हो मेरे साई,
साई पूजा चेष्टा का अग्रणी थे म्हालसापति
कलयुग अवतारी कल्पवृक्ष हैं सदगुरु साई,
जो ध्याता है उसके
जन्म सफल करावे शिरडी साई।

-टी.आर. माधवन

पुरानी चोट अथवा दर्द के इलाज हेतु तेल तथा लेप श्री साई मंदिर, एच ब्लॉक, सरोजनी नगर, नई दिल्ली से प्राप्त किया जा सकता है। सम्पर्क करें- प्रीति भाटिया फोन: 9899038181

किसी भी विज्ञापन पर अमल करने से पहले उसकी सत्यता की जांच स्वयं कर लें। प्रकाशक व सम्पादक इसकी प्रमाणिकता के लिए किसी तरह से ज़िम्मेदार नहीं होंगे। विज्ञापन एवं लेखकों की राय से सम्पादकीय का सहमत होना अनिवार्य नहीं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी व सम्पादक अंजु टंडन ने वीबा प्रैस प्रा. लि., C-66/3, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली से छपवा कर F-44-D, MIG फ्लै. टस, G-8 एरिया, हरि नगर, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित किया।
PRGI No. DELBIL/2005/16236

साई का प्रकट होना

मेरे मन में मेरे साईनाथ, तू रहने आ जाये।
मैं आंखें बंद करूं तेरा दर्शन हो जाये।।

साई शिरडी में अचानक प्रकट हुए। शायद उस वक्त उनकी उम्र कोई 16 साल रही होगी। साई सबसे पहले लोगों को शिरडी में नीम के पेड़ के नीचे दिखे थे। किसी को उनका नाम नहीं पता था। फकीरों-सी उनकी वेशभूषा थी। अत्यंत आकर्षक व्यक्तित्व, लंबे बाल, मुख पर अदम्य तेज, निर्भीक और सौम्य। वे हवा में कुछ इशारे करते और लोगों से बतियाते, मनमौजी स्वभाव के थे।

बाबा हमेशा फक्कड़ मिज़ाज के रहे। उन्हें दुनिया की भौतिक सुख-सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं रहा। मैले-कुचैले, फटे-पुराने कपड़े। जैसे बाबा को इन सब चीज़ों में कोई रूचि थी ही नहीं। अगर सिर्फ कपड़े बदलने से मन बदल जाता, नीयत बदल जाती, तो फिर लोग कपड़ों को ही पूजते। बाबा अंदर से इतने पाक-पवित्र रहे कि उनकी चमक मैले-कुचैले कपड़ों में होने के बावजूद भी उनके भक्तों के जीवन को चमकाती रहती है।

साई का शुरूआत समय

उस समय तक बाबा का नामकरण साई नहीं हुआ था। शिरडी में एक विदुषी थीं बायज़ामाई। एक बड़े परिवार से ताल्लुक रखती थी। बायज़ामाई बाबा को अपना बेटा मानती थी। बाबा भी उनसे कहते थे-तू मेरे पूर्व जन्मों की रिश्तेदार है। पिछले जन्म में तो तू मेरी बहन थी।

बायज़ामाई बाबा के खाने का ख्याल रखती थी। हालांकि बाबा को खाना खिलाना बेहद टेढ़ी खीर थी। वे कभी किसी नाले के पास बैठे मिलते, तो कभी किसी पेड़ के नीचे बैठे दिखते। रात में जंगल में विचरण करते हुए भी उन्हें कभी किसी जानवर से भय नहीं होता था। बायज़ामाई रोज़ बाबा के लिए खाने का डिब्बा बांधकर जंगल-जंगल, नदी-नाले पार कर उन्हें खोजती रहतीं। जैसे ही बाबा कहीं मिलते, तो बायज़ा उनका हाथ पकड़कर पास बिठाती और मुंह में जबरन निवाला डाल देती। कभी-कभी प्यार से पूछती-क्यों, कैसा लग रहा है? ठीक खाना बना लेती हूं न मैं? बाबा हमेशा मुस्कुराकर हां में जवाब देते। जबकि उन्हें स्वाद का कोई पता नहीं था। वो इन सब चीज़ों से ऊपर थे। उनके मुंह में स्वाद या बेस्वाद जैसी कोई बात नहीं थी।

फिर एक दिन अचानक बाबा शिरडी से अर्न्तध्यान हो गए। माई परेशान। जंगल-जंगल, नाले-नाले, पेड़-पौधों के पीछे अपने बेटे को ढूंढती। लोग मानते हैं कि शायद बाबा जब शिरडी में नहीं थे, तो उनका कार्यक्षेत्र कोई और जगह थी। इस तरह कुछ साल बीत गये। शायद एक या दो साल या फिर तीन।

धूपगांव के सरकारी मुलाज़िम थे चांद पाटिल। उनकी घोड़ी कहीं खो गई थी। वह अपनी घोड़ी की जीन लटकाए गांव-गांव, जंगल-जंगल उसे ढूंढते भटक रहे थे। ऐसे ही एक दिन चांद पाटिल जंगल से गुज़र रहे थे कि पीछे से आवाज़ आई-क्यों चांद अपनी घोड़ी ढूंढ रहे हो? वहीं ज़मीन पर एक पेड़ के नीचे अलमस्त फकीर के मुंह से यह सुनकर चांद पाटिल सकते में आ गये। सोचने लगे, इन महाशय को मेरा नाम कैसे पता और यह भी कैसे पता कि मेरी घोड़ी खो गई है?

फिर आवाज़ आई-चांद! वो उस छोटी वाली पहाड़ी के पीछे चले जाओ। वहीं पड़ोस में एक झरना बह रहा है, वहीं तुम्हारी घोड़ी आराम से पानी पी रही है। चांद पाटिल दौड़-दौड़े गए। वहां उन्हें अपनी घोड़ी मिल गई। चांद पाटिल ने उसे जी भरकर प्यार किया। घोड़ी को जीन पहनाई और उसे लेकर उस फकीर, औलिया के पास आ गए। उनकी वेशभूषा देखकर चांद ने सवाल किया-आप मुसलमान है? औलिया ने कोई जवाब नहीं दिया। बस मुस्कुरा दिए। चांद को लगा, शायद ये हिंदू हैं। उसने पूछा, आप हिंदू है? उसे फिर जवाब नहीं मिला। औलिया फिर से मुस्कुराए। मुस्कुराहट ऐसी जो परमशांति का बोध कराये। औलिया ने पूछा-चांद, चिलम पिओगे? चांद ने कहा, हां बाबा! ज़रूर। लेकिन साथ ही उनके मन में प्रश्न उठा कि चिलम में रखने के लिए अंगार और उसे ढकने के लिए साफी को गीला करने के लिए इस फकीर के पास पानी कहां से आयेगा।

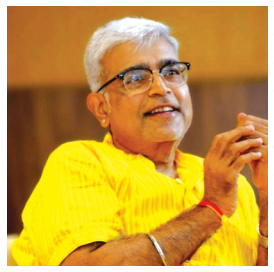

उस औलिया ने अपने पास रखे चिमटे को उठाया और ज़ोर से ज़मीन पर दे मारा। वहां से एक जलता अंगारा निकल आया। औलिया ने चिमटे से वो अंगारा चिलम पर रख दिया। अब पानी कहां से आएगा? इसके लिए औलिया ने अपना सटका उठाया और ज़मीन पर दे मारा वहां से पानी की धार फूट पड़ी। चिलम तैयार। चांद पाटिल समझ गया कि ये कोई साधारण मनुष्य नहीं है। चांद पाटिल ने कहा, मैं आपका नाम नहीं जानता। औलिया ने कहा, मुझे किसी ने कोई नाम दिया नहीं है। चांद ने कहा, बाबा, आप मेरे साथ धूपगांव चलिए।

चांद पाटिल उस फकीर को लेकर धूपगांव पहुंचे। मज़े की बात देखिए! कुछ वक्त बाद चांद पाटिल की पत्नी के भाई के बेटे की शादी तय हो गई। शिरडी में चांद पाटिल ने बाबा से बाराती बनकर चलने को कहा। बाबा तुरंत तैयार हो गए। शिरडी अपने साई को फिर एक बार बुला रही थी। बारात शिरडी आई और एक बरगद के पेड़ के नीचे उनके रहने का स्थान तय हुआ। बाबा बरगद के पेड़ के नीचे बैलगाड़ी से उतरे। एक और संयोग देखिए। पास ही खंडोबा का मंदिर था खंडोबा याने शिव। एक ज़माने में मल और मणि नाम के दो राक्षासों ने लोगों को जीना मुश्किल कर रखा था। तब देवता पहले इंद्र और फिर विष्णु जी के पास गए और उनसे मदद मांगी। लेकिन उन्हें मदद मिली शिव से। शिव ने जो अवतार लेकर उन दोनों राक्षसों का वध किया था, उस अवतार को खंडोबा के नाम से जाना जाता है। पुणे के पास जेजुरी नाम के गांव में खंडोबा देव का मुख्य मंदिर है।

खंडोबा के उस मंदिर का एक पुजारी था म्हालसापति चिमनलाल नागरे। बेहद सरल और सहज प्रकृति का व्यक्ति। बाबा बैलगाड़ी से उतरे। म्हालसापति अल्पशिक्षित थे, शिरडी बेहद छोटा सा गांव था, जहां म्हालसापति ज़्यादा शिक्षा या यूं कहिए कि ना के बराबर शिक्षा ही प्राप्त कर पाए थे।

बाबा का बैलगाड़ी से उतरना हुआ और म्हालसापति उसी वक्त खंडोबा मंदिर से अर्चना करके बाहर आ रहे थे। पता नहीं उन्होंने क्या सोचकर कह दिया या बाबा ने उनसे कहलवा दिया- या साई। आओ साई! बाबा की लीला देखिए! उन्हें अपने लिए एक नाम चुनना था और म्हालसापति ने उन्हें यह नाम दिया और जो नाम दिया वह शब्द अरबी भाषा में सूफी संतों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, साई। बस पड़ गया नाम उस फकीर का...साई। धन्य है म्हालसापति जिनके दिये नाम को स्मरण कर आज पूरी दुनिया में करोड़ों भक्त मन की शांति पा लेते हैं।

जात न पूछो साधू की...

साई बारात से अलग शिरडी में निकल पड़े और इच्छा जाहिर की, मैं रात यहीं इसी खंडोबा मंदिर में रहूंगा। बाबा की यह इच्छा सुनकर म्हालसापति के माथे पर तनाव के बल उभर आए। दरअसल, म्हालसापति थे रूढ़िवादी। उन्हें लगा कि यदि इस मुसलमान से दिखने वाले बाबा को यदि मैंने खंडोबा मंदिर में रहने दिया, तो शिरडी के लोग क्या कहेंगे?

बाबा ने उसके मन के भाव पढ़ लिए। बाबा मुस्कुराए और बोले, कोई बात नहीं। मैं अपने लिए कोई दूसरा ठिकाना ढूंढ लूंगा। इसके बाद बाबा गांव के अंदर आए वहां उन्हें एक पुरानी टूटी-फूटी इमारत दिखाई दी। बाबा ने उसी में डेरा जमा लिया। दरअसल वह एक पुरानी मस्जिद हुआ करती थी। उसमें अब इबादत बंद हो चुकी थी। आज हम उसी मस्जिद को द्वारकामाई के नाम से जानते हैं। साई के इस कर्मक्षेत्र में योग्यता अनुसार भक्तों को काम, अर्थ, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

साई अब मस्जिद में आ गए थे। बाबा ने उस मस्जिद को अपना घर बना लिया। बायज़ामाई भी खुश हो गई। उन्होंने आगे बढ़ कर अपने बेटे को गले लगा लिया और रोने लगीं। थोड़ी झिड़की भी। बोलीं, ऐसे बिना बताए कहां चले जाते हो? बाबा ने कहा, माई, जाना पड़ा। कुछ काम था।

तब की बात... साई जब तक शिरडी में रहे तब तक उन्होंने भिक्षा मांगकर ही गुज़ारा किया। बाबा के भिक्षा मांगने का तरीका भी बेहद अलग था। वे जिससे भी भिक्षा मांगते उससे कहते, मेरा और तुम्हारा पिछले जन्म का कुछ लेन-देन है। जीवन पर्यन्त साई ने शिरडी में मात्र पांच घरों से ही भिक्षा मांगी। बायजामाई, बयाजी अप्पा कोते पाटिल, नंदू मारवाड़ी, सखाराम शेलके और वामन गोंदकर।

हेमाडपंत ने जब बाबा की भिक्षा पर अपना अध्याय लिखा तो बताया कि जो व्यक्ति कांचन, कामिनी और कीर्ति से दूर हो, भिक्षा मांगना उसका प्रारब्ध हो जाता है। बाबा को रूपए-पैसे का मोह था नहीं, अपनी प्रसिद्धि का भी उन्हें कोई शौक नहीं था। वो बहुत ही सधे हुए थे और सबसे दूर ही रहते थे। उन्होंने पूरे जीवन में किसी की ओर बुरी नज़र से नहीं देखा। दृढ़ ब्रह्मचर्य का पालन किया।

हेमाडपंत आगे लिखते हैं-खाना बनाने की क्रिया में पांच प्रकार के पाप हमसे होते है। पीसना, दलना, बर्तन मांजना, बर्तन धोना और चूल्हा जलाना। इसमें अनेक जीवाणु मर जाते हैं। जो मनुष्य यह खाना खाते हैं, उन्हें पाप लग जाता है। बाबा ने उन लोगों को पाप से बचाने के लिए उनके यहां भिक्षा मांगने का क्रम शुरू किया।

आखिरी दिनों में जब वे चल-फिर नहीं पाते थे, तो कभी शामा, कभी प्रो. नारके तो कभी उपासनी महाराज को अपनी ओर से भिक्षा लेने भेजते थे। लेकिन भिक्षा का क्रम उन्होंने कभी नहीं तोड़ा। उन दिनों भी नहीं जब 1908 से शिरडी में लोगों का तांता लगना शुरू हो गया था। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैल चुकी थी। गरीब-अमीर सब तरह के भक्त उनके चरणों में आने लगे थे, तब भी बाबा ने मांगकर ही अपना गुज़ारा किया।

प्रो. जी.जी. नारके करोड़पति बापूसाहेब बूटी के जमाई थे और इंग्लैड से पढ़कर आये थे। बाबा उन्हें भी भिक्षा लाने भेजते थे। एक बार बाबा ने प्रो. जी.जी. नारके को सूट में भिक्षा लाने भेज दिया। वो शर्म से पानी-पानी हो गए। बोले-बाबा ये क्या कराते हो? बाबा झिड़क कर बोले,तुझे भिक्षा मांगने में शर्म आती है? लोगों से लेगा, तभी लोगों को दे पाएगा। बाबा के शब्द कितने सारगर्भित थे। प्रो. जी.जी. नारके को यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे में टीचर के रूप में काम करने का मौका मिला। उन्होंने लिया कुछ और था, दिया किसी और रूप में।

लोग कहते हैं इतना बड़ा संत, जिसके लिए कहा जाता है कि वह लोगों की झोली भर देता है, उसे भिक्षा की क्या आवश्यकता? वह तो ज़रा हाथ ऊपर उठाता तो छप्पन भोग सामने आ जाते, लेकिन बाबा के खेल बड़े निराले हैं। मानव अवतार, जिसमें वो आए थे उसकी कुछ बंदिशें भी थी। उस मानव अवतार में उनकी हथेली में शायद लिखा था कि उन्हें भिक्षा से ही गुज़ारा करना है। या शायद वो लोगों को बताना चाहते थे कि किसी के सामने हाथ फैलाने में कोई बुराई नहीं है।

साई से सीधी सीख...

आप स्वयं देखिए। बिज़नेसमैन भी क्या करते हैं, वो भी तो भिक्षा ही मांगते हैं न। अपने मार्केटिंग वालों से कहते हैं कि जाकर आर्डर ले आओ फलां से। टारगेट पूरा कर ले यार, वरना मेरी नौकरी भी जाएगी और तेरी भी।

दरअसल, कर्म कोई भी बुरा नहीं होता अगर वो निष्पाप हो, लोगों की भलाई के काम आने वाला हो। जो लोग यह समझते हैं कि वे अपने पैसों से बड़ा-सा मंदिर बनवाकर भगवान को अपने पास ला सकते हैं, तो यह भूल है। पैसों से मंदिर बनवाया जा सकता है, लेकिन ईश्वर को उसमें नहीं बैठाया जा सकता। ईश्वर तो कण-कण में व्याप्त है। वे गरीब-अमीर में भेद नहीं करते और दरिद्रता में नारायण का वास होता है यह बताने के लिए साई ने भगवान होते हुए भी भिक्षा मांगकर ही अपना गुज़ारा किया। हम गरीबों के प्रति हेय भाव ने रखे और उनमें छिपे ईश्वर तत्व को पूजें और उनकी मदद करें इस आशय के साथ साई ने शायद यह जीवन शैली रची। वो मुक्त कंठ से गाते थे-फकीरी अव्वल बादशाही। अमीरी से लाख सवाई। गरीबों का अल्लाह भाई... बाबा भली कर रहे।

-सुमीत पोंदा

आभार: सबके जीवन में साई
बातें एक फकीर की

गुड़गांव में साई संध्या भजन एवं अमृतोत्सव

गुड़गाव: दिनांक 1 मार्च 2026 को श्री शिरडी साई सेवा समिति, गुड़गांव द्वारा क्लब हाऊस, हुडा जिम खाना क्लब, सैक्टर-4, गुरूग्राम में साई संध्या एवं भजन अमृतोत्सव का भव्य आयोजन श्री भीम आनन्द जी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का

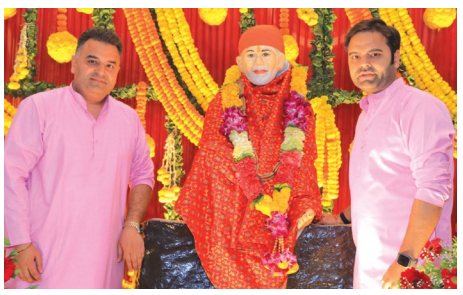

शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे वैदिक यज्ञ एवं देश भक्ति के गीतों से हुआ। वैदिक कार्यक्रम श्री अशोक शर्मा जी के मार्ग दर्शन में आर्य पब्लिक स्कूल मॉडल टाऊन की छात्र एवं स्टाफ के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

सांय 4 बजे से सुश्री अल्का गोयल जी ने अपनी मधुर आवाज़ में श्री कृष्ण के भजनों का गुणगान किया। सांय 7 बजे से सुप्रसिद्ध भजन गायक पंकज राज जी ने साई भजनों का गुणगान किया। उनके भजनों का सभी भक्तों ने खूब आनंद लिया। दिनभर पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। सभी भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान श्री ओम प्रकाश कथूरिया (ओम स्वीट्स), पूर्व पार्षद एवं समाज सेवी श्रीमती सीमा पाहूजा एवं समाज सेवी अंजली राही, गीता भवन के प्रधान श्री यू.बी. ग्रोवर एवं मुनीष खुल्लर ने भी कार्यक्रम में आकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री शिरडी साई सेवा समिति धार्मिक कार्यों के साथ-साथ अनेक सामाजिक कार्य भी करती है जिसमें भ्रूण हत्या को हतोत्साहित करना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रक्तदान व नेत्रदान के प्रति जागृति फैलाना आदि नेक कार्य किये जाते हैं। निरामया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से इस कार्यक्रम में आंखों का फ्री चैकअप कैम्प दोपहर 2:30 बजे से सांय 5 बजे तक लगाया गया। जिसका बहुत से भक्तों ने लाभ लिया। शिरडी से आए श्री राजेश कोछड़ जी ने इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण किया।

इस भव्य कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए श्री भीम आनन्द जी ने मुकेश पाहुजा, सुनील पाहवा, मनीष रहेजा, देशराज कालरा, इन्द्र टुटेजा, सुभाष चुटानी, सतीश जिन्दल, चन्द्रशेखर परिवार से गौरव कुमार, सौरभ कुमार और संजीव कुमार, भोला सन्स ज्वैलर्स (गोल्ड सुक), ओम स्वीट्स, KDH, Bliss Premiere, लीला कृष्ण आहुजा, शबनम ग्रोवर, डॉ. त्रिलोक आहूजा, ओ.पी. बंधु, सुधीर चावला, मुनीम जी, भगत किरयाना, अन्नपूर्णा बेकरी, कीरीत जैन, वरूण अरोड़ा, हरीश बेकरी, श्री शिरडी साई सेवा समिति, शिवपुरी, गुरूग्राम, श्री शिरडी साई परिवार, ज्योति पार्क, गुरूग्राम कटारिया फ्लावर्स, प्रवासी टेंट एवं श्री शिरडी साई मानव सेवा समिति, नई दिल्ली को हृदय से आभार प्रकट किया। श्री शिरडी साई सेवा समिति, गुड़गांव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न धार्मिक आस्थाओं का सामूहिक पर्व मनाना व सामाजिक सौहार्द बनाये रखना है। **-जी.आर. नंदा**

साई धाम मिनी शिरडी सलेमाबाद में रामनवमी महोत्सव

गाज़ियाबाद: दिनांक 26 मार्च 2026 को साई धाम मिनी शिरडी, रावली रोड, मुरादनगर में रामनवमी उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रात 5:15 बजे बाबा के मंगलस्नान से हुआ। चुने गये 5 भक्तों द्वारा लाये गए जल से बाबा को स्नान कराया गया। तत्पश्चात् बाबा का अभिषेक हुआ। प्रात: 9:15 बजे द्वारकामाई में अनाज की बोरी परम्परा अनुसार बदली गयी और झण्डा भी बदला गया। उसके बाद 10 बजे पूजा अर्चना एवं हवन किया गया, जिसमें बहुत से भक्त शामिल हुए। मध्यान्ह आरती के बाद 12: 30 बजे सभी भक्तों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया।

दोपहर 2 बजे से मंदिर में भक्तों द्वारा साई नाम जाप किया गया। कई भक्तों द्वारा मशाल परिक्रमा की गयी, जिसमें भक्तगण मशाल लेकर चले। सभी कार्यक्रमों का आयोजन मंदिर के संस्थापक श्री वी.के. शर्मा जी एवं श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जी, साई धाम ट्रस्ट एवं श्री साई धाम समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धापूर्वक किया गया। मंदिर के संस्थापक श्री वी.के. शर्मा जी व श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जी ने सभी भक्तों को हार्दिक शुभकामनाऐं दी।

-ऊषा कोहली

मेरे प्यारे साई

जब से साई को जाना है, मैंने उन्हें अपना माना है, तन से, मन से, दिल से, अपना माना है। साई की शिरडी में जाना मुझे अच्छा लगता है, साई से अपने दिल की हर बात करना अच्छा लगता है। मुझे शिरडी में साई के संग रहना अच्छा लगता है, यूं तो बाबा हर पल मेरे साथ रहते हैं हर पल मेरा साथ भी देते हैं। मैंने साई को अपना माता-पिता, भाई-बहन, सखा मान लिया है, अब तो ये लगता है कि मेरी सारी उम्र साई के चरणों में ही बीते। यूं तो साई के छोटे-छोटे कई चमत्कार मेरे साथ हो चुके हैं, पर मैं साई का एक चमत्कार अपने जन्मदिन 3 अप्रैल के दिन देखना चाहती हूं। अपने होने का एक अहसास किसी भी रूप में आकर करवा देना, मुझे मेरे जन्मदिन का उपहार अपने दर्शन देकर जाना। बस इतनी सी अपने प्यारे से साई से अरदास है। जय साई राम। **-भव्या दत्ता**

श्री साई परिवार समिति द्वारका द्वारा विशाल साई भजन संध्या एवं पालकी

दिल्ली: दिनांक 21 मार्च 2026 को श्री साई परिवार समिति द्वारका के सदस्यों द्वारा अक्षरधाम अपार्टमेंट, सैक्टर-19, पॉकेट-3, द्वारका के कम्युनिटी हॉल में 9वीं विशाल साई भजन संध्या, बाबा की पालकी एवं भण्डारे का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 8:30 बजे हवन यज्ञ से किया

सुनाकर वहां उपस्थित सभी भक्तों का मन मोह लिया। संदीप जी के सुपुत्र अनुज सहगल जी और विष्णु सहगल जी ने भी अति मनभावन भजन सुनाकर सबको साई भक्ति में सराबोर

गया जिसमें समिति के सभी सदस्य सपरिवार एवं भक्तगण शामिल हुए। तत्पश्चात् 11 बजे साई बाबा की पालकी अक्षरधाम अपार्टमेंट में

कर दिया। सभी भक्तों ने उनके भजनों का खूब आनन्द लिया और कई भक्तों ने उनके भजनों पर खूब नृत्य भी किया। पूरा पंडाल भक्तों से भरा था और पूरा माहौल साईमय था। बाबा के परमभक्त श्री के.बी. शर्मा जी व श्रीमती नीलम शर्मा जी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेषतौर से सिंगापुर से दिल्ली पंहुचे। भजनों के बाद आरती की गई और सभी के लिए स्वादिष्ट लंगर प्रसाद का प्रबन्ध किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने स्वादिष्ट लंगर प्रसाद ग्रहण किया। भक्तों के लिए व्रत वाला भण्डारा भी बनाया गया। सबको लड्डू एवं फल प्रसाद भी दिया गया। श्री साई परिवार समिति के सभी सदस्यों द्वारा सभी प्रबंध अत्यंत सुचारू रूप से किये गये जिससे ये कार्यक्रम भक्तों के लिए एक यादगार शाम बन गई। **-सरिता शर्मा**

धूमधाम से निकाली गई। पालकी के साथ-साथ बहुत से भक्त साई नाम के जयकारे लगाते हुए चले। अक्षरधाम अपार्टमेंट साई नाम के जयकारों से गूंज उठा। शाम 7:30 बजे से साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। विशाल पंडाल में बाबा का दरबार फूलों से अति सुन्दर सजाया गया। भजनों के गुणगान के लिए सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री संदीप सहगल जी को आमंत्रित किया गया। संदीप जी ने अपने चिरपरिचित् अंदाज़ में अनेक भजन

प्रतियोगिता नम्बर 245

नीचे लिखी पंक्तियां श्री साई सच्चरित्र से ली गई हैं, आपको बताना है कि ये कौन से अध्याय से हैं। सही जवाब भेजने वाले को मिलेगा इनाम। अपने जवाब हमें 9818023070 पर whatsapp करें या saisumirantimes@gmail.com पर ई-मेल करें। अपना पता व फोन नम्बर अवश्य लिखें।

1. न तो हमें उपवास करना चाहिए और न ही अधिक भोजन। भोजन में संयम रखना शरीर और मन दोनों के लिए उत्तम है।
2. यद्यपि मैं देहत्याग भी कर दूंगा, परन्तु फिर भी मेरी अस्थियां आशा और विश्वास का संचार करती रहेंगी।

ईनाम- कंचन मेहरा के सौजन्य से शिरडी आने जाने की स्लीपर क्लास की दो टिकटें। (शिरडी टिकट तीन महीने तक ही मान्य है)

पिछले माह की प्रतियोगिता के सही उत्तर: 1. अध्याय-18-19 2. अध्याय-31

सही जवाब भेज कर शिरडी यात्रा की 2 टिकटों (स्लीपर क्लास) का इनाम जीता है उत्तम नगर, दिल्ली से चन्द्रकला ने। आपको बधाई एवं शुभकामनाऐं।

सम्पादन मण्डल

मुख्य संरक्षक	-सी.एल. टिक्कू, स्वामी बलदेव भारती, राकेश जुनेजा, सुमित पोंदा, मोतीलाल गुप्ता, पवार काका, सर्वेंट्स ऑफ शिरडी साई
मुख्य सलाहकार	-स्वामी सत्यानंद महाराज, संदीप सोनवणे, सुरेन्द्र सक्सैना, भरत मेहता, अशोक सक्सैना, सुनील नागपाल, नीरज कुमार, जी.आर. नंदा, अशोक खन्ना, मुकुल नाग,
सलाहकार	-महेन्द्र दादू, भीम आनंद, मीता साई, के.बी. शर्मा के.सी. गुप्ता, नरेश मदान, अमित माथुर, सचिन जैन, सुरेन्द्र सेठी, संदीप अरोड़ा, मंजु बवेजा
विशेष सहयोग	-अमित सरीन, महेन्द्र शर्मा
सम्पादक	-अंजु टंडन
सह सम्पादक	-शिवम चोपड़ा
उप सम्पादक	-पूनम धवन,
डिज़ाइनर	-गायत्री सिंह
कानूनी सलाहकार	-प्रेमेन्द्र ओझा
सहयोगी	-ज्योति राजन, कृष्णा पुरी, मीरा साव, अंजली, कंचन मेहरा, मीनू सिंगला, साईना पुरी, दिनेश माथुर, सुनीता सग्गी, विवेक चोपड़ा, वर्षा शर्मा, सीमा सौंधी, आंचल मारवा, संजय उप्पल, शैली सिंह, किरण, विशाल भाटिया, सुषमा ग्रोवर, गुरबचन सिंग, उषा अरोड़ा, योगेश शर्मा, उषा कोहली, नीलू जग्गी, राजीव भाटिया, प्रेम गुलाटी, योगेश बहल, नीलम खेमका, सीमा मेहता, गीतांजलि छाबड़ा, निर्मल कौर, नितिन महाजन।

-प्रशासनिक कार्यालय-
F-44-D, MIG Flats, G-8 Area, Hari Nagar,
New Delhi -110064, Ph- 9818023070, 9212395615
(सभी पद अवैतनिक हैं)

SAI UNIVERSITY
CHENNAI

India's First International University:
Where Multidisciplinary Education Meets Excellence

ADMISSION OPEN 2026-27

Recognized by University Grants Commission (UGC)

B.A. LL.B. (Hons.) programme recognised by Bar Council of India

8 Schools | **40+** programs | Offering **Undergraduate, Postgraduate and Doctoral** Programs | Optional **major, minor, and elective combinations** across streams

B.Tech 4 years — COMPUTING AND DATA SCIENCE, AI, BIOTECH

- Computer Science
- Data Science
- Computing and Science
- Computer Science (AI)
- Artificial Intelligence
- Biotechnology
- Environmental Engineering
- Biomedical Engineering

BUSINESS — BBA (HONS.), MBA

- BBA (Hons.) 4 years — Business Intelligence and Data Analytics | Digital Marketing | Finance | Operations | Human Resource Management
- MBA 2 years — Fintech | AI and Analytics | Healthcare

B.Sc. (Hons.) / B.A. (Hons.) 4 years — ARTS AND SCIENCES | MEDIA

- Neuroscience
- Biological Sciences
- Psychology
- Visual Communication
- Film and Television
- Economics
- Politics, Philosophy, and Economics (PPE)
- Media Studies

LAW

- BA LLB (Hons) 5 years
- LLM 1 Year
- BBA LLB (Hons)* 5 years
- PG Diploma in Tech Law 1 Year

ALLIED HEALTH SCIENCES - B.Sc. , M.Sc.

Cardiovascular technology | Respiratory technology | Medical laboratory | Renal dialysis | Operation theatre & anesthesia | Emergency and trauma care physician assistant | Optometry | Critical care technology | Radiology | Physiotherapy | Occupational therapy | Clinical embryology | ART counselling

SAIU RESEARCH

4 Research Labs | 150+ Journal Papers Published | 199 Cumulative H-Index | 1.37 CR Research Projects

APPLY NOW

Sai University 2026-27 admissions

VISIT WEBSITE

admissions@saiuniversity.edu.in +91 91500 75661 / 62 / 63

Sai University Chennai, One Hub Road, OMR, Paiyanur, Chennai, Tamil Nadu 603105

Follow us on @Sai University

Narayana Murthy Inspires Graduates at SAIU's Inaugural Convocation

Sai University Hosts Convocation 2025 in Traditional Attire